नई दिल्ली
22 जून, 2026
सोमवार
मूल्य : 01 रुपए
पृष्ठ : 08
वर्ष : 14
अंक : 82

अनोखे अंदाज़ और निराले टेवर के साथ इन्साफ की डगर

# टाइम्स ऑफ़ पीडिया

RNI No. DELMUL/2012/47011

www.timesofpedia.com

Email : timesofpedia@gmail.com

वैभव सूर्यवंशी ने हिला डाली रिकॉर्ड बुक 07

## संक्षिप्त वार्ता

### पीएम मोदी ने ओडिशा में 47,600 करोड़ के प्रोजेक्ट्स लांच किए

मयूरभंज। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को ओडिशा के मयूरभंज जिले में 47,600 करोड़ से अधिक की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इस मौके पर उन्होंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के ससुराल पहाड़पुर गाँव को सोलर गाँव के रूप में विकसित करने की घोषणा की। यह कार्यक्रम राज्य में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) सरकार के दो साल पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित हुआ था, जिसमें मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू भी मौजूद रहे।

राष्ट्रपति मुर्मू के 68वें जन्मदिन पर प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें शुभकामनाएँ देकर कहा कि उन्होंने केवल मयूरभंज ही नहीं, बल्कि पूरे ओडिशा की पहचान को मजबूत किया है। पीएम मोदी राष्ट्रपति के साथ उनके ससुराल पहाड़पुर भी गए, जहाँ उन्होंने कौशल प्रशिक्षण हब में छात्राओं से बातचीत की।

### मप्र के 8 शहरों में लगेंगे बायोगैस संयंत्र

भोपाल। मध्य प्रदेश में शहरी कचरे के निपटान और स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। प्रदेश के 8 शहरों में कचरे से कंप्रेस्ड बायोगैस बनाने के लिए 282.44 करोड़ रुपए की लागत से प्लांट स्थापित किए जाएंगे। इन परियोजनाओं के माध्यम से प्रतिदिन 1055 टन ठोस कचरे का उपयोग कर करीब 40 टन गैस का उत्पादन किया जाएगा। इससे एक ओर शहरों में कचरा प्रबंधन की समस्या कम होगी, वहीं दूसरी ओर स्वच्छ ईंधन की उपलब्धता भी बढ़ेगी।

नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा स्वच्छ भारत मिशन-शहरी के तहत इन परियोजनाओं को सार्वजनिक-निजी भागीदारी मॉडल पर विकसित किया जा रहा है। परियोजनाओं का निर्माण डिजाइन, बिल्ड, फाइनेंस, ऑपरेट एंड ट्रांसफर मॉडल के तहत होगा। कचरे के संग्रहण और परिवहन की जिम्मेदारी संबंधित नगरीय निकायों की होगी। प्रदेश में कुल 8 सीबीजी परियोजनाएं प्रस्तावित हैं। इनमें देवास, रतलाम, उज्जैन और ग्वालियर में स्वतंत्र परियोजनाएं स्थापित की जाएंगी, जबकि बुरहानपुर, खंडवा, मुरैना और सागर में क्लस्टर मॉडल के तहत आसपास के नगरों का कचरा भी उपयोग किया जाएगा।

### चीतों के स्वागत को तैयार रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व

भोपाल। मध्य प्रदेश में चीता पुनर्स्थापना परियोजना लगातार विस्तार पा रही है। कूनो राष्ट्रीय उद्यान और गांधी सागर अभयारण्य के बाद अब रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व चीतों का तीसरा बड़ा ठिकाना बनने जा रहा है। रिजर्व के 439 हेक्टेयर वन क्षेत्र में चीतों के लिए विशेष आवास तैयार किया जा रहा है, जिसका करीब 80 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है। वन विभाग का लक्ष्य इस महीने के अंत तक सभी तैयारियां पूरी कर चीतों को यहां बसाने का है।

मध्य प्रदेश में चीतों की बढ़ती संख्या को देखते हुए उनके लिए नए और सुरक्षित आवास विकसित किए जा रहे हैं। कूनो से तीन चीतों को पहले ही गांधी सागर में स्थानांतरित किया जा चुका है, जबकि अब रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व को अगले केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है।

## पीएम मोदी का विश्व को संदेश- योग दुनिया को जोड़ने वाला माध्यम

### हजारों लोगों के साथ प्रधानमंत्री ने किए पांच प्रमुख आसन

*कोलकाता। 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर रविवार को कोलकाता का ऐतिहासिक रेड रोड योगमय हो गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हजारों लोगों के साथ सामूहिक योगाभ्यास करते हुए कहा, प्रत्येक व्यक्ति का लक्ष्य यह होना चाहिए कि वह 40 वर्ष की उम्र में 20 वर्ष की उम्र से अधिक लचीला, 50 वर्ष की उम्र में 30 वर्ष की उम्र से अधिक ऊजार्वान तथा 70 वर्ष की आयु में भी 50 वर्ष की आयु जितना स्वस्थ और सक्रिय बना रहे। उन्होंने कहा कि योग इस लक्ष्य को प्राप्त करने का प्रभावी माध्यम है।*

*प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि योग आज दुनिया का सबसे बड़ा सामुदायिक उत्सव बन चुका है, जो लोगों, देशों और संस्कृतियों को एक सूत्र में जोड़ने का कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि 21 जून, जिसे वर्ष का सबसे लंबा दिन माना जाता है, अब पूरी दुनिया में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाया जाता है। सफेद टी-शर्ट और सफेद पैंट पहने प्रधानमंत्री मोदी ने रेड रोड पर आयोजित सामूहिक योग सत्र में ताड़ासन, अर्धचक्रासन, भद्रासन और त्रिकोणासन सहित कई योगासन किए। करीब 40 मिनट तक चले इस कार्यक्रम के दौरान वे प्रतिभागियों के बीच पहुंचे और योग मुद्राओं को सही ढंग से करने के लिए उन्हें मार्गदर्शन भी दिया। कई लोगों की योग मुद्राओं को उन्होंने स्वयं सुधारने का प्रयास किया।*

> 70 की उम्र में भी खुद को 50 जैसा स्वस्थ रखें

*इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की थीम ह्लयोगा फॉर हेल्दी एजिंगह्व यानी बढ़ती उम्र में स्वस्थ जीवन के लिए योग रखी गई है। इसका उद्देश्य यह संदेश देना है कि योग केवल शारीरिक फिटनेस तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मानसिक, शारीरिक और भावनात्मक स्वास्थ्य को भी सुदृढ़ बनाता है। कार्यक्रम में बुजुर्गों, युवाओं और विद्यार्थियों सहित सभी आयु वर्ग के लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर राज्यपाल आर. एन. रवि, विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी, दिलीप घोष, अग्निमित्रा पॉल तथा अन्य जनप्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।*

*उल्लेखनीय है कि वर्ष 2015 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस घोषित किया था। इसके बाद से ही प्रधानमंत्री मोदी देश और विदेश के विभिन्न शहरों में योग कार्यक्रमों का नेतृत्व करते चले आ रहे हैं।*

### योगमय हुआ मध्यप्रदेश, 5000 साधकों ने किया योगाभ्यास

## विश्व को भारत का अमूल्य उपहार है योग: राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु

भोपाल। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने कहा है कि हम भारत की उस महान योग परंपरा का उत्सव मना रहे हैं, जिसने मानवता के लिये स्वस्थ, संतुलित और सार्थक जीवन का मार्ग प्रदान किया है। योग विश्व को हमारी सांस्कृतिक धरोहर का एक अनमोल उपहार है। यह हमारे ऋषियों-मुनियों की हजारों वर्षों की साधना का परिणाम है। आज भारतभूमि से स्वास्थ्य, संतुलन, शांति और आत्मकल्याण का संदेश विश्व में प्रसारित किया जा रहा है।

योग स्वस्थ आयु के लिए थीम पर राष्ट्रीय कार्यक्रम कोलकाता में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मुख्य आतिथ्य में आयोजित किया गया। प्रदेश में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु के मुख्य आतिथ्य में जबलपुर के गैरीसन ग्राउंड में राज्य स्तरीय योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री श्री मोदी के कोलकाता से आयोजित कार्यक्रम का सजीव प्रसारण देखा व सुना। कार्यक्रम की शुरूआत व अंत में राष्ट्रगीत एवं राष्ट्रगान किया गया।

योगाभ्यास में मध्यप्रदेश के राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, उप मुख्यमंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री जगदीश देवड़ा, उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार, लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह, पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल, राज्यसभा सांसद श्रीमती सुमित्रा बाल्मीक, सांसद श्री आशीष दुबे, विधायक श्री अजय विश्नोई, अशोक रोहाणी, श्री सुशील तिवारी इंदु, डॉ. अभिलाष पांडे, श्री नीरज सिंह, श्री संतोष बरकड़े, महापौर श्री जगत बहादुर सिंह अन्नू, मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन, मध्यप्रदेश तीर्थ क्षेत्र एवं मेला प्राधिकरण अध्यक्ष श्री विनोद गोंटिया, नगर निगम अध्यक्ष रिकुंज विज, श्री रत्नेश सोनकर, श्री राजकुमार पटेल, श्री अखिलेश जैन, श्रीमती अश्विनी परांजपे, संभागायुक्त श्री धनंजय सिंह, कलेक्टर श्री राघवेन्द्र सिंह, पुलिस अधीक्षक श्री संपत उपाध्याय, जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी तथा लगभग 5 हजार योग साधकों ने सामूहिक योगाभ्यास में सहभागिता की।

राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2026 की थीम ह्लयोग फॉर हेल्दी एजिंगह्व है। यह थीम समाज के वरिष्ठ नागरिकों के लिए स्वास्थ्य, सक्रियता, आत्मनिर्भरता और गरिमापूर्ण जीवन में योग की उपयोगिता को रेखांकित करती है। योग बढ़ती आयु में भी व्यक्ति को स्वस्थ, सक्रिय और आत्मनिर्भर बनाए रखने में बहुत सहायक है। योग केवल शरीर को स्वस्थ रखने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह मन को शांति और भावनात्मक संतुलन प्रदान करता है। आज की व्यस्त दिन चर्या और जीवन शैली से जुड़ी बीमारियां हमारे सामने एक बड़ी चुनौती हैं। इनकी रोकथाम और समग्र स्वास्थ्य के लिए योग एक सरल, प्रभावी और सुलभ उपाय है।

राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने कहा कि यह प्रसन्नता का विषय है कि भारत सरकार योग को जन-जन तक पहुंचाने के लिए योग शिक्षा, अनुसंधान, प्रशिक्षण और जन-जागरूकता के क्षेत्र में निरंतर कार्य कर रही है। सामूहिक प्रयासों से योग जन-जन तक पहुंचेगा और सामूहिक मानवता के कल्याण का आधार बनेगा। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर सभी नागरिकों को योग को अपने दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने का संकल्प दिलाया। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि योग केवल शरीर को स्वस्थ बनाने का माध्यम ही नहीं, बल्कि यह संपूर्ण जीवन को संतुलित, सरल और आनंदमयी बनाने की पद्धति है। योग ही स्वस्थ तन, प्रसन्न मन और योग बने जीवन का धन है।

भारतीय ज्ञान परंपरा ने स्वस्थ जीवन का जो मार्ग दिखाया था, आज पूरी दुनिया उसे अपना रही है। संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा भारतीय योग को अंतर्राष्ट्रीय सम्मान दिया गया। प्रधानमंत्री श्री मोदी की दूरदृष्टि और अटूट प्रतिबद्धता से ही योग को पूरी दुनिया में अपनाया गया है। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि प्राणायाम के जरिए हम नई ऊर्जा और सकारात्मक सोच को अपनाते हैं।

#### योग, जीवनशैली का बनता जा रहा है अहम हिस्सा

*राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने कहा कि वर्ष 2014 में भारत की पहल पर संयुक्त राष्ट्र महासभा ने प्रतिवर्ष 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की। इस पहल से योग को विश्व कल्याण के एक सशक्त माध्यम के रूप में नई पहचान और व्यापक स्वीकार्यता मिली है। आज दुनिया के अनेक देशों में करोड़ों लोग योग को अपने दैनिक जीवन का अहम हिस्सा बना रहे हैं। योग अब जीवन शैली का अहम हिस्सा बनता जा रहा है। विदेशों में भी योग के प्रति लोगों का आकर्षण निरंतर बढ़ रहा है, और यह भारत की सांस्कृतिक शक्ति का सशक्त उदाहरण है।*

#### योग, आंतरिक शांति और सामूहिक कल्याण के लिये करता है प्रेरित

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने नागरिकों को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि हमारे शास्त्रों में शरीर, मन और आत्मा के संतुलन को जीवन की सफलता का आधार माना गया है। योग उसी संतुलन को स्थापित करने का मार्ग है। ह्ययोगह्न शब्द का अर्थ है जोड़ना – व्यक्ति को स्वयं से, समाज को प्रकृति से और सम्पूर्ण मानवता को व्यापक विश्व चेतना से जोड़ना। योग एक सशक्त माध्यम है, जो हमें आंतरिक शांति, संतुलन और सामूहिक कल्याण की दिशा में आगे बढ़ाता है। आज जब विश्व अनेक चुनौतियों का सामना कर रहा है, तब योग मानवता को शांति, संतुलन, समरसता और सामूहिक कल्याण का मार्ग दिखाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

## पेट्रोल-डीजल की कीमतों में राहत के संकेत

### केंद्रीय मंत्री पुरी बोले- थोड़ा इंतजार करना होगा

नई दिल्ली

देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में राहत की उम्मीद कर रहे लोगों के लिए केंद्र सरकार ने सकारात्मक संकेत दिए हैं। दरअसल केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी का कहना है, कि यदि हाल में कम कीमत पर खरीदा गया कच्चा तेल भारतीय रिफाइनरियों तक पहुंच जाता है, तो आने वाले समय में पेट्रोल और डीजल के दामों में कमी संभव है।

उत्तर प्रदेश के सोनभद्र में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों से बातचीत करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि तेल विपणन कंपनियां फिलहाल ऊंची कीमतों पर खरीदे गए कच्चे तेल का प्रसंस्करण कर रही हैं। इसलिए अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कीमतों में आई कमी का लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचने में कुछ समय लग सकता है।

उन्होंने कहा कि जैसे ही कम कीमत पर खरीदा गया कच्चा तेल रिफाइनरियों तक पहुंचेगा और उसका उपयोग शुरू होगा, तब ईंधन की खुदरा कीमतों में राहत देखने को मिल सकती है।

केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि वैश्विक ऊर्जा बाजारों में उतार-चढ़ाव और होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास बढ़े भू-राजनीतिक तनाव के बावजूद भारत में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में अपेक्षाकृत सीमित वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों की तुलना में देश में ईंधन कीमतों को काफी हद तक नियंत्रित रखा गया है। हाल के सप्ताहों में पश्चिम एशिया में बढ़े तनाव के कारण अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेजी देखी गई थी। इससे देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में भी बढ़ोतरी हुई, जिसका असर महंगाई, परिवहन लागत और घरेलू बजट पर पड़ा।

हालांकि, अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच जारी तनाव तथा होर्मुज जलडमरूमध्य से जुड़ी अनिश्चितताओं ने भविष्य को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि क्षेत्रीय तनाव और बढ़ता है और कच्चे तेल की कीमतों में दोबारा तेजी आती है, तो उपभोक्ताओं को सस्ते पेट्रोल और डीजल के लिए और इंतजार करना पड़ सकता है।

## रानी कमलापति रेलवे स्टेशन पर थमे कदम

> सैकड़ों यात्रियों और कर्मचारियों ने किया योगा

भोपाल। 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर देशभर में उत्साह, ऊर्जा और जनभागीदारी के साथ योग कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसी क्रम में राजधानी भोपाल के रानी कमलापति रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-1 पर पहली बार एक वृहद योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसने यात्रियों और रेलवे से जुड़े कर्मचारियों के बीच विशेष आकर्षण पैदा किया।

देशभर मे अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर पहली बार रानी कमलापति रेलवे स्टेशन पर योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की थीम योग फॉर हेल्दी एजिंग रखी गई है, जिसका उद्देश्य हर आयु वर्ग के लोगों को योग के माध्यम से शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक रूप से स्वस्थ जीवन अपनाने के लिए प्रेरित करना है।

#### अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक भी हुए शामिल

कार्यक्रम में रेलवे सुरक्षा बल, शासकीय रेलवे पुलिस, बेल्डर, कुली, पॉइंट्समैन, ऑटो रिक्शा चालक, रेलवे कर्मचारी और रेल सेवाओं से जुड़े विभिन्न वर्गों के लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सभी ने सामूहिक रूप से योगासन, प्राणायाम और ध्यान का अभ्यास कर स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संकल्प लिया। इस विशेष आयोजन में अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक राजाबाबू सिंह मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

#### योग केवल पार्कों और सभागारों तक सीमित नहीं

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक राजाबाबू सिंह ने कहा कि योग केवल एक व्यायाम नहीं, बल्कि जीवन जीने की एक समग्र पद्धति है, जो व्यक्ति को तनावमुक्त, ऊजार्वान और सकारात्मक बनाती है। नियमित योगाभ्यास से बढ़ती उम्र में भी व्यक्ति स्वस्थ, सक्रिय और आत्मनिर्भर बना रह सकता है। देश को स्वस्थ्य रखने का इससे अच्छा कोई कार्यक्रम नहीं हो सकता। रानी कमलापति रेलवे स्टेशन जैसे व्यस्त और आधुनिक रेलवे परिसर में पहली बार आयोजित यह कार्यक्रम एक नई पहल के रूप में सामने आया है। रेलवे प्रशासन ने इस आयोजन के जरिए यह संदेश देने का प्रयास किया कि योग केवल पार्कों और सभागारों तक सीमित नहीं है, बल्कि कार्यस्थलों और सार्वजनिक स्थानों पर भी इसे दैनिक जीवन का हिस्सा बनाया जा सकता है।

## समंदर में बढ़ी भारत की ताकत नौसेना में शामिल हुए तीन स्वदेशी युद्धपोत

### पीएम मोदी बोले- भारत अब केवल हथियारों का खरीदार नहीं, बल्कि आधुनिक रक्षा उपकरणों का निर्यातक भी बना

नई दिल्ली

भारतीय नौसेना की समुद्री ताकत को और मजबूत करते हुए रविवार को तीन स्वदेशी युद्धपोतों को नौसेना के बेड़े में शामिल किया गया। कोलकाता के श्यामा प्रसाद मुखर्जी पोर्ट में आयोजित एक विशेष समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में गाइडेड मिसाइल फ्रिगेट आईएनएस दूनागिरी, एंटी-सबमरीन वॉरफेयर शैलो वॉटर क्राफ्ट आईएनएस अग्रय तथा सर्वे वेसेल लार्ज आईएनएस संशोधक का औपचारिक

रूप से कमीशन किया गया।

इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत अब केवल रक्षा उपकरणों का खरीदार देश नहीं रहा, बल्कि आधुनिक हथियारों और सैन्य तकनीक का निर्माण कर अन्य देशों को निर्यात भी कर रहा है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि देश की बढ़ती आत्मनिर्भरता और रक्षा क्षेत्र में स्वदेशीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि 21 जून को विश्व हाइड्रोग्राफी दिवस भी मनाया जाता है और इसी दिन भारत के सबसे आधुनिक हाइड्रोग्राफी जहाज आईएनएस संशोधक का नौसेना में शामिल होना एक महत्वपूर्ण संयोग है। उन्होंने कहा कि किसी भी देश की आर्थिक और सामरिक शक्ति उसके समुद्री सामर्थ्य पर निर्भर करती है और भारत इस वास्तविकता को भली-भांति समझता है। उन्होंने कहा कि भारत ने हमेशा समुद्र को सहयोग और शांति का माध्यम माना है, लेकिन शांति की रक्षा के लिए सामर्थ्य और सुरक्षा भी आवश्यक है।

#### रोजगार के अवसरों में वृद्धि होगी

पीएम मोदी ने कहा कि आईएनएस विक्रांत से लेकर आज तक की यात्रा केवल नए युद्धपोतों के निर्माण की नहीं, बल्कि भारत की बढ़ती आत्मनिर्भरता की यात्रा है। उन्होंने कहा कि आईएनएस अग्रय, आईएनएस दूनागिरी और आईएनएस संशोधक इस अभियान को नई गति प्रदान करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने शिपबिल्डिंग क्षेत्र में किए गए सुधारों का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकार घरेलू निर्माण क्षमता बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। शिपबिल्डिंग, शिप रिपेयर और एमआरओ को राष्ट्रीय मिशन के रूप में विकसित किया जा रहा है, जिससे देश की औद्योगिक क्षमता और रोजगार के अवसरों में वृद्धि होगी।

## संपादकीय

# कुछ लहरें कांगड़ा तक

बड़ी बात यह कि कांगड़ा में सरकार का होना हमेशा राजनीति की लहरें देखना है और इसी परिप्रेक्ष्य में रिपोर्ट कार्ड सामने आता है। बेशक कांगड़ा को संबोधित करना अब नई वकालत की तरह बनता जा रहा है। कांगड़ा की सबसे बड़ी शक्ति उसके नेताओं में नहीं, बल्कि जनादेश में है जो हर बार सत्ता के विरुद्ध दमदार हो जाता है। यहां की सियासी जंजीरें इस बार दो नगर निगमों में परिभाषित होती हैं, तो नगर निकायों की कुल संपत्ति में सत्ता पक्ष के अपने कारनामे सिद्ध हो रहे हैं। कांगड़ा गतिविधियों का कुंज है, इसलिए इसका रेखांकन तरह-तरह से होता है। फिलवक्त जन प्रतिनिधियों के शपथ ग्रहण समारोह के बहाने कई शुभमुहूर्त हुए और प्रदर्शन में जमात की हौसला अफजाई भी। काफी देर बाद जिला मुख्यालय नींद से जागा, तो स्मार्ट सिटी परियोजनाओं ने सारी शाबाशियां सरकार को सौंप दीं। इसके आगे भी कुछ हस्ताक्षर अपना कर्मयोग कर रहे हैं और जब ढगवार का मिल्क प्लांट आंखें खोलेगा, तो एक नया सवेरा होगा। कांगड़ा को देखने या कांगड़ा में देखने का एक ही दर्पण नहीं है। अगर होता तो देहरा में केंद्रीय विश्वविद्यालय की इमारतें अब तक जादू कर चुकी होतीं, लेकिन यहां तो जदरांगल परिसर पर छाई मायूसी का हिसाब जारी है। पालमपुर का बस स्टैंड कुछ आशाओं के तिलक लगाता है, देहरा का प्रस्ताप नए बस स्टैंड निर्माण के 40 करोड़ की शपथ लेता है, लेकिन धर्मशाला बस स्टैंड के कंकाल पर जीएस बाली का नामकरण उपहास उड़ाता है।

**मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू का कांगड़ा दौरा, इबारतों में नई सुर्खियां और सुर्खियों में नए समीकरण पिरो गया। स्मार्ट सिटी धर्मशाला के आंचल में स्मार्ट सिटी परियोजनाओं की कड़छी घुमा कर सत्तारूढ़ दल ने अपना कारवां लिखा, तो अगली फतह के मंसूबों में भाषा और भाषण संगठित किए गए।**

बाली पुत्र आर एस बाली के सामने नामकरण की संपत्ति टांडा मेडिकल कालेज में मदर एंड चाइल्ड केयर अस्पताल में अधूरी खड़ी हैं। बावजूद इसके पर्यटन विभाग के श्रेय में वह नगरोटा लूट रहे हैं, तो सडक पर मालरोड और क्लॉक टावर बनाकर वह अपनी प्राथमिकताएं बता रहे हैं। कांगड़ा के दिल में पर्यटन राजधानी के तमगे जब गिने जाएंगे, तो नगरोटा विधानसभा एक नया डेस्टिनेशन और देश के सबसे ऊंचे म्यूजिकल फाउंटेन में बहता संगीत अमर हो जाएगा। कांगड़ा के कई नेताओं को पद मिले, लेकिन पालमपुर के विधायक आशीष बुटेल ने नगर निगम की फतह से भाजपा की उछल कूद को सन्नाटे में बदल दिया, तो हिसाब कांगड़ा के अन्य नेताओं से भी होगा। देहरा के बनखंडी में चिड़ियाघर आकर्षण की एक अनूठी कैद होगी जो प्रवासी पक्षियों को भी सकते में डाल देगी। बहरहाल आई टी सलाहकार गोकुल बुटेल पता नहीं क्यों आजकल कांगड़ा में गूंजते नहीं। बात तो बड़े से आई टी पार्क की थी, लेकिन चैतड़ू का छोटा सा आई टी पार्क बन कर भी संवर नहीं सका। हैं इसी कांगड़ा में खोजे गए कुछ नेता जो सत्ता को अपने मुकाम पर खड़ा करते हैं। कृषि उपज विपणन समिति के अध्यक्ष निशु मोंगरा कुछ जमीन खोद पाए हैं, लेकिन एचआरटीसी के उपाध्यक्ष अजय वर्मा ने अपने दम पर कांगड़ा नगर परिषद का किला हासिल करके बता दिया कि बंदे में दम है। कुछ इसी तरह वह परिवहन मंत्री से कहीं आगे निकल कर कम से कम एचआरटीसी के बेड़े पर आशाजनक बात या उसके पक्ष में गवाही देते तो दिखाई देते हैं। कांगड़ा में पहले भी अलंकरण तो मुख्यमंत्री के शीतकालीन प्रवास, शीतकालीन राजधानी व शीतकालीन सत्र तक हुए, लेकिन इस बार इस परिपाटी में भी व्यवस्था परिवर्तन की उम्मीद जगी है।

# नमो-मोहन के दौर में एमपी छू रहा है विकास के नए आयाम

देश का हृदयप्रदेश कहा जाने वाला मध्यप्रदेश पिछले कुछ वर्षों में तेजी से विकास की राह पर अग्रसर है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की केंद्र सरकार और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की राज्य सरकार की समन्वित नीतियों, सुधारों और जनकल्याणकारी योजनाओं ने राज्य को आर्थिक,औद्योगिक, कृषि सरीखे कई क्षेत्रों में नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। ह्लसबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वासह्व की भावना से प्रेरित डबल इंजन सरकार का यह प्रयास एमपी को आत्मनिर्भर बनाने के साथ ही पीएम नरेंद्र मोदी के विकसित भारत 2047 के लक्ष्य की ओर मजबूती से ले जा रहा है। मोहन सरकार ने औद्योगिक निवेश क अपनी बड़ी प्राथमिकता दी है। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट और अनेक क्षेत्रीय सम्मेलनों के माध्यम से प्रदेश को जहाँ हजारों करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं वहीँ दिल्ली-नागपुर, अटल प्रगति एक्सप्रेस वे, नर्मदा एक्सप्रेसवे और इंदौर-पीथमपुर जैसे औद्योगिक गलियारों के तेजी से विकास ने प्रदेश में निवेश को बूस्टर डोज दी है। राज्य में निवेशकों को 500 वर्ग किलोमीटर से अधिक औद्योगिक भूमि बैंक, विश्वसनीय बिजली आपूर्ति और जल संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। मध्यप्रदेश में नर्मदा प्रगति पथ, विंध्य एक्सप्रेस- वे,मालवा- निमाड़ एक्सप्रेस-वे, अटल प्रगति पथ, बुंदेलखंड विकास पथ, मध्य भारत एक्सप्रेस- वे बनने से प्रदेश में कनेक्टिविटी को बड़ी रफ़्तार मिल रही है जिसके चलते निवेशकों की एमपी के प्रति रूचि बढ़ रही है। दुबई और स्पेन सरीखे देशों से भी बड़े निवेश प्रस्ताव मध्यप्रदेश को मिल रहेहैं। एमपी टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव और स्टार्टअप समिट 2026 ने टेक्नोलॉजी और इनोवेशन जैसे क्षेत्रों में एमपी का डंका बजाया है। एआई-आधारित शासन और सौर ऊर्जा पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री ने दावोस में भी मध्यप्रदेश की वैश्विक पटल पर ब्रांडिंग की जिससे एमपी के प्रति ग्लोबल निवेशक आकर्षित हुए हैं।

मध्यप्रदेश की अर्थव्यवस्था लगातार मजबूत हो रही है। राज्य का सकल घरेलू उत्पाद वृद्धि दर हाल के कुछ बरसों में औसतन 9-11% के आसपास रही है, जो कई राज्यों से बेहतर है। 2025-26 के आंकड़ों के अनुसार जीएसडीपी लगभग 18.48 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने का अनुमान है।मोदी सरकार की मेक इन इंडिया, आत्मनिर्भर भारत जैसी अनेकों योजनाओं का लाभ मध्यप्रदेश को मिल रहा है। टेक्सटाइल, फार्मास्यूटिकल्स, इलेक्ट्रॉनिक्स और एग्रीटेक क्षेत्रों में नई यूनिट्स स्थापित हो रही हैं, जिससे लाखों रोजगार सृजित हो रहे हैं। पीएम जन- धन योजना में मध्यप्रदेश में 4.69 करोड़ से अधिक खाते खुले जिससे डीबीटी के माध्यम से वित्तीय समावेशन को मजबूती मिली है। इसी तरह से प्रधानमंत्री उज्जवला योजना के माध्यम से मध्यप्रदेश में 89 लाख से अधिक कनेक्शन मिले जिससे महिलाओं को रसोई गैस के धुंए से मुक्ति मिली। केन्द्र की मोदी सरकार के जल जीवन मिशन से भी मध्यप्रदेश में हर घर नल से जल का संकल्प साकार हुआ है जिससे प्रदेश के 1 करोड़ 11 लाख परिवार सीधे लाभान्वित हुए हैं।प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के माध्यम से प्रदेश के लाखों उद्यमियों को आर्थिक सहयोग मिल रहा है। वित्तीय वर्ष 2025 -26 में मध्यप्रदेश में इस योजना में जहाँ 32.41 लाख लाभार्थियों को ऋण वितरित किये गए वहीं वित्तीय वर्ष 202 -27 में यह आंकड़ा 4.82 लाख तक पहुँच चुका है। पीएम स्वनिधि योजना भी छोटे व्यापारियों के लिए बड़ा सहारा बनी। इस योजना के माध्यम से प्रदेश के 15.87 लाख प्रकरणों में 2679.49 करोड़ रु का ऋण वितरण किया गया है।

मोहन युग में आज का मध्यप्रदेश विकास की नई ऊँचाइयों को छू रहा है। प्रदेश में विकास के सभी क्षेत्रों में हर दिन नवाचार हो रहे हैं। राज्य ने बुनियादी ढाँचे, शिक्षा, स्वास्थ्य और पर्यटन जैसे प्रमुख क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है। सड़क, बिजली और डिजिटल कनेक्टिविटी में सुधार ने न केवल उद्योगों के लिए अनुकूल माहौल तैयार किया है, बल्कि गाँव-गाँव तक विकास की रोशनी पहुँचाई है। स्मार्ट सिटीज मिशन के तहत भोपाल, इंदौर, जबलपुर और ग्वालियर जैसे शहर आधुनिक शहरी प्रबंधन और स्वच्छता के मॉडल बनकर उभरे हैं वहीं नर्मदा घाटी विकास परियोजनाओं ने सिंचाई और जल संरक्षण में क्रांतिकारी बदलाव लाए हैं। सड़क, बिजली और जल आपूर्ति जैसी बुनियादी सुविधाओं में भारी निवेश ने ग्रामीण क्षेत्रों को मुख्यधारा से जोड़ा है। मोदी सरकार की पीएम किसान सम्मान निधि, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजनाओं और मोहन सरकार की मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजनाओं ने किसानों की आय बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। सिंचाई सुविधाओं का विस्तार, कृषि यंत्रीकरण तथा फसल बीमा जैसी योजनाओं से किसानों को लाभ मिल रहा है जिसके परिणामस्वरूप कृषि उत्पादन में वृद्धि हुई है और ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत हुई है। प्रदेश में डिजिटल कृषि सेवा से एक तरफ जहाँ किसान सशक्त हो रहे हैं वहीँ किसानों को मौसम, मंडी भाव , रोग कीट प्रदबंधान और ड्रोन स्प्रे की रियाल टाइम जानकारी मिल रही है। गौशालाओं को बढ़ावा देने, दूध उत्पादन दोगुना करने के प्रयास और कृषि प्रसंस्करण इकाइयों का विस्तार राज्य की अर्थव्यवस्था की रीढ़ को मजबूत कर रहा है। पीएम आवास योजना शहरी के माध्यम से हर जरूरतमंद को पक्का आवास दिया जा रहा है। एमपी के 9 लाख से अधिक आवास हितग्राहियों को इस योजना के माध्यम से आवास सौंपे गए हैं। साइबर तहसील जैसी डिजिटल पहल पारदर्शिता और सुशासन सुनिश्चित कर रही हैं।मोदी सरकार की आयुष्मान भारत, पीएम जन मन और शिक्षा संबंधी योजनाओं के साथ राज्य सरकार के प्रयासों ने स्वास्थ्य और शिक्षा क्षेत्र को नई दिशा दी है। एमपी में बेहतर सेवाओं का लगातार इजाफा हो रहा है। उज्जैन में पहली मेडिसिटी और मेडिकल कालेज का जहाँ भूमि पूजन हो चुका है वहीँ पीएम श्री एम्बुलेंस जैसी सेवा से कई मरीजों के जीवन में सवेरा हुआ है। इसी तरह से प्रदेश में एमबीबीएस की 5500 और स्नातकोत्तर की 2862 सीटों में वृद्धि हुई है। मैहर, मऊगंज, पांढुर्णा में 3 नए अस्पतालों की स्वीकृति से जनता को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिल रही है। मोहन सरकार बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं के लिए संकल्पित है। सर्वाइकल कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से बचाव और सुरक्षित भविष्य प्रदान करने की दिशा में एचवीपी टीकाकरण अभियान में एमपी आज देश के शीर्षस्थ राज्यों में शामिल हुआ है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अगुवाई में राज्य सरकार ने धार्मिक पर्यटन को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाने के लिए हवाई सेवाओं का व्यापक विस्तार शुरू किया है। मार्च 2024 में पीएमश्री पर्यटन वायु सेवा और पीएमश्री धार्मिक पर्यटन हेली सेवा का शुभारंभ हुआ जो लोक निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल पर आधारित है। यह योजना भोपाल, इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर, उज्जैन, रीवा, सिंगरौली और खजुराहो जैसे आठ प्रमुख शहरों को जोड़ती है। यह विस्तार न केवल तीर्थयात्रियों की सुविधा बढ़ा रहा है, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था को गति दे रहा है। मोहन के दौर का मध्यप्रदेश अब आकाशमार्ग से तीर्थयात्रा का नया अध्याय लिख रहा है जो आस्था और आधुनिकता का अनूठा संगम है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कुशल नेतृत्व में देश में आध्यात्मिक और सांस्कृतिक पर्यटन केंद्र के तौर पर उभर रहा है। डॉ. मोहन यादव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सांस्कृतिक अभ्युदय के संकल्प को मध्यप्रदेश में पूरा करने की ओर मजबूती से कदम बढ़ा रही है। प्रदेश में सांस्कृतिक और आध्यात्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिये मोहन सरकार राम गमन पथ विकसित कर रही है वहीँ चित्रकूट को भी अयोध्या की तर्ज पर विकसित किया जा रहा है । डॉ. मोहन यादव ने भगवान कृष्ण से जुड़े इन स्थलों को विकसित करने की महत्वाकांक्षी योजना पर भी आगे बढ़ रही है जिसे कृष्ण पाथेय के रूप में जाना जा रहा है। इस योजना के तहत, राज्य में कृष्ण से जुड़े प्रमुख स्थलों का चयन किया गया है।

सुशासन की प्रभावी नीतियों और जनकल्याणकारी कार्यक्रमों के कारण मध्यप्रदेश विकास की नई ऊँचाइयों की ओर अग्रसर है। पारदर्शिता, जवाबदेही और जनभागीदारी पर आधारित शासन व्यवस्था ने राज्य को प्रगति की राह पर आगे बढ़ाया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के लिये सरकार दिन रात एक किए हुए हैं। सबका साथ,सबका विकास,सबका विश्वास तथा सबका प्रयास का नारा वंचितों के जीवन में सुधार लाने के उद्देश्य से अब मध्यप्रदेश सरकार की नीतियों की आधारशिला ही बन चुका है। डॉ. मोहन यादव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सुशासन की आदर्श अवधारणा को पूर्ण रूप से मध्य प्रदेश में लागू करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। डॉ.मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह द्वारा निर्धारित समय-सीमा से पहले ही प्रदेश को नक्सलवाद से मुक्त कर दिया है। बालाघाट समेत प्रभावित क्षेत्रों में पुलिस अधिकारियों ने सघनता से इस अभियान को सफल बनाया है। यह उपलब्धि न केवल कानून-व्यवस्था की मजबूती दशार्ती है, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में शांति और समृद्धि का आधार भी तैयार कर रही है। मोहन सरकार प्रधानमंत्री मोदी द्वारा बताई गई चार जातियों-गरीब, युवा, किसान और महिलाओं के विकास और कल्याण के लिए कृत संकल्पित है। स्कूलों, कॉलेजों और कौशल विकास केंद्रों का विस्तार युवाओं को रोजगार योग्य बना रहा है। मध्यप्रदेश नई शिक्षा नीति को लागू करने, सकल पंजीयन दर बढ़ाने और खनिज क्षेत्र में देश में अव्वल रहा है। महिलाओं के लिए विशेष योजनाएं मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना, स्व-सहायता समूहों को प्रोत्साहन और उद्यमिता कार्यक्रम राज्य में महिलाओं को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने का कार्य कर रहे हैं। डॉ.मोहन यादव का नेतृत्व महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में एक आदर्श बनकर उभरा है। महिलाओं के सशक्तिकरण में लाड़ली बहना योजना और महिला स्वावलंबन मिशन जैसी योजनाएँ आत्मनिर्भरता की मिसाल पेश कर रही हैं। मोहन के कार्यकाल में लाड़ली बहना योजना में मासिक सहायता 1250 रु से बढ़ाकर 1500 रु हो गई है। सरकारी भर्ती में महिलाओं को 35 फीसदी आरक्षण, लखपति दीदी मिशन ने महिलाओं को आज समाज की मुख्यधारा में लाने का कार्य किया है।

मोदी सरकार की दूरदर्शी नीतियों और मोहन सरकार के प्रभावी क्रियान्वयन ने मध्यप्रदेश प्रतिदिन विकास के नए आयाम छू रहा है। यह प्रगति न केवल आंकड़ों में है, बल्कि आम नागरिकों के जीवन स्तर में सुधार के रूप में भी दिख रही है। निरंतर सुधार, निवेश और आम जान की शासन में सीधी भागीदारी से मध्यप्रदेश निश्चित रूप से मोदी सरकार के दौर में संवर रहा है। पीएम मोदी के विकसित भारत 2047 विजन के अनुरूप ह्लविकसित मध्यप्रदेश, विकसित भारतह्व का सपना अब दूर नहीं है।

(लेखक-हर्षवर्धन पान्डे)
( लेखक वरिष्ठ पत्रकार और राजनीतिक विश्लेषक हैं )

# अपने दल से अलग क्यों जा रहे सांसद

राजनीति में अवसर की तलाश करना आज के राजनेताओं का प्रिय विषय बनता जा रहा है। सीधे शब्दों इसे यूँ भी कहा जा सकता है कि राजनीति अब सेवा का मार्ग न होकर अवसरवादिता के आवरण को ओढ़ चुकी है। विपक्षी दलों खास कर तृणमूल कांग्रेस और अब उद्धव ठाकरे की शिवसेना के सांसदों का अलग होना कहीं न कहीं यही संकेत करता है कि ये सांसद अपने पार्टी के सिद्धांतों से किसी भी प्रकार का कोई सरोकार नहीं रखते थे, लिहाजा उन्होंने अपना खुद का एक राजनीतिक पाला बना लिया। इसके पीछे सबसे बड़ा कारण यही माना जा रहा है कि अब विपक्ष की संभावनाएं धूमिल होती दिखाई दे रही हैं। विपक्ष की राजनीति का एक ही मुद्दा रह गया है, वह है आरोप की राजनीति। तुम आरोप लगाते रहो, हम काम करते जाएंगे। सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच कुछ इसी प्रकार का खेल चल रहा है। यह बात सच है कि केवल आरोप लगाने की राजनीति के माध्यम से सत्ता का सिंहासन प्राप्त नहीं किया जा सकता। इसके लिए राजनीतिक दलों को राष्ट्रीय हित और जनहित की ओर जाना ही होगा। आज की राजनीतिक स्थिति का विचार किया जाए तो यह कहना उचित ही होगा कि भाजपा का प्रचार सत्ता पक्ष की ओर से कम विपक्ष की ओर से ज्यादा किया जा रहा है। आज विपक्ष के नेताओं के बयान बिना भाजपा के अधूरे ही रहते हैं।

राजनीति में कब क्या हो जाए, कोई भी व्यक्त नहीं कर सकता। इसके पीछे एक कारण यह भी हो सकता है कि आज का राजनेता किसी न किसी हेतु के लिए ही राजनीति कर रहा है, ऐसे राजनेता की न तो किसी दल से वैचारिक समानता होती है और न ही किसी राजनीतिक नेतृत्व के प्रति निष्ठा ही रहती है। ऐसे राजनेता अपने स्वार्थ को पूरा करने के अवसर की तलाश करते हैं। वर्तमान में विपक्षी राजनीतिक दलों के जो सांसद अपने दलों को छोड़ रहे हैं या छोड़ने का मन बना रहे हैं, वे अब शायद यह समझने लगे हैं कि उनका भविष्य अपने दल के साथ सुरक्षित नहीं है। इसका कारण यही है कि भारत की जनता को भारत के विकास की राजनीति पसंद आने लगी है। दूसरा बड़ा कारण यह भी हो सकता है कि भाजपा की ताकत लगातार बढ़ती जा रही है। विपक्ष के राजनीतिक दल पूरा जोर लगाने के बाद भी पराजित होते जा रहे हैं। भविष्य में इनको सफलता मिलेगी, इसकी फिलहाल कोई गुंजाईश भी नहीं है।

वर्तमान में तृणमूल कांग्रेस के कई विधायक और सांसद ममता बनर्जी का साथ छोड़कर अलग राह पर जा चुके हैं। इससे ममता बनर्जी की राजनीतिक ताकत भी बेअसर हो गई है। और इसी कारण उनकी पार्टी आज एक डूबता हुआ जहाज की परिकल्पना को चरितार्थ करती हुई दिखाई दे रही है। कहा जाता कि जब किसी के ताकत होती है, तो उसके पास अनेक लोग खड़े हो जाते हैं, और उसके शक्तिहीन होने पर कभी खास बनने वाले लोग भी दूरी बना लेते हैं। विपक्ष की राजनीति के लिए सबसे ज्यादा चिंता करने वाली बात यह है कि विपक्षी गठबंधन का नेतृत्व करने के लिए एक समय ताल ठोकने वाली ममता बनर्जी के पास अब पहले जैसा रुतबा नहीं होगा और न ही विपक्ष में उनकी बात को कोई तबज्जो मिलेगा। इतना ही नहीं एक समय कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ मुखर होने वाली ममता के लिए अब कांग्रेस के नेतृत्व में राजनीति करने की मजबूरी बन गई है, जो ममता बनर्जी को न तो पहले स्वीकार था और न ही वे अब स्वीकार करेंगी।

जहाँ तक तृणमूल कांग्रेस और उद्धव ठाकरे की पार्टी के सांसदों के अपने दल से बागी होने की बात है तो यह कहना समीचीन ही होगा कि आज के राजनीतिक परिदृश्य में विपक्ष के भविष्य की संभावनाओं पर एक बहुत बड़ा विराम सा लगा हुआ दिखाई देता है। विपक्ष के राजनीतिक दल किसके नेतृत्व में एक होंगे, यह बड़ा सवाल है। जिसका उत्तर किसी के पास नहीं है। ऐसे में क्षेत्रीय दलों के वे नेता जो हाँ में हाँ मिलाते हुए राजनीति करते थे वे अब प्रासंगिक होने लगे हैं। इनका प्रासंगिक होना ही विपक्षी एकता के लिए बहुत बड़ा खतरा है। क्योंकि शक्ति केंद्र एक स्थान पर होता है तो उसकी बात का महत्त्व होता है, लेकिन यही शक्ति जब विभाजित हो जाती है, तब वह शक्तिहीन की श्रेणी में ही आती है। आज विपक्ष के राजनीतिक दल किसी एक दल के नेतृत्व में आने के लिए तैयार नहीं हैं। जहाँ तक क्षेत्रीय दलों के अस्तित्व की बात है तो वह कम से कम अपने प्रभाव क्षेत्र वाले राज्य में किसी दूसरे दल को अपने ऊपर प्रभावी होने नहीं देगा।

वर्तमान राजनीति का अध्ययन किया जाए तो विपक्ष की राजनीति में कांग्रेस और समाजवादी पार्टी का ही बोलबाला है। विपक्ष की ओर ये दोनों दल ही प्रभावी अस्तित्व में हैं। लेकिन कांग्रेस की नियति ऐसी हो गई है कि वह बिना किसी सहारे के आगे नहीं बढ़ सकती। उसको हमेशा क्षेत्रीय दलों की बैसाखी चाहिए। मुख्य बात यह है कि क्षेत्रीय दलों के पास स्वयं की ताकत खत्म होती जा रही है। जहाँ तक समाजवादी पार्टी के अखिलेश यादव की बात है तो वह पारिवारिक पृष्ठभूमि से बने राजनेता होने के कारण केवल उत्तरप्रदेश की राजनीति तक ही सीमित हैं। यह बात सही है कि उत्तरप्रदेश में बिना समाजवादी पार्टी के कोई गठबंधन हो ही नहीं सकता। अगर होगा भी तो उसकी प्रासंगिकता नहीं के बराबर ही होगी।

विपक्ष के सपने को तार तार करने के लिए कौन जिम्मेदार है? उद्धव ठाकरे की पार्टी के सांसद यह कहते हुए अलग हुए हैं कि ठाकरे की पार्टी अपनी विचारधारा से भटक गई है। यह बात शत प्रतिशत सही भी है। इसलिए जो नेता विचार की राजनीति के सहारे चल रहा था, उसको तालमेल बनाने में असहज ही होगा। इसके अलावा विपक्ष की पूरी राजनीति तुष्टिकरण को ज्यादा महत्त्व देने की रही है। यह विचार राष्ट्रीय राजनीति के लिए अत्यंत घातक है। आज देश को सकारात्मक राजनीति की आवश्यकता है। देश की जनता भी ऐसा ही चाहती है। इसलिए विपक्षी दलों को जन भावनाओं के अनुसार ही चिंतन और मंथन करना होगा। अगर ऐसा करते हैं तो उनको भविष्य के सपने बुनने का भी अधिकार है। और इस पर ध्यान नहीं दिया तो एक समय ऐसा भी आ सकता है जब पूरी पार्टी में केवल कुछ ही नेता बचेंगे।

लेखक – सुरेश हिंदुस्तानी, वरिष्ठ पत्रकार
यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

# होर्मुज खुलने से सस्ता होगा तेल, महंगाई घटेगी और भारतीय अर्थव्यवस्था को मिलेगा बड़ा सहारा

**ईरान और अमेरिका के बीच 110 दिनों तक चले तनाव और संघर्ष के बाद हुए शांति समझौते ने पूरी दुनिया को राहत की सांस लेने का अवसर दिया है। इस समझौते का सबसे सकारात्मक प्रभाव भारत पर पड़ने की उम्मीद है। विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले कुछ महीनों में भारत में महंगाई की दर 0.5 से 0.8 प्रतिशत तक घट सकती है। इसके साथ ही पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की कीमतों में भी राहत मिलने की संभावना है।**

वैश्विक ऊर्जा बाजार में स्थिरता लौटने से भारतीय अर्थव्यवस्था को नई गति मिलने की उम्मीद है। भारत अपनी जरूरत का 85 प्रतिशत से अधिक कच्चा तेल आयात करता है। ऐसे में पश्चिम एशिया में किसी भी प्रकार का तनाव सीधे भारतीय बाजार और आम लोगों की जेब पर असर डालता है। युद्ध के दौरान होर्मुज जलडमरूमध्य में बाधा आने से तेल की आपूर्ति प्रभावित हुई थी और कच्चे तेल की कीमतें रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच गई थीं। अब ईरान द्वारा होर्मुज को बिना शर्त खोलने की घोषणा के बाद वैश्विक तेल आपूर्ति सामान्य होने लगी है, जिससे ऊर्जा कीमतों पर दबाव कम होगा।

युद्ध के दौरान भारतीय बास्केट के कच्चे तेल का भाव 69 डॉलर प्रति बैरल से बढ़कर 157 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया था। हालांकि अब यह घटकर लगभग 78 डॉलर प्रति बैरल के आसपास आ गया है, लेकिन फिर भी युद्ध पूर्व स्तर से करीब 14 प्रतिशत अधिक है। इसके बावजूद विशेषज्ञों का मानना है कि यदि शांति प्रक्रिया स्थायी रहती है तो अगले कुछ महीनों में तेल की कीमतों में और कमी आ सकती है। इसका सीधा लाभ भारतीय उपभोक्ताओं को मिलेगा।

महंगाई नियंत्रण की दिशा में यह समझौता महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतें कम होने से परिवहन लागत घटेगी। परिवहन सस्ता होने का असर खाद्यान्न, सब्जियों, फल, दूध, निर्माण सामग्री और दैनिक उपयोग की वस्तुओं पर दिखाई देगा। इससे बाजार में वस्तुओं की कीमतों पर दबाव कम होगा और आम परिवारों के घरेलू बजट को राहत मिलेगी।

रसोई गैस की कीमतों पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ने की उम्मीद है। युद्ध के दौरान घरेलू गैस सिलेंडर के दाम 942 रुपये तक पहुंच गए थे। ऊर्जा आपूर्ति सामान्य होने के बाद इन कीमतों में कमी की संभावना बढ़ गई है। इससे विशेष रूप से मध्यम वर्ग और निम्न आय वर्ग के परिवारों को राहत मिलेगी।

भारत के लिए इस समझौते का एक महत्वपूर्ण पहलू ऊर्जा सुरक्षा भी है। ईरान पर लगे आर्थिक और व्यापारिक प्रतिबंध हटने की स्थिति में भारत के लिए वहां से सीधे तेल और गैस खरीदने का मार्ग फिर से खुल सकता है। इससे भारत को तेल आयात के अधिक विकल्प मिलेंगे और वह बेहतर कीमतों पर ऊर्जा खरीद सकेगा। ऊर्जा स्रोतों का विविधीकरण भारत की दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करेगा। चाबहार बंदरगाह को लेकर भी भारत के लिए यह समझौता बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। भारत ने इस रणनीतिक परियोजना में लगभग 1400 करोड़ रुपये का निवेश किया है। ईरान पर प्रतिबंधों के कारण इस परियोजना की संभावनाएं सीमित हो गई थीं, लेकिन अब परिस्थितियां बदलने से चाबहार बंदरगाह भारत के लिए मध्य एशिया और अफगानिस्तान तक व्यापारिक पहुंच का प्रमुख केंद्र बन सकता है। इससे भारत के निर्यात और क्षेत्रीय व्यापार को नई गति मिलेगी। खाड़ी देशों में कार्यरत भारतीयों के लिए भी यह समझौता राहत लेकर आया है। सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कतर, कुवैत, बहरीन और ओमान सहित खाड़ी क्षेत्र में लगभग 95 लाख भारतीय काम करते हैं। युद्ध और क्षेत्रीय अस्थिरता के कारण उनकी नौकरियों तथा आय पर संकट के बादल मंडराने लगे थे। शांति स्थापित होने से रोजगार की स्थिरता बनी रहेगी और भारत को मिलने वाली विदेशी मुद्रा भी सुरक्षित रहेगी। युद्ध के दौरान वैश्विक अर्थव्यवस्था को भारी नुकसान उठाना पड़ा। अनुमान है कि इस संघर्ष से दुनिया को लगभग तीन ट्रिलियन डॉलर का आर्थिक नुकसान हुआ। आपूर्ति श्रृंखलाएं प्रभावित हुईं, समुद्री व्यापार बाधित हुआ और ऊर्जा बाजार में अस्थिरता बढ़ गई। विकासशील देशों में रोजगार और निवेश पर भी नकारात्मक असर पड़ा। भारत भी इससे अछूता नहीं रहा, लेकिन अब हालात सामान्य होने की दिशा में बढ़ रहे हैं।

इस संघर्ष ने आधुनिक युद्ध की बदलती प्रकृति को भी सामने रखा। 110 दिनों तक चले इस युद्ध में किसी भी पक्ष ने जमीनी सेना नहीं उतारी। मिसाइलों, ड्रोन और लड़ाकू विमानों के जरिए लड़ाई लड़ी गई। यह आधुनिक सैन्य रणनीति और तकनीकी युद्ध का एक नया उदाहरण बनकर उभरा। हालांकि आर्थिक दृष्टि से इसकी कीमत पूरी दुनिया को चुकानी पड़ी। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि अमेरिका और ईरान के बीच बनी यह सहमति स्थायी रूप लेती है तो भारत को सबसे अधिक लाभ मिलने वाले देशों में शामिल किया जा सकता है। महंगाई में कमी, ऊर्जा आपूर्ति की स्थिरता, रोजगार सुरक्षा, व्यापार विस्तार और निवेश के नए अवसर भारतीय अर्थव्यवस्था को मजबूत आधार प्रदान कर सकते हैं। आने वाले तीन से छह महीनों में इस समझौते का वास्तविक प्रभाव दिखाई देना शुरू होगा। यदि तेल की कीमतें और नीचे आती हैं तथा वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाएं पूरी तरह सामान्य हो जाती हैं तो भारत में महंगाई नियंत्रण के प्रयासों को बड़ी सफलता मिल सकती है। ऐसे में यह शांति समझौता केवल दो देशों के बीच तनाव समाप्त करने तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि भारत सहित पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था को राहत देने वाला एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हो सकता है।

(लेखक- कांतिलाल मांडोत)
(L 103 जलवंत टाउनशिप पूणा बॉम्बे मार्केट रोड, नियर नन्दालय हवेली सूरत मो 9749 40324 वरिष्ठ पत्रकार साहित्यकार-स्तम्भकार)

## आलेख

# क्या आरएसएस की भारत की जनता के प्रति जवाबदेही होनी चाहिए?

आरएसएस द्वारा प्रशिक्षित प्रचारक नाथूराम गोडसे ने सिर्फ इस वजह से राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की छाती को तीन गोलियों से छलनी कर दिया था कि गांधी मानते थे कि देश सभी धर्मों के लोगों का है, जबकि गोडसे और उसके पितृ संगठनों आरएसएस-हिन्दू महासभा का मानना था कि देश केवल हिन्दुओं का है। गांधीजी और भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन के खिलाफ नफरत फैलाई गई, जिसके नतीजे में बिल्कुल नजदीक से गोलियां चलाकर गांधीजी की हत्या कर दी गई। इस गुनाह के कारण भारत के तत्कालीन उपप्रधानमंत्री और गृहमंत्री सरदार पटेल ने 1948 में आरएसएस पर प्रतिबंध लगाने का आदेश दिया और उसके बाद लिखा कि उनके सभी भाषण नफरत भरे होते थे। इस जहर का अंतिम परिणाम यह हुआ कि देश को गांधीजी के बहुमूल्य जीवन की कुबार्नी देनी पड़ी। ह्यह्य यह प्रतिबंध संघ द्वारा यह वायदा करने के बाद हटाया गया कि उसका एक लिखित संविधान होगा और वह सिर्फ एक सांस्कृतिक संगठन के रूप में कार्य करेगा।

हकीकत यह है कि आरएसएस सांस्कृतिक संगठन की भेष में एक राजनैतिक संगठन है। उसने पहले अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीव्हीपी) की स्थापना की और बाद में भाजपा के पूर्ववर्ती संगठन भारतीय जनसंघ की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसका नया अवतार भाजपा वर्तमान में केन्द्र और कई राज्यों की सरकार चला रही है। संघ का दावा है कि उसका खर्चा दशहरे के दिन मिलने वाली गुरू दक्षिणा की रकम से चलता है। आयकर अधिकरण ने पता नहीं क्यों आय के इस स्त्रोत को कर मुक्त घोषित कर दिया। वह अपने कार्यक्रमों और शाखाओं के संचालन पर (जो शासकीय भूमि पर भी किया जाता है) अंधाधुध पैसा खर्च कर रही है। उसके पथ संचलनों में कितनी राशी व्यय होती है, इसे गोपनीय रखा जाता है। कहा जाता है कि आरएसएस के दिल्ली कार्यालय के निर्माण पर 100 करोड़ से अधिक का व्यय हुआ है। ये सारे भारी-भरकम खर्चे सरकारी जांच-पड़ताल की पहुंच से कोसों दूर हैं।

सांस्कृतिक संगठन होने के इस दावे को सरकार और ज्यादातर लोगों द्वारा मान लिया गया और अब तक संघ तेजी से विस्तार करते हुए लाखों शाखाओं की स्थापना कर चुका है और कई लाख स्वयंसेवक उससे जुड़ चुके हैं। नेहरू को संघ की प्रकृति का अहसास बहुत जल्दी हो गया था। लेकिन कुछ साल पहले तक भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस सहित किसी भी राजनैतिक दल ने इन मुद्दों से जुड़े सवाल नहीं उठाए जिसके चलते यह संगठन कानूनी प्रावधानों और नैतिक मूल्यों को ताक पर रखते हुए मनमानी कर रहा है। कांग्रेस ने पिछले कुछ वर्षों में अपनी यह गलती सुधारी है और विशेषकर राहुल गांधी आरएसएस के संबंध में तर्कपूर्ण और विधिसम्मत सवाल उठा रहे हैं। उन्होंने कहा था कि आरएसएस से जुड़े लोग गांधीजी की हत्या के लिए जिम्मेदार हैं, जिसे लेकर उन पर मुकदमा चला। आरएसएस से दो-दो हाथ करने की इसी नीति के अंतर्गत अब कर्नाटक के गृह मंत्री प्रियंक खड़गे ने आरएसएस से कहा है कि वह अपना पंजीयन करवाए और भारतीय राज्य के प्रति जवाबदेह बने।

उन्होंने दिनांक 13 जून को आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत को लिखे एक पत्र में उनसे संगठन की वैधानिक स्थिति, वित्तीय व्यवस्था, पदाधिकारियो व कर संबंधी नियमों के अनुपालन एवं उसकी गतिविधियों के बारे में विस्तृत जानकारी मांगीं। आरएसएस आधिकारिक रूप से यह दावा करता है कि देश एवं देश के बाहर उसकी 60 हजार शाखाएं हैं और करोड़ों स्वयंसेवक हैं। खड़गे ने सार्वजनिक रूप से जारी अपने वक्तव्य में कहा कि यह मात्र एक वैधानिक आवश्यकता नहीं है बल्कि इसका नैतिक पक्ष भी है। उन्होंने लिखा, उसकी गतिविधियां जिस बड़े पैमाने पर संचालित होती हैं, और उसके व्यापक प्रभाव एवं पहुंच के मद्देनजर आरएसएस से उच्चतम स्तर की पारदर्शिता, जवाबदेही एवं संवैधानिक प्रावधानों का अनुपालन करवाया ही जाना चाहिए।

इस पत्र को सार्वजनिक तौर पर जारी किया गया है। अपनी प्रतिक्रिया में आरएसएस के सरसंघचालक डॉ मोहन भागवत ने कहा कि वे इस पत्र को नजरअंदाज कर रहे हैं और इसका जवाब नहीं देंगें। इस प्रतिक्रिया से ऐसा महसूस होता है कि भागवत मानते हैं कि वे और उनका संगठन कानून और भारतीय संविधान के ऊपर हैं। वैसे भी आरएसएस भारतीय संविधान में आस्था नहीं रखता। भारतीय संविधान के लागू होने के तीन दिन बाद आरएसएस के मुखपत्र आर्गनाईजर ने अपने संपादकीय में कहा था कि यह संविधान, जिसका मसौदा डॉ अम्बेडकर द्वारा तैयार किया गया है एवं भारतीय संविधान सभा द्वारा अनुमोदित किया गया है, हमारे देश के लिए उपयुक्त नहीं है क्योंकि इसमें हमारे पवित्र ग्रंथों के यशस्वी मूल्यों को शामिल नहीं किया गया है। आरएसएस के एक पूर्व प्रमुख राजेन्द्र सिंह ने कहा था कि संविधान को खारिज कर दिया जाना चाहिए। एक अन्य प्रमुख के। सुदर्शन ने तो यह तक कहा कि संविधान पश्चिमी मूल्यों पर आधारित है अतः इसे ऐसे संविधान द्वारा प्रतिस्थापित किया जाना चाहिए जो पवित्र भारतीय ग्रंथों पर आधारित हो। सन 2024 में लगाए गए 400 पार के नारे का एक उद्देश्य लोकसभा में संविधान बदलने के लिए जरूरी संख्या हासिल करना भी था।

भागवत द्वारा अपने संगठन को संविधान के ऊपर मानने का कारण यह तथ्य भी हो सकता है कि हालांकि उनके पास भारत सरकार का कोई आधिकारिक पद नहीं है, फिर भी उन्हें प्रधानमंत्री के स्तर की सुरक्षा हासिल है। प्रियंक खड़गे द्वारा कही गई बातों की प्रतिक्रिया में भागवत ने कहा ह्यह्यहम गोपनीयता नहीं बरतते। हमारा कामकाज खुले मैदानों में चलता है। हम लोगों को आमंत्रित कर उन्हें अपने बारे में बता रहे हैं। ये सारे आक्षेप सिर्फ सियासती है और तरह-तरह के हथकंडे आजमाए जा रहे हैं... हिन्दू धर्म पंजीकृत नहीं है, और बहुत सी अन्य संस्थाएं भी पंजीकृत नहीं हैंह्यह्य। सवाल यह है कि क्या इन लोगों ने बाबरी मस्जिद को ढ़हाए जाने की योजना पर सार्वजनिक रूप से चर्चा की थी?

यहाँ यह स्मरणीय है कि अमेरिका के कमीशन ऑन इंटरनेशनल रिलीजियस फ्रीडम (यूएससीआईआरएफ) ने हाल में यह अनुशंसा की थी कि अमरीकी सरकार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर लक्षित प्रतिबंध लगाने चाहिए। प्रस्तावित कदमों में संगठन की संपत्तियों को फ्रीज करना और उसके सदस्यों को वीजा न देना शामिल हैं। भागवत द्वारा संघ का पंजीयन न कराने के पक्ष में एक तर्क यह दिया कि हिन्दू धर्म भी तो पंजीकृत नहीं है! हिन्दू धर्म और आरएसएस को बराबरी का दर्जा देने वाला यह वक्तव्य एक तरह से हिन्दू धर्म का अपमान है। हिन्दू धर्म के कई सम्प्रदाय हैं जैसे नाथ, तंत्र, शैव, सिद्धांत और भक्ति। आरएसएस जिस हिन्दुत्व का प्रचार करता है वह ब्राम्हणवाद है जो जातिगत एवं लैंगिक ऊंच-नीच पर आधारित है। कम से कम यह तो कहा ही जा सकता है कि यह तर्क किसी भी तरह से कसौटी पर खरा नहीं उतरता।

यह आश्चर्यजनक नहीं है कि आरएसएस के पंजीयन की मांग उठाई जा रही है। आश्चर्य इस बात का है कि यह मांग पहले क्यों नहीं उठी। आरएसएस के विचारों के प्रति सहानुभूति रखने वाले कई सरकारी अधिकारी उसके हितों की रक्षा करने में जुटे हुए हैं। दान एवं खर्चों से संबंधित नियम ही पंजीयन की अनिवार्यता की सबसे बड़ी वजह होने चाहिए। इसी तरह सांस्कृतिक संगठन होने का दावा करते हुए आरएसएस द्वारा राजनैतिक गतिविधियां करने पर भी ध्यान दिया जाना चाहिए। साथ ही प्रतिबंध हटाने का अनुरोध करते समय किए गए वायदों पर अमल न किए जाने के मसले को भी ध्यान में रखा जाना चाहिए। वक्त आ गया है कि भारतीय संविधान और भारतीय राष्ट्रवाद को महत्व दिया जाए और न सिर्फ आरएसएस वरना ऐसे सभी अन्य ऐसे संगठनों से पंजीयन करवाने को कहा जाए, जिनके लिए ऐसा करना अपेक्षित हो।

(अंग्रेजी से रूपांतरण अमरीश हरदेनिया। लेखक आईआईटी मुंबई में पढ़ाते थे और सेंटर फॉर स्टडी ऑफ सोसाइटी एंड सेकुलरिज्म के अध्यक्ष हैं)

(लेखक – राम पुनियानी)
(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

## संक्षिप्त वार्ता

### मुख्यमंत्री ने बलिदानी लेफ्टिनेंट बीरेश्वर गोस्वामी के परिजनों से की भेंट

**वेब वार्ता, अल्मोड़ा**

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को यहां पांडेखोला स्थित आवास पहुंचकर जम्मू-कश्मीर के राजौरी क्षेत्र में सैन्य अभियान के दौरान वीरगति को प्राप्त 5 असम रेजिमेंट के अधिकारी लेफ्टिनेंट बीरेश्वर गोस्वामी को श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके परिजनों से मुलाकात कर शोक संवेदना व्यक्त की।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, मुख्यमंत्री ने शहीद अधिकारी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए तथा परिजनों को इस दुख की घड़ी में धैर्य बनाए रखने का संबल दिया।

धामी ने कहा कि राष्ट्र की रक्षा के लिए लेफ्टिनेंट गोस्वामी द्वारा दिया गया सर्वोच्च बलिदान सदैव स्मरणीय रहेगा और उनकी वीरता आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी। उन्होंने शोक संतप्त परिवार को राज्य सरकार की ओर से हरसंभव सहयोग का आश्वासन देते हुए कहा कि सरकार इस कठिन समय में परिवार के साथ खड़ी है।

### योग दिवस पर शांतिकुंज के साधकों ने चलाया स्वच्छता अभियान

**वेब वार्ता, हरिद्वार**

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर शांतिकुंज के सैकड़ों साधकों ने रविवार को हर की पैड़ी के निकट पंतद्वीप क्षेत्र में वृहद स्वच्छता अभियान चलाया। योगाभ्यास के बाद साधकों ने क्षेत्र में फैले कूड़े-कचरे को एकत्र कर स्वच्छता का संदेश दिया। शांतिकुंज के प्रतिनिधि डॉ. चिन्मय पण्ड्या के निर्देशन में चलाए गए अभियान के दौरान प्लास्टिक, कागज, कपड़े और अन्य अपशिष्ट पदार्थों को अलग-अलग एकत्रित किया गया। हाल में सोमवती अमावस्या के अवसर पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के कारण क्षेत्र में बड़ी मात्रा में कचरा जमा हो गया था। अभियान के दौरान साधकों ने लोगों से सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ रखने और पर्यावरण संरक्षण में सहयोग करने की अपील की। बाद में प्रशासन की ओर से उपलब्ध कराए गए वाहनों के माध्यम से एकत्रित कचरे को निस्तारण के लिए भेजा गया।

### योग के साथ स्वच्छता का संदेश, जिला न्यायालय से निकली जागरूकता रैली

**वेब वार्ता, चंपावत**

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर जिला न्यायालय परिसर में शनिवार को योग एवं स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में न्यायिक अधिकारियों, अधिवक्ताओं, न्यायालय कर्मियों और पैरा लीगल वॉलंटियर्स ने योगाभ्यास किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला जज एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष अनुज कुमार संगल ने की। प्रशिक्षित योग विशेषज्ञ के मार्गदर्शन में आयोजित सत्र में प्रतिभागियों ने विभिन्न योगासन और प्राणायाम का अभ्यास किया। इस अवसर पर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट निहारिका मित्तल गुप्ता तथा सिविल जज (जूनियर डिवीजन) एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के प्रभारी सचिव विशाल गोयल भी उपस्थित थे।

# मुख्यमंत्री ने बनबसा में हजारों लोगों संग किया योगाभ्यास

## योग को जीवनशैली बनाने का आह्वान

**वेब वार्ता, बनबसा**

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर जिले के चंपावत बनबसा में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में हजारों योग साधकों, सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) जवानों, छात्र-छात्राओं, युवाओं, महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों के साथ सामूहिक योगाभ्यास किया। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेशवासियों को योग दिवस की शुभकामनाएं देते हुए योग को स्वस्थ और संतुलित जीवन का आधार बताया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि मन, शरीर और आत्मा के बीच सामंजस्य स्थापित करने वाली जीवन पद्धति है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में तनाव, अवसाद और अस्वस्थ जीवनशैली से उत्पन्न चुनौतियों के बीच योग एक प्रभावी प्राकृतिक उपचार प्रणाली के रूप में उभरा है। नियमित योग और प्राणायाम से रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है और मानसिक एकाग्रता और सकारात्मक ऊर्जा का विकास होता है।

धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों से अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को वैश्विक पहचान मिली और आज 190 से अधिक देशों में करोड़ों लोग योग से जुड़ चुके हैं। उन्होंने कहा कि योग ने भारतीय संस्कृति के ह्यवसुधैव कुटुम्बकम्ह्ण और ह्यसर्वे भवन्तु सुखिन :ह्ण जैसे संदेशों को विश्व स्तर पर स्थापित किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड योग, अध्यात्म और साधना की प्राचीन परंपराओं की भूमि है तथा राज्य सरकार इसे योग और वेलनेस की वैश्विक राजधानी के रूप में विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि राज्य में देश की पहली योग नीति लागू की गई है, जिसके तहत योग एवं ध्यान केंद्रों की स्थापना के लिए 20 लाख रुपये तक की सब्सिडी तथा योग, ध्यान और प्राकृतिक चिकित्सा के क्षेत्र में शोध एवं अध्ययन को प्रोत्साहित करने के लिए 10 लाख रुपये तक के अनुदान का प्रावधान किया गया है।

उन्होंने कहा कि राज्य में पांच नए योग हब विकसित किए जा रहे हैं और सभी आयुष हेल्थ एवं वेलनेस सेंटरों में योग सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। साथ ही शारदा कॉरिडोर परियोजना के माध्यम से बनबसा और टनकपुर क्षेत्र को आध्यात्मिक एवं पर्यटन विकास की नई पहचान देने के प्रयास किए जा रहे हैं। लगभग 3,300 करोड़ रुपये की लागत वाली इस परियोजना के तहत शारदा रिवर फ्रंट समेत विभिन्न धार्मिक और पर्यटन स्थलों का विकास किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने युवाओं से योग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने और नशे जैसी बुराइयों से दूर रहकर स्वस्थ, अनुशासित और सकारात्मक जीवनशैली अपनाने का आह्वान किया। योग दिवस कार्यक्रम के अवसर पर कैबिनेट मंत्री एवं जनपद प्रभारी मंत्री भरत चौधरी, अध्यक्ष जिला पंचायत आनंद सिंह अधिकारी, सचिव मुख्यमंत्री एवं आयुक्त कुमाऊं दीपक रावत, सचिव आयुष रंजना राजगुरु, आईजी कुमाऊं निवेदिता कुकरेती, जिलाधिकारी चम्पावत मनीष कुमार, पुलिस अधीक्षक रेखा यादव, जिलाधिकारी उधमसिंह नगर नितिन सिंह भदौरिया, पुलिस अधीक्षक उधमसिंह नगर अजय गणपति, मुख्य विकास अधिकारी डॉ जीएस खाती अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी मौजूद थे।

## भाजपा ने कांगड़ी समविश्वविद्यालय में किया सामूहिक योगाभ्यास

**वेब वार्ता, हरिद्वार**

*अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी जिला हरिद्वार ने गुरुकुल कांगड़ी समविश्वविद्यालय के दयानंद स्टेडियम में योग कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में योग साधकों, भाजपा कार्यकताओं एवं गणमान्य नागरिकों ने सहभागिता कर योगाभ्यास किया।*

*कार्यक्रम में मुख्य अतिथि उत्तराखंड सरकार के आयुष मंत्री मदन कौशिक ने कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि मन, शरीर और आत्मा के बीच सामंजस्य स्थापित करने वाली जीवन पद्धति है। उन्होंने कहा कि योग व्यक्ति को मानसिक स्थिरता प्रदान कर सकारात्मक, संतुलित एवं सफल जीवन की ओर अग्रसर करता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में तनाव, अवसाद और अस्वस्थ जीवनशैली से उत्पन्न चुनौतियों के बीच योग एक प्रभावी प्राकृतिक उपचार प्रणाली के रूप में कार्य कर रहा है। योग और प्राणायाम के नियमित अभ्यास से रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है, मानसिक एकाग्रता मजबूत होती है तथा जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। योग ने विश्वभर में मानवता को जोड़ने का कार्य किया है और भारतीय संस्कृति के मूल मंत्र ह्लवसुधैव कुटुम्बकम्ह्ण तथा ह्लसर्वे भवन्तु सुखिन :, सर्वे सन्तु निरामया :ह्ल को वैश्विक स्तर पर स्थापित किया है।*

*आयुष मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों से अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को वैश्विक पहचान मिली और आज विश्व के 190 से अधिक देशों में करोड़ों लोग योग से जुड़ चुके हैं। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड योग, अध्यात्म और साधना की प्राचीन परंपराओं की भूमि है तथा राज्य सरकार उत्तराखंड को योग एवं वेलनेस की वैश्विक राजधानी के रूप में स्थापित करने के संकल्प के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार द्वारा देश की पहली योग नीति लागू की गई है तथा प्रदेश में पांच नए योग हब विकसित किए जा रहे हैं। साथ ही सभी आयुष हेल्थ एवं वेलनेस सेंटरों में योग सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है।*

*भाजपा जिला अध्यक्ष आशुतोष शर्मा ने कहा कि योग भारत की आत्मा, हमारी संस्कृति का प्राण और सनातन सभ्यता की शाश्वत चेतना है। उन्होंने कहा कि योग को व्यक्ति से परिवार, परिवार से समाज और समाज से विश्व कल्याण की महायात्रा का माध्यम बनाना होगा। उन्होंने देश-विदेश में योग साधना से जुड़े सभी साधकों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस भारत की सनातन संस्कृति, ऋषि परंपरा और आध्यात्मिक चेतना के वैश्विक उत्कर्ष का महापर्व है।*

### यमुनोत्री हाईवे पर भूस्खलन से रातभर आवाजाही रही बंद

वेब वार्ता, उत्तर काशी। यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्याना चट्टी के निकट आधी रात को पहाड़ी से मलबा और भारी बोल्डर गिरने के कारण आवाजाही के लिए बाधित हो गया था। रातभर मार्ग आवाजाही के लिए बंद रहने के बाद सुबह घंटों बाद खुला। इस बीच यमुनोत्री की यात्रा पर जाने वाले श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। स्थानीय लोगों का आरोप है कि हाईवे चौड़ीकरण कार्य के दौरान निर्माण एजेंसी की ओर से की जा रही अनियंत्रित कटिंग के कारण स्याना चट्टी क्षेत्र लगातार संवेदनशील बना हुआ है।

# गुलदार के हमले में युवक घायल, शोर मचाने पर भागा

**पौड़ी-कोटद्वार हाईवे पर केटीआर वन प्रभाग के स्वागती केंद्र के समीप शनिवार रात एक युवक पर गुलदार ने हमला कर दिया। युवक के पैरों पर खरोंचें आईं।**

**वेब वार्ता, कोटद्वार**

आसपास मौजूद लोगों के शोर मचाने पर गुलदार जंगल की ओर भाग गया। सूचना मिलने पर पुलिस ने घायल युवक को अस्पताल पहुंचाया जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे छुट्टी दे दी गई।

नेपाली मूल का एक युवक जो अक्सर सिद्धबली मंदिर और स्वागती केंद्र क्षेत्र के आसपास घूमता रहता है। शनिवार रात करीब 10 बजे निमार्णाधीन हस्तशिल्प बाजार परिसर में मौजूद था। इसी दौरान अचानक एक वन्यजीव ने उस पर हमला कर दिया। युवक की चीख-पुकार सुनकर रात में टहल रहे लोग मौके पर पहुंचे और शोर मचाया जिससे वन्यजीव वहां से भाग गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार युवक पर हमला करने वाला जानवर गुलदार था। हमले में युवक के पैरों पर मामूली चोटें और खरोंचें आईं।

युवक मंदबुद्धि बताया जा रहा है, जिसके कारण उसकी पहचान नहीं हो सकी है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने युवक को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसे छुट्टी दे दी। स्थानीय लोगों का कहना है कि युवक अधिकांश समय स्वागती केंद्र के आसपास ही रहता है। इससे पहले भी उस पर दो बार वन्यजीव हमला कर चुका है। वहीं, कोटद्वार के रेंजर विपिन चंद्र जोशी ने बताया कि युवक पर वन्यजीव के हमले की सूचना मिली थी। युवक को मामूली खरोंचें आई हैं। उन्होंने बताया कि युवक को कई बार बाजार क्षेत्र में रहने की सलाह दी गई है, लेकिन वह घटनास्थल के आसपास ही घूमता रहता है। उपचार के बाद वह फिर से उसी क्षेत्र में पहुंच गया था।

### कारोबारियों को रोजाना लाखों रुपये का नुकसान

# व्यापारियों ने औली रोपवे के संचालन की उठाई मांग

***ज्योतिर्मठ-औली रोपवे का संचालन पिछले तीन वर्षों से बंद होने के कारण औली के पर्यटन कारोबार पर गहरा असर पड़ रहा है। पर्यटन व्यवसायियों का कहना है कि रोपवे बंद होने से पर्यटकों की संख्या में भारी कमी आई है जिससे होटल, टेंट, रेस्टोरेंट और अन्य पर्यटन गतिविधियों से जुड़े कारोबार प्रभावित हो रहे हैं। व्यवसायियों ने रोपवे का संचालन शीघ्र शुरू कराने की मांग की है।***

**वेब वार्ता, ज्योतिर्मठ**

वर्ष 2023 में ज्योतिर्मठ भू-धंसाव के दौरान औली रोपवे भी प्रभावित हुआ था। सुरक्षा कारणों को देखते हुए प्रशासन ने इसका संचालन बंद कर दिया था। इसके बाद से रोपवे की बहाली के लिए कई स्तर पर सर्वे और चचाएं हुईं लेकिन अब तक संचालन शुरू नहीं हो पाया है। पर्यटन व्यवसायी अजय भट्ट का कहना है कि रोपवे से बड़ी संख्या में पर्यटक औली पहुंचते थे जिससे स्थानीय कारोबारियों को अच्छी आय होती थी। रोपवे बंद होने के बाद पर्यटकों की संख्या बेहद कम हो गई है।

नागेंद्र सकलानी ने कहा कि रोपवे संचालित रहने पर गर्मियों और सर्दियों में पर्यटकों की आवाजाही बनी रहती थी लेकिन अब व्यवसायियों को प्रतिदिन लाखों रुपये का नुकसान उठाना पड़ रहा है। होटल एसोसिएशन औली के अध्यक्ष अंति प्रकाश शाह ने बताया कि रोपवे बंद होने की स्थिति में पर्यटन गतिविधियां भी लगभग ठप हो जाती हैं। उन्होंने कहा कि कई बार प्रशासन को इससे अवगत कराया गया लेकिन अभी तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। व्यापारी वैभव सकलानी ने कहा कि रोपवे बंद होने से क्षेत्र में पर्यटकों की चहल-पहल समाप्त हो गई है, जिससे स्थानीय रोजगार और कारोबार दोनों प्रभावित हुए हैं।

# अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर पूर्व विधायक सुरेंद्र पंवार ने किया योगाभ्यास

## दिया स्वस्थ जीवन का संदेश

**वेब वार्ता, रजनीकांत चौधरी**

*सोनीपत। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर सेक्टर 15 स्थित कम्युनिटी सेंटर में ग्रुप ऑफ सीनियर सिटीजन वेलफेयर एसोसिएशन, सोनीपत के तत्वावधान में आयोजित योग कार्यक्रम में पूर्व विधायक सुरेंद्र पंवार ने बतौर मुख्य अतिथि भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित लोगों के साथ योगाभ्यास किया तथा योग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। इस दौरान एसोसिएशन के पदाधिकारी ने पूर्व विधायक सुरेंद्र पवार को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।*

*पूर्व विधायक सुरेंद्र पंवार ने कहा कि योग भारत की प्राचीन संस्कृति और परंपरा की अमूल्य धरोहर है, जो न केवल शरीर को स्वस्थ रखता है बल्कि मानसिक शांति और आत्मिक संतुलन भी प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में तनावपूर्ण जीवनशैली के बीच योग स्वस्थ और खुशहाल जीवन का सबसे प्रभावी माध्यम है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में वरिष्ठ नागरिकों, सामाजिक कार्यकताओं और गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। सुरेंद्र पंवार ने आयोजन के लिए ग्रुप ऑफ सीनियर सिटीजन वेलफेयर एसोसिएशन के पदाधिकारियों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने नियमित योग करने तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संकल्प लिया।*

# 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर उमड़ा जनसैलाब, 2000 से अधिक लोगों ने किया योगाभ्यास

**वेब वार्ता, संजीव ओबेरॉय**

यमुनानगर। 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष में अनाज मंडी जगाधरी में जिला स्तरीय योग दिवस समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें राज्यसभा सांसद रेखा शर्मा ने बतौर मुख्यातिथि दीप प्रज्जवलित कर लोगों को अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएं दी। जिला स्तरीय योग दिवस कार्यक्रम में जिला के लगभग 2000 से अधिक महिला, पुरुष और बच्चों ने योगाभ्यास किया। योग दिवस समारोह में आयुष विभाग के जिला योगाचार्य डॉ. शिवकुमार सैनी व पतंजलि योग समिति के जिला प्रभारी जय कुमार व अन्य प्रशिक्षकों ने योग साधकों को खड़े होकर, बैठकर और लेटकर किये जाने वाले योग आसनों का अभ्यास करवाया। योग दिवस पर मुकुन्द पब्लिक स्कूल के छोटे-छोटे बच्चों ने योग पर आधारित शानदार प्रस्तुति दी। योग दिवस पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने ऑनलाइन देशवासियों को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की शुभकामनाएं दी।

राज्यसभा सांसद रेखा शर्मा ने कहा कि आज के आधुनिक युग में योग का महत्व और बढ़ गया है क्योंकि बदलती जीवन शैली और खान-पान की आदतों के कारण लोगों खासकर युवाओं के जीवन में तनाव बढ़ रहा है। अति व्यस्तता, मन की व्यग्रता, अत्याधिक तनाव, प्रदूषण और भागम भाग से लोग कई तरह के विकारों का शिकार हो रहे है। उन्होंने कहा कि योग शारीरिक, मानसिक, नैतिक और आध्यात्मिक रूप से स्वस्थ बनने का मूलमंत्र है। यह मन, आत्मा और शक्तियों का आत्मबोध कराने का कारगर रास्ता है। योग कला, विज्ञान और दर्शन का बेजोड़ संगम है तथा योग में समूची मानवता को एकजुट करने की अद्भुत शक्ति है। हमे अपनी महान संस्कृति और परंपराओं को जोड़ना है। नैतिक बल प्रदान करना है। जब योग जीवन का हिस्सा हो जाता है तो आयु, विद्या, यश और बल एक साथ बढने लगते है। योग के माध्यम से हम न केवल अपनी भावी पीढ़ी को स्वस्थ बना सकते है बल्कि उन्हें देश का एक अच्छा नागरिक भी बना सकते है।

### ...सभी योग को अपनी दिनचर्या का हिस्स बनायें

*जिला स्तरीय अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम में योग साधकों को संबोधित करते हुए राज्यसभा सांसद रेखा शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों से वर्ष 2014 को संयुक्त राष्ट्र महासभा में 21 जून को अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाने का संकल्प करवाया। आज विश्व के 177 देशों में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जा रहा है। योग केवल व्यायाम की ही क्रिया नहीं है, बल्कि विश्व और प्रकृति के साथ एकत्व खोजने का भाव है, प्रत्येक व्यक्ति को इस भाव को अपने जीवन में अपनाना चाहिए। योग रखे निरोग, योग भगाए रोग की युक्ति को सभी व्यक्ति अपने जीवन में अपनाए। योग शरीर को ऊजार्वान बनाता है और हमें प्रकृति से जोड़ता है। योग जीवन और शरीर की साकारात्मक शक्ति को बढ़ाता है इसलिए सभी योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाए।*

जिला स्तरीय योग दिवस पर बोलते हुए भाजपा जिला अध्यक्ष राजेश सपरा ने जिला स्तरीय योग दिवस में कहा कि योग प्राचीन भारतीय परंपरा एवं संस्कृति की अमूल्य देन है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों से इस प्राचीन संस्कृति को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली है। आज भारत सहित पूरे विश्व में योग दिवस पूरे उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। योग जीवन जीने की एक पद्धति है जिसके माध्यम से व्यक्ति शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ व संतुलित जीवन व्यतीत कर सकता है। उन्होंने कहा कि शरीर ही बड़े से बड़े लक्ष्य की प्राप्ति का माध्यम है और शारीरिक व मानसिक रूप से तंदुरुस्त रहकर ही व्यक्ति जीवन में अपने लक्ष्य को हासिल कर सकता है। योग व्यक्ति को शारीरिक व मानसिक रूप से स्वस्थ रखने के लिए बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि नियमित योग व प्राणायाम करने से अनेक असाध्य रोगों से बचा जा सकता है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को प्रतिदिन योग एवं प्राणायाम अवश्य करने चाहिए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ने योग में प्रस्तुतियां देने वाले प्रतिभागियों में तृतीय स्थान प्राप्त करने पर नव्य, सूर्य नमस्कार प्रोग्राम 2026 में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर दीपक व पतंजलि के योग साधकों को सम्मानित भी किया। स्वागत संबोधन जिला आयुष अधिकारी डॉ. रजनीश व मंच का संचालन डीआईपीआरओ डॉ. मनोज कुमार ने किया।

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक कमलदीप गोयल, एडीसी नवीन आहूजा, जगाधरी के एसडीएम विश्वनाथ, सिविल सर्जन डॉ. दिव्य मंगला, पूर्व चेयरपर्सन रोजी मलिक आनंद, पूर्व नगर निगम के मेयर मदन चौहान, जिला खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी नरेन्द्र सिंह, डीआईपीआरओ डॉ. मनोज कुमार, जिला शिक्षा अधिकारी प्रेमलता, भाजपा जिला महामंत्री नरेन्द्र राणा, पतंजलि योग समिति के जिला प्रभारी जय कुमार, जिला खेल अधिकारी डॉ. शिल्पा गुप्ता, जिला आयुष अधिकारी डॉ. रजनीश, सभी विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी सहित बड़ी संख्या में जिला अधिकारी, कर्मचारी, स्कूलों के विद्यार्थी, पतंजलि योग पीठ के योग अभ्यासी व बड़ी संख्या में जिलावासी मौजूद रहे।

## संक्षिप्त वार्ता

### एसओजी टीम ने देवरिया में पशु तस्करी पकड़ी

वेब वार्ता, देवरिया 20 जून

उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले में पशु तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत एसओजी टीम को बड़ी सफलता मिली है। मुखबिर की सूचना पर टीम ने बनकटा थाना क्षेत्र के रास्ते बिहार जा रही पशुओं से भरी एक पिकअप को सोठाचक गांव के समीप पकड़ लिया। हालांकि पुलिस की घेराबंदी देखकर चालक समेत अन्य तस्कर वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गए।

पुलिस के अनुसार सूचना मिली थी कि पशुओं से लदी एक पिकअप बनकटा क्षेत्र से होकर बिहार की ओर जा रही है। सूचना के आधार पर एसओजी टीम ने सोठाचक गांव के पास घेराबंदी कर वाहन को रोक लिया। तलाशी के दौरान पिकअप में बड़ी संख्या में पशु मिले। कार्रवाई के दौरान तस्कर अंधेरे और खेतों का फायदा उठाकर भाग निकले।

घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस महकमे में हलचल मच गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए एडिशनल एसपी सुनील कुमार सिंह मौके पर पहुंचे और पूरी स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने बरामद वाहन, पशुओं और कार्रवाई से संबंधित आवश्यक जानकारी लेकर पुलिस अधिकारियों को जरूरी दिशा-निर्देश दिए। इस संबंध में क्षेत्राधिकारी भाटपाररानी मनोज कुमार ने बताया कि पशु तस्करी में शामिल फरार आरोपियों की पहचान की जा रही है। उनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस की टीमें लगाई गई हैं और संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। बरामद पिकअप को कब्जे में लेकर आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस का कहना है कि पशु तस्करी के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा और ऐसे मामलों में संलिप्त लोगों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

### उर्वरक की ऑनलाइन बुकिंग होगी

वेब वार्ता, कुशीनगर 20 जून

वर्तमान हो रही परेशानी और किसानों के लिए उर्वरक वितरण व्यवस्था को अधिक पारदर्शी और सुगम बनाने के लिए सहकारिता विभाग नई व्यवस्था लागू करने जा रहा है। इसके तहत किसान मोबाइल एप के माध्यम से उर्वरक की आनलाइन बुकिंग कर सकेंगे। बुकिंग के बाद आनलाइन टोकन भी उनको जारी कर दिया जाएगा।

टोकन पर अंकित निर्धारित तिथि पर उन्हें खाद मिलेगी। इस नई व्यवस्था के लागू होने से केंद्रों पर लगने वाली भीड़ कम होगी और किसानों को कतार में घंटों इंतजार भी नहीं करना पड़ेगा। किसान अपनी आवश्यकतानुसार मोबाइल एप पर खाद की मांग दर्ज करेंगे। सत्यापन के बाद उन्हें ऑनलाइन टोकन मिलेगा। इसमें खाद प्राप्त करने की तिथि समय और केंद्र का विवरण दर्ज रहेगा।

किसान निर्धारित तिथि पर केंद्र पहुंच कर आसानी से खाद प्राप्त कर सकेंगे। विभाग का मानना है कि इस व्यवस्था से खाद वितरण में पारदर्शिता आएगी और कालाबाजारी एवं जमाखोरी पर प्रभावी रोक लगेगी। किसानों को उनकी जरूरत के अनुसार समय पर उर्वरक उपलब्ध कराया जा सकेगा। जिन किसानों के पास स्मार्ट फोन नहीं है वह सहज जन सेवा केंद्र अथवा विभागीय कर्मचारियों की मदद से पंजीकरण और बुकिंग करा सकेंगे।

किसानों को समय से पंजीकरण कराकर विभाग द्वारा जारी दिशा निर्देश का पालन करना होगा। जिले में केंद्रों पर वितरण करने के लिए दो हजार मीट्रिक टन यूरिया अब तक मिला है। जनपद में 145 साधन सहकारी समितियां हैं, इन पर 75 सचिव कार्य कर रहे हैं तो दो लाख से अधिक किसान जुड़े हुए हैं। विभाग की मानें तो जुलाई के प्रथम पखवारे से यही सेवा किसानों को मिलने भी लगेगी।

### आगामी मोहर्रम त्योहार को शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से मनाने हेतु डीजे संचालकों के साथ बैठक

वेब वार्ता, कुशीनगर 20 जून

उत्तर प्रदेश के नपद कुशीनगर में पुलिस अधीक्षक कुशीनगर केशव कुमार के निर्देशन में मोहर्रम त्योहार को शांतिपूर्ण, सफल एवं सौहार्दपूर्ण ढंग से मनाए जाने हेतु अपर पुलिस अधीक्षक कुशीनगर सिद्धार्थ वर्मा द्वारा थाना कोतवाली पडरौना में डीजे संचालकों के साथ महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक के

दौरान मोहर्रम के दौरान डीजे के उपयोग को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।

अपर पुलिस अधीक्षक श्री सिद्धार्थ वर्मा ने डीजे संचालकों को को संबोधित करते हुए कहा कि साउंड पूर्ण रूप से नियंत्रित डेसिबल में ही रहेगा। केवल 2 स्पीकर ही उपयोग किए जाएंगे।किसी भी प्रकार के साम्प्रदायिक, अश्लील या उकसाऊ गाने नहीं बजाए जाएंगे।शांति, सद्भाव एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने में पूर्ण सहयोग किया जाएगा।

बैठक में सभी डीजे संचालकों को नोटिस भी जारी कर दिए गए हैं तथा उल्लंघन करने पर सख्त कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। जनपद पुलिस द्वारा स्पष्ट किया गया है कि त्योहार के दौरान किसी भी प्रकार की असामाजिक गतिविधि, अफवाह फैलाने, उकसावे या शांति भंग करने वाली हरकत को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा तथा दोषियों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। सभी धर्मों के प्रति पूर्ण सम्मान एवं निष्पक्षता के साथ कार्य करते हुए जनपद पुलिस त्योहार के दौरान किसी भी अप्रिय घटना को रोकने हेतु सभी आवश्यक सुरक्षा व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर रही है।

जनपदवासियों से अपील की जाती है कि त्योहारों को पूर्ण रूप से शांतिपूर्ण एवं भाईचारे के साथ मनाएं तथा पुलिस प्रशासन का पूर्ण सहयोग करें। किसी भी संदिग्ध गतिविधि, अफवाह या असामाजिक तत्व की सूचना तत्काल निकटवर्ती थाना अथवा कंट्रोल रूम 112 पर दें।

# दूषित मानसिकता वालों ने बुंदेलखंड को किया बदनाम: मुख्यमंत्री योगी

**मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर महोबा में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए विपक्ष पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि दूषित मन और मलिन आत्मा वाले लोगों ने वर्षों तक बुंदेलखंड को बदनाम किया और प्रदेश के विकास को बाधित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि योग व्यक्ति को शरीर, मन, बुद्धि और आत्मा के समन्वय की प्रेरणा देता है तथा स्वस्थ समाज और राष्ट्र निर्माण का मार्ग प्रशस्त करता है।**

महोबा, 21 जून (वेब वार्ता)

मुख्यमंत्री ने महोबा के मोदी ग्राम में 697 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली 88 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इस अवसर पर महोबा के विकास पर आधारित एक लघु फिल्म का भी प्रदर्शन किया गया। जनसभा को संबोधित करते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की प्राचीन योग परंपरा को वैश्विक पहचान मिली है। उन्होंने कहा कि आज विश्वभर में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस उत्साह के साथ मनाया जा रहा है और प्रदेश के ग्राम पंचायतों, विकास खंडों, तहसीलों, नगर निकायों तथा जिला मुख्यालयों पर भी व्यापक स्तर पर योग कार्यक्रम आयोजित किए गए।

मुख्यमंत्री ने महोबा की ऐतिहासिक, आध्यात्मिक और वीर परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि गुरु गोरखनाथ की साधना स्थली गोरखगिरि अब पर्यटन का नया केंद्र बनकर उभर रही है। उन्होंने घोषणा की कि गोरखगिरि में रोपवे स्थापित किया जाएगा और इसे साहसिक पर्यटन के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा। उन्होंने महोबा महोत्सव से पहले विभिन्न स्तरों की प्रतियोगिताएं आयोजित करने तथा क्षेत्र में पर्यटन सुविधाओं के विस्तार पर भी बल दिया। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि महोबा ऊर्जा, वीरता और संस्कृति की भूमि है। यहां का प्रसिद्ध दशावरी पान प्रदेश की विशिष्ट पहचान बन चुका है, जिसे सरकार ने भौगोलिक संकेतक का दर्जा दिलाकर वैश्विक पहचान प्रदान की है। उन्होंने कहा कि इस भूमि के उत्पादों और परंपराओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के लिए सरकार लगातार कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री ने अर्जुन सहायक परियोजना का उल्लेख करते हुए कहा कि वर्षों से लंबित इस परियोजना को उनकी सरकार ने मिशन मोड में पूरा कराया, जिससे महोबा और बांदा के हजारों हेक्टेयर क्षेत्र को सिंचाई सुविधा प्राप्त हुई और किसानों की आय में वृद्धि हुई। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री बनने के बाद जब वह पहली बार बुंदेलखंड आए थे, तब यहां की स्थिति चिंताजनक थी। क्षेत्र में भूमाफियाओं का दबदबा था और बुनियादी सुविधाओं का अभाव था। लेकिन अब डबल इंजन सरकार ने हर घर जल योजना, एक्सप्रेसवे, सिंचाई परियोजनाओं और कानून व्यवस्था में सुधार के माध्यम से क्षेत्र का स्वरूप बदलने का कार्य किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश रक्षा विनिर्माण के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में स्थापित रक्षा औद्योगिक गलियारे से बुंदेलखंड को नई पहचान मिली है और आने वाले समय में यह क्षेत्र रक्षा उत्पादन का प्रमुख केंद्र बनेगा। उन्होंने कहा कि केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना पर तेजी से कार्य चल रहा है और इसके पूरा होने के बाद बुंदेलखंड में जल संकट का स्थायी समाधान हो जाएगा। साथ ही, महोबा, हमीरपुर, बांदा, चित्रकूट और झांसी में औद्योगिक निवेश, पर्यटन, स्वास्थ्य सेवाओं और कनेक्टिविटी को बढ़ाने के लिए सरकार निरंतर प्रयास कर रही है।

#### जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक रहे उपस्थिति

*मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार गरीबों के कल्याण के लिए राशन, आवास, शौचालय, पेंशन, शिक्षा और सामूहिक विवाह जैसी योजनाओं के माध्यम से व्यापक स्तर पर कार्य कर रही है। उन्होंने विश्वास जताया कि महोबा आने वाले समय में विकास की नई बुलंदियों को छुएगा और अपनी ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक पहचान को और मजबूत करेगा। इस अवसर पर श्रम राज्य मंत्री मनोहर लाल 'मन्नू कोरी', विधायक राकेश कुमार गोस्वामी, विधान परिषद सदस्य जितेंद्र सिंह सेंगर, जिला पंचायत अध्यक्ष जयप्रकाश अनुरागी, नगर पालिका परिषद अध्यक्ष संतोष चौरसिया, पूर्व सांसद पुष्पेंद्र सिंह चंदेल सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।*

## तुंदवल पुल मारपीट कांड में घायल की मौत, चार आरोपी गिरफ्तार

हरदोई। थाना सुरसा क्षेत्र के तुंदवल पुल के पास दो पक्षों के बीच हुई मारपीट की घटना में गंभीर रूप से घायल युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए नामजद चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस के अनुसार 19 जून 2026 को तुंदवल पुल के पास दो पक्षों में विवाद और मारपीट की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया। घटना में ग्राम बहरुद्दीनपुर निवासी विनोद पुत्र गयासिंह गंभीर रूप से घायल हो गए थे। जिला अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद उनकी हालत नाजुक देखते हुए उन्हें लखनऊ ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया गया था।

घटना के संबंध में विनोद की पत्नी रोहिणी सिंह की तहरीर पर पुलिस ने चार आरोपियों के विरुद्ध सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज किया था। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

इस बीच 20 जून को लखनऊ ट्रॉमा सेंटर में उपचार के दौरान विनोद की मृत्यु हो गई। शनिवार को जब परिजन और ग्रामीण शव को अंतिम संस्कार के लिए ले जा रहे थे, तब सेमरा चौराहे पर शव रखकर विरोध प्रदर्शन किया गया। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे तथा परिजनों को अब तक की गई कार्रवाई की जानकारी देते हुए समझाया-बुझाया।

## जी.एस.वी.एम. मेडिकल कॉलेज में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया

वेब वार्ता,कानपुर

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर सुबह जी.एस.वी.एम. मेडिकल कॉलेज, कानपुर में भव्य योग कार्यक्रम का आयोजन मेडिकल कॉलेज प्रांगण में किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो० डॉ संजय काला द्वारा किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त संकाय सदस्य, चिकित्सक, रेजिडेंट डॉक्टर, नर्सिंग स्टाफ, कर्मचारी एवं विद्यार्थियों ने बड़ी संख्या में सहभागिता की।

कार्यक्रम का शुभारम्भ योग प्रार्थना के साथ हुआ, जिसके पश्चात प्रशिक्षित योगाचार्यों के निर्देशन में विभिन्न योगासनों एवं प्राणायाम का अभ्यास कराया गया। प्राचार्य महोदय ने अपने संबोधन में कहा कि योग भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है तथा स्वस्थ शरीर, स्वस्थ मन एवं संतुलित जीवन के लिए योग को दैनिक जीवन का अभिन्न अंग बनाना आवश्यक है। योग सत्र का संचालन ईशा केंद्र के योगाचार्यों द्वारा किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की थीम के अनुरूप मेडिकल कॉलेज के विभिन्न विभागों में भी योग सत्र आयोजित किए गए, जिनमें चिकित्सकों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। इसके अतिरिक्त जन-जागरूकता अभियान चलाकर आम नागरिकों को योग के महत्व एवं स्वास्थ्य लाभों के प्रति जागरूक किया गया।

### आरटीओ कार्यालय परिसर में योग शिविर का हुआ आयोजन

कानपुर। 12 वे अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर आरटीओ कार्यालय परिसर में योग शिविर का आयोजन किया गया। पं दीनदयाल उपाध्याय कालेज के योगा इंस्ट्रक्टर अजय कुमार द्वारा सभी को योगा कराया गया एवं उसके महत्व के बारे समझाया गया। परिवहन कार्यालय से कार्यालय से मोटरयान निरीक्षक संतोष कुमार एवं समस्त स्टॉफ द्वारा प्रतिभाग किया गया। इसमें मुख्य रूप से प्रधान सहायक मधुसूदन मिश्रा, त्रिभुवन मिश्रा, मधुर मिश्रा व पं. दीनदयाल उपाध्याय कालेज के किशन अवस्थी समेत समस्त स्टॉफ मौजूद रहा।

## बहू बेटी सम्मेलन में महिलाओं को किया गया जागरूक, दहेज व बाल विवाह के खिलाफ दिया गया संदेश

वेब वार्ता, कमर खान

पचपेड़वा / बलरामपुर। पुलिस अधीक्षक विकास कुमार जनपद बलरामपुर के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक विशाल पाण्डेय व क्षेत्राधिकारी तुलसीपुर के पर्यवेक्षण में व प्रभारी निरीक्षक ओम प्रकाश चौहान के नेतृत्व में एंटी रोमियो टीम व मिशन शक्ति टीम द्वारा बहू बेटी सम्मेलन ग्राम बहुती में बहु बेटियों ,तलाकशुदा महिलाओं और समूह आदि व बुजुर्ग महिलाओं सभी को दहेज बाल विवाह न करने के लिए जागरूक किया गया तथा बाल विवाह कानूनी अपराध है इसके बारे में भी विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई तथा दहेज प्रतिषेध अधिनियम के बारे में बताया गया तथा सरकार द्वारा चलाई जा रही सभी योजनाएं जैसे मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना ,वृद्धा पेंशन योजना ,विधवा पेंशन योजना, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना, इत्यादि के बारे में जानकारी प्रदान की गई तथा उन्हें सरकार द्वारा चलाए जा रहे सभी विभिन्न विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों जैसे वूमेन पावर लाइन 1090, एंबुलेंस सेवा 108, आपातकालीन पुलिस सेवा 112, गर्भवती महिलाओं के लिए102, साइबर हेल्प लाइन 1930, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 , चाइल्ड हेल्पलाइन लाइन 1098 आदि के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी व थाने पर गठित महिला हेल्प डेस्क के बारे में बताया गया।

# योग केवल व्यायाम नहीं, स्वस्थ और संतुलित जीवन का आधार है : नितिन अग्रवाल

वेबवार्ता। लक्ष्मीकान्त पाठक

हरदोई। स्वस्थ आयु के लिए योग" थीम के साथ शनिवार को जनपद हरदोई में 12वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पूरे उत्साह, उमंग और जनसहभागिता के साथ मनाया गया। जिले के प्रमुख सरकारी संस्थानों, पुलिस विभाग, प्रशासनिक कार्यालयों और थाना परिसरों में सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम आयोजित किए गए। योग दिवस के अवसर पर जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने योगाभ्यास कर स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया।

कोतवाली देहात स्थित स्पोर्ट्स स्टेडियम में आयोजित मुख्य योग कार्यक्रम में प्रदेश के आबकारी एवं मद्य निषेध राज्य मंत्री नितिन अग्रवाल, जिलाधिकारी अनुनय झा तथा पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में विभिन्न योगासन एवं प्राणायाम कराए गए, जिनमें बड़ी संख्या में अधिकारी, कर्मचारी, खिलाड़ी, छात्र-छात्राएं और नागरिक शामिल हुए।

इस अवसर पर नितिन अग्रवाल ने कहा कि योग भारत की प्राचीन ऋषि परंपरा की अमूल्य धरोहर है, जिसे आज पूरा विश्व अपना रहा है। उन्होंने कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि शरीर, मन और आत्मा को स्वस्थ एवं संतुलित रखने की एक संपूर्ण जीवन पद्धति है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से योग को वैश्विक पहचान मिली है और आज दुनिया के अनेक देशों में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि नियमित योगाभ्यास से तनाव, अवसाद और अनेक बीमारियों से बचाव संभव है। योग व्यक्ति को मानसिक शांति, सकारात्मक ऊर्जा और बेहतर कार्यक्षमता प्रदान करता है। उन्होंने लोगों से आह्वान किया कि योग को केवल एक दिवस तक सीमित न रखें, बल्कि इसे अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाएं।

उधर रिजर्व पुलिस लाइन में भी अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर विशेष योग सत्र आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पुलिस विभाग के उच्चाधिकारियों एवं पुलिसकर्मियों ने सामूहिक रूप से योगाभ्यास किया। वहीं जनपद के सभी थाना परिसरों में भी योग दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। थाना सांडी, कछौना, कोतवाली देहात, बिलग्राम, पचदेवरा, पाली, महिला थाना, माधौगंज, बेनीगंज, कोतवाली शहर, लोनार, मल्लावां, शाहाबाद तथा बेहटा गोकुल सहित विभिन्न थानों में तैनात अधिकारियों और कर्मचारियों ने योगाभ्यास कर स्वस्थ जीवन का संकल्प लिया।

कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को योग के महत्व और नियमित अभ्यास से होने वाले लाभों की जानकारी दी गई। अंत में सभी ने निरोग और स्वस्थ जीवन के लिए प्रतिदिन योग करने का संकल्प लिया।

## पीएम किसान सम्मान निधि की 23वीं किश्त का सीएसए में हुआ लाइव प्रसारण

*वेब वार्ता, कानपुर। तारकेश्वर, हुगली, पश्चिम बंगाल में आयोजित हुये पी०एम० किसान उत्सव दिवस में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पी०एम० किसान) की 23वीं किश्त जारी किये जाने के कार्यक्रम का प्रसारण जनपद स्तर पर लाल बहादुर शास्त्री सभागार, प्रसार निदेशालय स्थित, चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विकास खण्ड स्तर पर जनपद के समस्त विकास खण्ड के सभागार में तथा ग्राम पंचायत स्तर पंचायत भवन में दोपहर 3 :45 बजे से किया गया। जनपद स्तर पर आयोजित कार्यक्रम में कल्याणपुर विधायक श्रीमती नीलिमा कटियार, महेश त्रिवेदी,विधायक किदवई नगर, सुरेन्द्र मैथानी, विधायक गोविन्द नगर, प्रकाश पाल, क्षेत्रीय अध्यक्ष कानपुर-बुन्देलखण्ड एवं चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर नगर के कृषि वैज्ञानिक डा० रामजी गुप्ता, डा० वी० के० त्रिपाठी, उपस्थित रहें। इस अवसर पर तिलहन मेला का भी आयोजन किया गया जिसमें कृषि वैज्ञानिकों द्वारा कृषकों को तिलहनी फसलों एवं प्राकृतिक खेती की नवीनतम कृषि की जानकारी उपलब्ध करायी गयी। इस अवसर पर जनपद स्तर के कार्यक्रम में डा० आर०एस० वर्मा, उप कृषि निदेशक, सहित कृषि विभाग के जिला स्तरीय अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण के साथ-साथ 150 प्रगतिशील कृषक उपस्थित रहे।*

## महत्वपूर्ण ख़बर

### पेरिस में फेट डे ला म्यूजिक की धूम, 20 लाख लोगों के जुटने की उम्मीद

- पेरिस। फ्रांस की राजधानी पेरिस में विश्व प्रसिद्ध संगीत महोत्सव फेट डे ला म्यूजिक को लेकर जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। भीषण गर्मी और रिकॉर्ड तापमान के बावजूद इस वर्ष आज 21 जून को समारोह में 20 लाख से अधिक लोगों के शामिल होने की संभावना है। फ्रांस के अलावा ब्रिटेन सहित कई देशों से भी बड़ी संख्या में संगीत प्रेमी पेरिस पहुंच रहे हैं।

वर्ष 1982 में शुरू हुआ यह उत्सव आज फ्रांस का सबसे बड़ा नि:शुल्क स्ट्रीट म्यूजिक फेस्टिवल बन चुका है। इस दिन पेरिस की सड़कों, पार्कों, चौकों और सार्वजनिक स्थलों को संगीत मंच में बदल दिया जाता है, जहां पेशेवर और शौकिया कलाकार अपनी प्रस्तुतियां देते हैं। इस आयोजन की शुरूआत तत्कालीन संस्कृति मंत्री जैक लैंग की पहल पर हुई थी। इसका उद्देश्य संगीत को आम लोगों तक पहुंचाना और सांस्कृतिक एकता को बढ़ावा देना था। समय के साथ यह आयोजन अंतरराष्ट्रीय पहचान हासिल कर चुका है।

### लोग बहुत जल्दी किसी के बारे में बना लेते हैं राय: माधुरी दीक्षित

- मुंबई। अपनी हालिया रिलीज फिल्म मां-बहन को लेकर बॉलीवुड अभिनेत्री माधुरी दीक्षित चर्चा में हैं। फिल्म में उनके किरदार को समाज की उन धारणाओं का सामना करते हुए दिखाया गया है, जहां महिलाओं को उनके पहनावे और व्यक्तित्व के आधार पर आसानी से जज कर लिया जाता है। नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई इस फिल्म को दर्शकों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। इसी बीच माधुरी ने अपने करियर के शुरूआती दिनों से जुड़ा एक दिलचस्प अनुभव साझा किया है।

# होर्मुज दोबारा बंद होने की आशंकाओं के बीच भारत के तीन तेल टैंकर सुरक्षित निकले

## तीनों जहाजों में 8.6 लाख टन कच्चा तेल लदा, जो ऊर्जा जरूरतों के लिए अहम

**नई दिल्ली। होर्मुज स्ट्रेट के दोबारा बंद होने की आशंकाओं के बीच भारत के तीन बड़े तेल टैंकर सुरक्षित इस समुद्री मार्ग को पार करने में सफल रहे हैं। ईरान के खिलाफ अमेरिका और इजराइल की जंग शुरू होने के बाद से यह पहला मौका है, जब एक ही दिन में इतनी बड़ी संख्या में भारतीय जहाज होर्मुज पार कर भारत रवाना हुए हैं।**

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय ध्वज वाले टैंकर देश वैभव, देश विभोर और सनमार हेराल्ड शनिवार को सुरक्षित रूप से होर्मुज स्ट्रेट पार कर गए। इन तीनों जहाजों में कुल 8.6 लाख टन कच्चा तेल लदा है, जो भारत की ऊर्जा जरूरतों के लिहाज से बेहद अहम माना जा रहा है। होर्मुज दुनिया के सबसे व्यस्त और संवेदनशील समुद्री मार्गों में से एक है। खाड़ी देशों से निकलने वाले तेल का बड़ा हिस्सा इसी रास्ते से दुनिया के कई देशों तक पहुंचता है। हाल के दिनों में क्षेत्रीय तनाव बढ़ने के बाद होर्मुज की नाकेबंदी की वजह से जहाजों की आवाजाही रुक गई थी।

शिपिंग मंत्रालय के मुताबिक अब तक भारत आने वाले कुल 18 जहाज इस मार्ग को सुरक्षित पार कर चुके हैं। इनमें 13 भारतीय ध्वज वाले और 5 विदेशी ध्वज वाले जहाज शामिल हैं। केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्री सबार्नंद सोनोवाल ने कहा कि सरकार भारतीय समुद्री हितों और नाविकों की सुरक्षा तय करने के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ काम कर रही है। उन्होंने बताया कि इन तीन जहाजों पर कुल 94 भारतीय नाविक तैनात हैं।

शिपिंग मंत्रालय के अधिकारियों के मुताबिक देश वैभव 24 जून को गुजरात के वडीनार बंदरगाह पहुंच सकता है। वहीं देश विभोर भी 24 जून को गुजरात के सिक्का पोर्ट पहुंचने वाला है। इन जहाजों के पहुंचने से देश की रिफाइनरियों को कच्चे तेल की आपूर्ति में मजबूती मिलेगी और बाजार में संभावित आपूर्ति संकट की आशंकाएं कम होंगी। हालांकि होर्मुज की तस्वीर अभी भी पूरी तरह राहत भरी नहीं है। अधिकारियों के मुताबिक भारत आने वाले 31 जहाज अभी भी फारस की खाड़ी में फंसे हुए हैं। इनमें 16 जहाज उर्वरक (फर्टिलाइजर) लेकर भारत आने वाले हैं। भारत की ओर आने वाले दो और जहाज एसएसएल कावेरी और देश सुरक्षा अभी होर्मुज के आसपास इंतजार कर रहे हैं. सभी की निगाहें अब इनके सुरक्षित पार होने पर टिकी हैं।

# ऑस्ट्रेलिया में मिला एच5 बर्ड फ्लू, दुनिया के सभी महाद्वीप इसकी चपेट में

**सिडनी। ऑस्ट्रेलिया में पहली बार एच5 बर्ड फ्लू वायरल की पुष्टि हुई है। इसके साथ ही यह वायरस अब दुनिया के सभी महाद्वीपों में पहुंच चुका है। ऑस्ट्रेलिया की कृषि मंत्री जूली कॉलिन्स ने इसकी जानकारी शनिवार को दी।**

उन्होंने बताया कि पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के एक दूरदराज इलाके में प्रवासी समुद्री पक्षी ब्राउन स्कुआ में एच5 बर्ड फ्लू पाया गया है। इसकी पुष्टि देश की राष्ट्रीय विज्ञान एजेंसी ने की है। इसके अलावा एक बीमार जायंट पेट्रेल पक्षी के सैंपल में संक्रमण की आशंका जताई गई है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ही दुनिया का एकमात्र महाद्वीप था, जहां एच5 बर्ड फ्लू स्ट्रेन नहीं मिला था। यह वायरस मुर्गियों और जंगली पक्षियों में तेजी से फैलता है और बड़ी संख्या में उनकी मौत का कारण बन सकता है। मामले को देखते हुए पशु स्वास्थ्य और कृषि अधिकारियों की आपात बैठक बुलाई। इसमें वायरस के फैलाव को रोकने और राष्ट्रीय स्तर पर जवाबी रणनीति पर चर्चा की गई।

रिपोर्ट के मुताबिक ऑस्ट्रेलिया के पीएम एंथनी अल्बनीज ने कहा कि यह चिंता की बात है। सरकार वायरस के फैलाव को रोकने के लिए जरूरी कदम उठाएगी। उन्होंने कहा कि यह संक्रमण प्रवासी पक्षियों के जरिए यहां पहुंचा है। दुनिया के कई देशों में ऐसा हो चुका है और इसी वजह से हम पहले से तैयारी कर रहे थे। ऑस्ट्रेलियाई वैज्ञानिकों ने बताया था कि एच5 बर्ड फ्लू के कारण उप-अंटार्कटिक क्षेत्र के एक ज्वालामुखीय द्वीप पर स्थित हाथी सील की एक प्रजनन कॉलोनी में 13 हजार से ज्यादा सील के बच्चों की मौत हो चुकी है। यह द्वीप ऑस्ट्रेलिया के बाहरी क्षेत्रों में शामिल है और वैज्ञानिक वहां संक्रमण के असर पर नजर रख रहे हैं।

## वैज्ञानिक रखेंगे हर नदी पर पैनी नजर

# अब नदियों के पानी का हिसाब देगा सैटेलाइट

नई दिल्ली। वैज्ञानिक अब अंतरिक्ष से पृथ्वी की हर एक नदी पर पैनी नजर रखने की तैयारी कर रहे हैं। अमूमन लोग नदियों के बारे में तब सोचते हैं जब बाढ़ आती है या सूखा पड़ता है, लेकिन नदियां हमारे पूरे ईकोसिस्टम को आपस में जोड़ती हैं। दुनिया की एक बड़ी आबादी पीने के पानी के लिए पूरी तरह नदियों पर ही निर्भर है। दुनिया की कई नदियां दूरदराज इलाकों में हैं। वहां जाकर पानी की जांच करना और नदियों की सेहत का पता लगाना मुश्किल है। इसी समस्या को दूर करने के लिए वैज्ञानिकों ने नया रास्ता खोजा है।

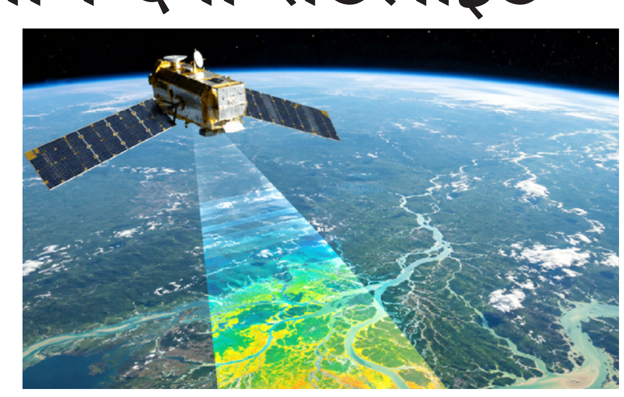

एक नई रिसर्च में दावा किया गया है कि सैटेलाइट रिमोट सेंसिंग तकनीक अब एडवांस हो चुकी है। इस तकनीक की मदद से ग्लोबल स्केल पर नदियों के पानी की क्वालिटी और उनके स्वास्थ्य को आसानी से ट्रैक किया जा सकता है।

रिपोर्ट के मुताबिक नदियों को ट्रैक करना पहली नजर में बहुत आसान काम लगता है। सदियों से इंसानों ने नदियों के नक्शे तैयार किए हैं, लेकिन हकीकत इससे बहुत ज्यादा अलग और जटिल है। एनवायरनमेंटल इंजीनियरिंग की प्रोफेसर डोंगमी फेंग ने कहा कि नदियों और खासकर छोटे झरनों को परिभाषित करना बहुत कठिन काम है। नदियां लगातार बदलती रहती हैं और कई बार गायब भी हो जाती हैं।

दुनिया में कई ऐसी नदियां हैं जो महीनों या सालों तक सूखी रहती हैं। पानी के कई छोटे रास्ते ऐसे इलाकों में हैं जहां इंसान आसानी से पहुंच ही नहीं सकता है। पुरानी तकनीक में रिसर्चर खुद मौके पर जाकर पानी का सैंपल लेते थे। यह तरीका शहरों के पास की बड़ी नदियों के लिए तो ठीक है, लेकिन दुनिया की सभी नदियों के लिए यह तरीका काम नहीं कर सकता है। दूरदराज की नदियों में जो कुछ भी होता है वह वहीं तक सीमित नहीं रहता है। नदियां अपने साथ मिट्टी, पोषक तत्व और प्रदूषण बहाकर ले जाती हैं। यह सब आगे जाकर समुद्र में मिल जाता है। इससे समुद्री जीवों और मछलियों के जीवन पर बुरा असर पड़ता है। इसलिए वैज्ञानिक हर नदी का अलग से और ग्लोबल लेवल पर स्टडी करने पर जोर दे रहे हैं। हर नदी का अपना एक अलग क्लाइमेट और माहौल होता है। उन पर इंसानी गतिविधियों का असर भी अलग होता है।

पानी में मौजूद अलग-अलग पोषक तत्व और प्रदूषक तत्व लाइट को अलग तरीके से एब्जॉर्ब करते हैं। सैटेलाइट अंतरिक्ष की ऑर्बिट में घूमते हुए इस बदलाव को आसानी से पहचान लेते हैं। जब इस सैटेलाइट डेटा को कंप्यूटर मॉडलिंग के साथ मिलाया जाता है तो पानी की क्वालिटी का सटीक अंदाजा लग जाता है। इस तरह घर बैठे ही दूरदराज की नदियों के पानी की जांच लगातार की जा सकती है। यह तकनीक सिर्फ रिसर्च तक सीमित नहीं रहने वाली है। दुनिया के बड़े शहरों के लिए नदियां ही पीने के पानी का मुख्य जरिया हैं। दुनिया की 90 फीसदी आबादी नदियों के सिर्फ छह मील के दायरे में रहती है। इंसानी सभ्यता के विकास में भी नदियों का सबसे बड़ा योगदान रहा है। हर बड़े शहर की पहचान किसी न किसी नदी से जुड़ी हुई है। नदियों ने ही शहरों को आगे बढ़ने के लिए जरूरी रिसोर्सेज दिए हैं। इसलिए उनकी सेहत पर नजर रखना हमारी भलाई के लिए बहुत जरूरी है।

# रहस्यमयी धूमकेतु 3आई/एटलस हो सकता है 7 अरब साल पुराना

## नई खोज ने वैज्ञानिकों और खगोल विज्ञानिकों का ध्यान अपनी ओर खींचा

वॉशिंगटन। अंतरिक्ष से जुड़ी एक नई खोज ने वैज्ञानिकों और खगोल विज्ञान प्रेमियों का ध्यान अपनी ओर खींचा। 2025 में खोजा गया अंतरतारकीय धूमकेतु 3आई/एटलस अब एक बार फिर चर्चा में है। वैज्ञानिकों का मानना है कि यह धूमकेतु करीब 7 अरब साल पुराना हो सकता है, यानी इसकी उम्र हमारे सूर्य और पूरे सौरमंडल से भी ज्यादा हो सकती है। यदि यह अनुमान सही निकला तो यह अब तक देखा गया सबसे प्राचीन धूमकेतु होगा, जो ब्रह्मांड के शुरूआती दौर की अहम जानकारियां अपने अंदर समेटे हुए है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस धूमकेतु की खोज 1 जुलाई 2025 को चिली स्थित एटलस सर्वे दूरबीन द्वारा की गई थी। यह हमारे सौरमंडल के बाहर से आने वाली तीसरी ज्ञात अंतरतारकीय वस्तु है। इसकी खोज के बाद हार्वर्ड विश्वविद्यालय के खगोल भौतिक विज्ञानी एवी लोएब ने दावा किया था कि यह कोई सामान्य धूमकेतु नहीं है। उन्होंने इसकी असामान्य गति और मार्ग का हवाला देते हुए संभावना जताई थी कि यह किसी उन्नत बाह्य-ग्रहीय सभ्यता की तकनीकी संरचना या जांच यान हो सकता है। हालांकि इस दावे को वैज्ञानिक समुदाय के अधिकांश विशेषज्ञों ने संदेह की दृष्टि से देखा।

वैज्ञानिकों का मानना है कि यह धूमकेतु आकाशगंगा के उस प्राचीन क्षेत्र से आया है जिसे ह्यथिक डिस्कह्र कहा जाता है। यह हिस्सा अत्यंत पुराने तारों का घर माना जाता है, जिनकी उम्र 10 से 12 अरब साल तक हो सकती है।

धूमकेतु के असामान्य झुकाव वाले मार्ग ने संकेत दिया है कि इसकी उत्पत्ति भी इसी क्षेत्र में हुई होगी। शोधकताओं के मुताबिक इस धूमकेतु का महत्व केवल इसकी उम्र तक सीमित नहीं है। प्रारंभिक अवलोकनों से संकेत मिले हैं कि इसमें पानी की बर्फ और कई वाष्पशील रासायनिक यौगिक बड़ी मात्रा में मौजूद हैं। इन तत्वों का अध्ययन करके वैज्ञानिक यह समझने की कोशिश करेंगे कि अरबों साल पहले बने तारकीय तंत्रों में किस प्रकार के पदार्थ मौजूद थे और ब्रह्मांड के रासायनिक विकास की प्रक्रिया कैसी रही होगी।

# इजरायल-अमेरिका संबंधों में शुरू हुई खटपट, बढ़ा तनाव

## ट्रंप की खाड़ी रणनीति और भारत को लाभ

*वॉशिंगटन। ईरान और अमेरिका के बीच तमाम जद्दोजहद के बाद हुए शांति समझौते ने मध्य पूर्व में शांति बहाल कर दी है, लेकिन इसी के साथ दशकों पुरानी अमेरिकी-इजरायली साझेदारी में अभूतपूर्व दरार के संकेत भी सामने आए हैं। इस शांति समझौते में ईरान की अधिकांश शर्तों को स्वीकार किया गया, यहां तक कि लेबनान में इजरायल की तरफ से हमले न करने की तेहरान की शर्त भी मान ली गई। हालांकि, इजरायल ने लेबनान में हिजबुल्लाह के ठिकानों पर शांति समझौते से पहले और बाद में भी लगातार हमले जारी रखे। इजरायल के इस रवैये को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने तीखी टिप्पणियां कीं। ट्रंप ने इजरायली हमलों को पागलपन बताया, जबकि वेंस ने स्पष्ट कहा कि पूरी दुनिया में केवल डोनाल्ड ट्रंप ही हैं, जो इजरायल का साथ दे रहे हैं।*

*उपराष्ट्रपति वेंस ने इजरायल के प्रति अमेरिकी रुख की गंभीरता को रेखांकित करते हुए चेतावनी दी कि तेल अवीव अपनी सुरक्षा के लिए अमेरिकी सैन्य सहायता और हथियारों पर बहुत अधिक निर्भर है। उन्होंने इजरायली नेतृत्व से वास्तविकता को समझने और मौजूदा परिस्थितियों में अधिक संयमित रवैया अपनाने की अपील की। वेंस ने यह भी याद दिलाया कि अमेरिका इजरायल का एक अविश्वसनीय साझेदार रहा है और अमेरिकी मिसाइल रक्षा प्रणालियों ने इजरायल की सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। पिछले कई दशकों में शायद यह पहला मौका है जब इजरायल के प्रति अमेरिकी रवैया इतना सख्त हुआ है।*

*अमेरिका के इस बदले हुए रुख की मुख्य वजह ट्रंप सरकार की गल्फ क्षेत्र में शांति और स्थिरता सुनिश्चित करने की नीति है। अमेरिका ने इजरायल के कहने पर जब ईरान पर संयुक्त रूप से हमला किया था, तब इसके परिणाम आत्मघाती साबित हुए। मध्य-पूर्व में उथल-पुथल मच गई, जिससे ऊर्जा संपन्न इस क्षेत्र से गैस और तेल की आपूर्ति बाधित हुई और वैश्विक अर्थव्यवस्था, जिसमें अमेरिका भी शामिल था, पर इसका बुरा असर पड़ा। युद्ध के चलते अमेरिका को हथियारों पर अरबों डॉलर खर्च करने पड़े और अर्थव्यवस्था भी डगमगा गई। साथ ही, अमेरिकी सहयोगी देशों का दबाव भी युद्ध समाप्त करने और गल्फ क्षेत्र में शांति व्यवस्था बहाल करने का था। ईरान शांति समझौते में सबसे बड़ा गतिरोध इजरायल ही बना। ईरान ने लेबनान में इजरायली हमलों को रोकने की शर्त रखी थी, जिसे इजरायल लगातार उल्लंघन कर रहा था। इस कारण शांति प्रक्रिया बाधित हो रही थी और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इस पर खासा नाराज हुए। उन्होंने इसके लिए इजरायल और प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को खुलेआम खरी-खोटी भी सुनाई।*

# ईरान को अरबों डॉलर देने, अमेरिका-कतर बना रहे योजना

वॉशिंगटन। अमेरिका और ईरान के बीच हुए युद्धविराम समझौते के बाद, दोनों देशों के रिश्तों में एक और बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। एक रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका और कतर मिलकर एक ऐसी व्यवस्था तैयार कर रहे हैं जिसके तहत ईरान को विदेशों में फंसी अपनी अरबों डॉलर की संपत्ति तक सीमित पहुंच प्रदान की जा सकती है। यह पहल दोनों देशों के बीच तनाव कम करने और मानवीय सहायता सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हो सकती है।

इस योजना की शुरूआत कतर में जमा ईरान के 6 अरब डॉलर से होने की संभावना है। प्लान के मुताबिक, ईरान इस राशि का सीधा नकद के तौर पर इस्तेमाल नहीं कर पाएगा। इसके बजाय, वह इस फंड का उपयोग केवल भोजन, दवाइयों और अन्य मानवीय आवश्यकताओं के सामान की खरीद के लिए कर सकेगा। भुगतान कतर की निगरानी में होगा और इस पूरी प्रक्रिया पर अमेरिका कड़ी नजर रखेगा ताकि फंड का दुरुपयोग न हो।

अनुमान है कि प्रतिबंधों के कारण दुनिया के विभिन्न देशों में ईरान के लगभग 100 अरब डॉलर फंसे हुए हैं। इनमें चीन, भारत, इराक और कतर जैसे देशों में तेल बिक्री से प्राप्त आय की रकम भी शामिल है। ईरान लंबे समय से इनमें से कम से कम 24 अरब डॉलर जल्द जारी करने की मांग कर रहा है। यदि कतर वाला यह मॉडल सफल रहता है, तो इसी तरह की व्यवस्था अन्य देशों में भी लागू की जा सकती है, जिससे ईरान को उसकी बड़ी संपत्ति तक सीमित पहुंच मिल सके। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस मुद्दे पर विरोधाभासी बयान दिए हैं। जी-7 सम्मेलन के दौरान उन्होंने कहा था, हमने उनका पैसा फ्रीज किया था। वह हमारा नहीं, उनका अपना पैसा है। किसी समय हमें उसे वापस देना ही होगा। हालांकि, बाद में शुक्रवार को उन्होंने सोशल मीडिया पर ईरान पर भड़कते हुए कहा कि यदि ईरान समझौते की शर्तों का पालन नहीं करता है, तो उसे एक दस सेंट भी नहीं मिलेगा।

### 14 साल बाद भी नहीं मिला मुआवजा, जीबीए को फटकार

बेंगलुरु। कर्नाटक हाईकोर्ट ने ग्रेटर बेंगलुरु अथॉरिटी (जीबीए) और पूर्ववर्ती बृहत बेंगलुरु महानगर पालिका (बीबीएमपी) को कड़ी फटकार लगाते हुए एक अहम फैसला सुनाया है। अदालत ने निर्देश दिया है कि सड़क निर्माण के लिए अधिग्रहित की गई जमीन के बदले पात्र भू-स्वामियों को तीन महीने के भीतर हर हाल में ट्रांसफरेबल डेवलपमेंट राइट्स (टीडीआर) प्रमाणपत्र जारी किए जाएं। न्यायमूर्ति एम. नागप्रसन्ना ने यह आदेश बेंगलुरु दक्षिण तालुक के होस्केरेहल्ली गांव के उन भू-स्वामियों की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया, जिनकी लगभग दो एकड़ भूमि साल 2012 में सड़क निर्माण के लिए ली गई थी।

# राम मंदिर चढ़ावे चोरी में एसआईटी को मिले अहम सबूत, चंपत राय शक के दायरे में

अयोध्या। अयोध्या में स्थित राम मंदिर के चढ़ावे में चोरी की जांच कर रही एसआईटी को अहम सबूत मिले हैं। एसआईटी रविवार या सोमवार को सीएम योगी आदित्यनाथ को अपनी जांच रिपोर्ट सौंप सकती है। इस पूरे मामले में एसआईटी ने अनिल मिश्रा और गोपाल राव की भूमिका संदिग्ध पाई है। एसआईटी को सीसीटीवी फुटेज से रकम पार किए जाने के साक्ष्य मिले हैं। कुछ सीसीटीवी फुटेज डिलीट किए जाने का भी शक है। एसआईटी ने लापरवाही और साजिश इन दोनों पहलुओं की जांच की है। दान राशि की गणना प्रक्रिया की निगरानी तंत्र पूरी तरह फेल हो गई है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक टिन्नू यादव, कुछ गरणाकर्मी और बैंक कर्मियों के खिलाफ एफआईआर भी दर्ज हो सकती है। ट्रस्ट के पदाधिकारी के अयोध्या छोड़ने पर एसआईटी ने रोक लगा दी है। एसआईटी ने ट्रस्ट के पदाधिकारी अनिल मिश्रा और निर्माण सहायक गोपाल राव की भूमिका को संदिग्ध बताया है। महासचिव चंपत राय भी सवालों के घेरे में हैं। एसआईटी ने छह दिनों में करीब 150 लोगों से पूछताछ की है। ट्रस्ट के तीन पदाधिकारियों समेत प्रबंधन के 20-25 लोगों की लापरवाही या संलिप्तता सामने आई है। 6 कर्मचारी एसबीआई के और टीसीएस के 6 कर्मियों से पूछताछ हुई।

एसआईटी की रिपोर्ट आने के बाद मंदिर ट्रस्ट के प्रबंधन में बड़े बदलाव हो सकते हैं। इसके अलावा एसआइटी नए सिरे से ट्रस्ट का गठन करने, पारदर्शिता के लिए काशी विश्वनाथ की तर्ज पर कार्यपालक अधिकारी की नियुक्ति, ट्रस्ट के सरकारी पदेन तीन सदस्यों को चढ़ावे की गणना की जिम्मेदारी बढ़ाई जाने, तय समय में चढ़ावे का ऑडिट कराए जाने और उसकी रिपोर्ट शासन को देने, कर्मचारियों की भर्ती को पारदर्शिता बनाए जाने, सिफारिश के आधार पर भर्ती ना करने, बैंक गणना कार्यों में अपने नियमित कर्मचारियों को लगाने और निगरानी तंत्र को और मजबूत करने का सुझाव दे सकती है।

# योग को दिनचर्या का हिस्सा बनाएं, स्वस्थ समाज के निर्माण में योगदान दें: मुख्यमंत्री

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर अम्बिकापुर के पीजी कॉलेज मैदान में आयोजित राज्य स्तरीय सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम में हजारों नागरिकों, विद्यार्थियों, महिलाओं, युवाओं, जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के साथ योगाभ्यास किया। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेशवासियों को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि योग भारत की सनातन ऋषि परंपरा का अमूल्य उपहार है, जिसने आज संपूर्ण विश्व को स्वस्थ, संतुलित और शांतिपूर्ण जीवन का मार्ग दिखाया है। उन्होंने कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि शरीर, मन और आत्मा के बीच सामंजस्य स्थापित करने वाली जीवन पद्धति है, जो व्यक्ति को आत्मबल, अनुशासन, सकारात्मक ऊर्जा और जीवन के प्रति संतुलित दृष्टिकोण प्रदान करती है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की थीम ह्लस्वस्थ आयु के लिए योगह्व वर्तमान समय की आवश्यकता को प्रतिबिंबित करती है। तेजी से बदलती जीवनशैली, बढ़ते तनाव और स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों के बीच योग प्रत्येक आयु वर्ग के लिए स्वास्थ्य सुरक्षा का सबसे सरल और प्रभावी माध्यम बनकर उभरा है। नियमित योगाभ्यास व्यक्ति को शारीरिक रूप से

सक्रिय, मानसिक रूप से सजग और भावनात्मक रूप से संतुलित बनाए रखता है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ व्यक्ति ही स्वस्थ परिवार, स्वस्थ समाज और विकसित राष्ट्र की आधारशिला होता है, इसलिए योग को केवल एक आयोजन तक सीमित न रखकर जीवन का हिस्सा बनाना होगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और सतत प्रयासों से योग को वैश्विक पहचान मिली है। वर्ष 2014 में संयुक्त राष्ट्र महासभा में भारत द्वारा रखे गए प्रस्ताव को रिकॉर्ड समय में व्यापक समर्थन प्राप्त होना इस बात का प्रमाण है कि विश्व ने भारतीय ज्ञान परंपरा और योग की उपयोगिता को स्वीकार किया है। आज 21 जून को पूरी दुनिया जिस उत्साह से अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मना रही है, वह भारत की सांस्कृतिक विरासत और वैश्विक नेतृत्व का गौरवशाली उदाहरण है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि योग स्वास्थ्य और आरोग्य की ऐसी विश्वसनीय साधना है, जो जीवन के हर चरण में व्यक्ति का मार्गदर्शन करती है। योग शरीर को निरोग, मन को शांत और विचारों को सकारात्मक बनाता है। मधुमेह, उच्च रक्तचाप, तनाव, अनिद्रा और मोटापे जैसी जीवनशैली जनित समस्याओं से बचाव में योग अत्यंत प्रभावी सिद्ध हो रहा है। उन्होंने कहा कि आधुनिक चिकित्सा विज्ञान भी आज योग की उपयोगिता को स्वीकार कर रहा है और इसे बेहतर स्वास्थ्य के महत्वपूर्ण आधार के रूप में देख रहा है।

### मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने जशपुर जिले को दी 9.65 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों की सौगात

# 9 विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण

**रायपुर।** मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज जशपुर जिले के कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र, कुनकुरी में आयोजित कार्यक्रम के दौरान कुनकुरी विधानसभा क्षेत्र के 9 विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया। इन विकास कार्यों की कुल लागत 9 करोड़ 65 करोड़ रुपये है, जिसमें 4 कार्यों का भूमिपूजन तथा 5 कार्यों का लोकार्पण शामिल है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने क्षेत्रवासियों को बधाई देते हुए कहा कि विकास कार्य केवल निर्माण तक सीमित नहीं होते, बल्कि वे लोगों के जीवन में सुविधाएं, अवसर और समृद्धि लेकर आते हैं।

उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं के पूर्ण होने से कुनकुरी विधानसभा क्षेत्र में सड़क, विद्युत, स्वच्छता और ग्रामीण अधोसंरचना को नई मजबूती मिलेगी तथा नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार गांव, गरीब, किसान और युवाओं के जीवन को बेहतर बनाने के लिए निरंतर आधारभूत सुविधाओं के विस्तार पर कार्य कर रही है। विकास के लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग तथा लोक निर्माण विभाग के अंतर्गत कुल 6 करोड़ 74 लाख रुपये की लागत वाले 4 विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अंतर्गत 31.68 लाख रुपये की लागत से फीकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट तथा 10 लाख रुपये की लागत से ग्राम पंचायत पगुराबहार के बेहराटोली में भजनो घर के पास पुलिया निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया गया।

इसी प्रकार लोक निर्माण विभाग के अंतर्गत 220.82 लाख रुपये की लागत से ग्राम पंचायत चराईडांड़ के मलेरिया बस्ती से राष्ट्रीय राजमार्ग-43 तक 2 किलोमीटर पहुंच मार्ग निर्माण तथा 412.48 लाख रुपये की लागत से घासीमुंडा से कोरवाटोली (ग्राम पंचायत कोहपानी) तक 3.10 किलोमीटर सड़क निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया गया।

इन परियोजनाओं के पूर्ण होने से ग्रामीण क्षेत्रों की आवागमन सुविधा बेहतर होगी तथा सामाजिक एवं आर्थिक गतिविधियों को नई गति मिलेगी। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अंतर्गत 40 लाख रुपये की लागत से निर्मित चार कार्यों का लोकार्पण किया गया। इनमें ग्राम पंचायत जोकबहला के हरिजन बस्ती पहुंच मार्ग पर आरसीसी पुलिया निर्माण, ग्राम पंचायत जोकारी में मधेश्वर महादेव पहाड़ मार्ग पर आरसीसी पुलिया निर्माण, ग्राम पंचायत डोडापानी के डुमरटोली बस्ती में सीसी रोड निर्माण तथा ग्राम पंचायत हेठघींचा में उपरघींचा से घुड़ाजोर मार्ग पर पुलिया निर्माण कार्य शामिल हैं।

लोकार्पण कार्यक्रम के अंतर्गत मुख्यमंत्री श्री साय ने छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड द्वारा 2.50 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित 33/11 केवी, 3.15 एमवीए विद्युत उपकेंद्र कुडूकेला का भी लोकार्पण किया। इस विद्युत उपकेंद्र के प्रारंभ होने से जामटोली, गड़बहार, टुकूपानी, बरटोली, पंडरा, सुखापोखर, जामचुवां, कुडूकेला, सरडीह, गिनाबहार, टोप्पो बागान, रेंगारघाट, सियावर चौक, चटकपुर, बेने, बासनटोली, कुहूमुड़ा, भेलवाटोली तथा नवापारा सहित अनेक गांवों को बेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति उपलब्ध होगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रदेश सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार के लिए प्रतिबद्ध है और ऐसे विकास कार्य क्षेत्र के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

## ब्रेस्ट कैंसर जागरूकता के लिए रोटेरियन निभाएं सक्रिय भूमिका: डेका

**रायपुर।** राज्यपाल रमेन डेका से आज रोटरी क्लब ग्रेटर रायपुर के सदस्यों ने लोक भवन में सौजन्य मुलाकात एवं चर्चा की। राज्यपाल ने उन्हें समाज हित से जुड़े विभिन्न विषयों पर मार्गदर्शन दिया।

चर्चा के दौरान राज्यपाल ने रोटरी क्लब द्वारा किए जा रहे सामाजिक कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि यह एक संगठित और सेवा भावना से कार्य करने वाला संगठन है। उन्होंने कहा कि समाज के विकास और जनकल्याण के लिए सभी संस्थाओं और नागरिकों को मिलकर कार्य करना होगा। राज्यपाल ने पर्यावरण संरक्षण को समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बताते हुए कहा कि रायपुर शहर में पेड़ों के चारों ओर कंक्रीट और टाइल्स का घेरा बना दिया गया है, जिससे उनकी जड़ों तक पर्याप्त पानी और हवा नहीं पहुंच पाती। उन्होंने रोटेरियन से ऐसे घेरों को हटाने और पेड़ों को पुनर्जीवन देने के लिए सहयोग करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि यदि छत्तीसगढ़ में जल संरक्षण और जल स्त्रोतों के संवर्धन के लिए प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो राज्य को संभावित गंभीर जल संकट का सामना करना पड़ सकता है। इसके लिए अभी से जल स्त्रोतों के पुनर्जीवन और संरक्षण की दिशा में सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं। उन्होंने रोटरी क्लब से इस अभियान में सक्रिय सहयोग करने का आग्रह किया।

राज्यपाल ने महिलाओं में बढ़ रहे ब्रेस्ट कैंसर के प्रति जागरूकता फैलाने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि रोटेरियन इस दिशा में जनजागरूकता अभियान चलाकर महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने राज्य के विशेष पिछड़ी जनजातियों के उत्थान और विकास में भी रोटरी क्लब के सहयोग की अपेक्षा जताई। उन्होंने कहा कि विशेष पिछड़ी जनजातियों की संस्कृति छत्तीसगढ़ की मूल पहचान और धरोहर है, जिसे संरक्षित रखना हम सभी की जिम्मेदारी है।

## ताजा खबर

## संक्षिप्त

### तुएगोंदी के आदिवासी समाज की माँग हुई पूर्ण

**रायपुर।** बालोद जिले में स्थित जामड़ी पाट में आज का दिन आदिवासी समाज के लिए बेहद ऐतिहासिक और हर्षोल्लास से भरा रहा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की त्वरित और संवेदनशील पहल के परिणामस्वरूप, आदिवासी समाज की यहाँ पारंपरिक अनुष्ठान करने की माँग आखिरकार पूरी हो गई है। इस सुखद निर्णय के बाद, आज समाज के लोगों ने अपनी गौरवशाली परंपरा जामड़ी पाट में पूजा और रीति-रिवाजों के अनुरूप जलकैना में भव्य अनुष्ठान संपन्न किया। विगत दिनों मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आदिवासी समाज के पदाधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक में समाज के प्रतिनिधियों ने जामड़ी पाट में पारम्परिक देवता की अर्चना तथा वहॉ स्थित जलकैना में अपनी पारंपरिक अनुष्ठान की अनुमति को लेकर लंबे समय से चली आ रही माँग रखी थी। समाज की भावनाओं और परंपराओं का सम्मान करते हुए, मुख्यमंत्री ने अविलंब जिला प्रशासन बालोद को आवश्यक व्यवस्थाएँ सुनिश्चित करने के स्पष्ट निर्देश दिए।

### उदंती अभ्यारण्य बन रहा छत्तीसगढ़ का नया इको-टूरिज्म आकर्षण

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले में स्थित उदंती अभ्यारण्य आज राज्य के उभरते हुए इको-टूरिज्म स्थलों में अपनी विशिष्ट पहचान बना रहा है। घने वनों, स्वच्छ जलधाराओं, समृद्ध जैव विविधता और दुर्लभ वन्यजीवों से भरपूर यह अभ्यारण्य प्रकृति प्रेमियों, वन्यजीव फोटोग्राफरों, पक्षी प्रेमियों और साहसिक पर्यटन के शौकीनों के लिए किसी स्वर्ग से कम नहीं है। उदंती अभ्यारण्य की सबसे बड़ी विशेषता यहां संरक्षित दुर्लभ वन भैंसा (वाइल्ड बफेलो) हैं, जिन्हें छत्तीसगढ़ की वन्य विरासत का गौरव माना जाता है। अभ्यारण्य में वन भैंसों के झुंड प्राकृतिक आवास में विचरण करते दिखाई देते हैं, जो पर्यटकों के लिए आकर्षण का प्रमुख केंद्र हैं। हाल के वर्षों में वन विभाग द्वारा किए गए संरक्षण प्रयासों ने इस दुर्लभ प्रजाति के संरक्षण को नई दिशा दी है।

### स्टार हेल्थ इंश्योरेंस मामले में ग्राहक को बड़ी राहत, अधिवक्ता ठाकुर निश्च्य सिंह को मिली सफलता

**रायपुर।** उपभोक्ता अधिकारों की रक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण निर्णय में उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग (Consumer Disputes Redressal Commission) ने ठाकुर महेन्द्र सिंह के पक्ष में फैसला सुनाते हुए स्टार

हेल्थ इंश्योरेंस कंपनी को अस्पताल उपचार से संबंधित ?5,57,000 के बीमा दावे का भुगतान करने का निर्देश दिया है। साथ ही आयोग ने वाद व्यय (लीगल फीस) एवं मानसिक प्रताड़ना के लिए भी क्षतिपूर्ति प्रदान करने का आदेश दिया। ठाकुर महेन्द्र सिंह द्वारा अस्पताल में उपचार हेतु हुए खर्च की प्रतिपूर्ति के लिए बीमा दावा प्रस्तुत किया गया था, जिसे बीमा कंपनी द्वारा अस्वीकार कर दिया गया। इसके बाद उनके पुत्र एवं अधिवक्ता ठाकुर निश्चय सिंह ने अपने पिता की ओर से उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग (Consumer Disputes Redressal Commission) के समक्ष परिवाद प्रस्तुत किया और मामले की प्रभावी पैरवी की। मामले की सुनवाई के दौरान प्रस्तुत दस्तावेजों एवं तर्कों पर विचार करने के पश्चात उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग Consumer Disputes Redressal Commission) ने परिवादी के पक्ष में निर्णय पारित करते हुए बीमा कंपनी को ?5,57,000 की दावा राशि का भुगतान करने का निर्देश दिया। इसके अतिरिक्त मानसिक कष्ट एवं मुकदमेबाजी में हुए व्यय के लिए भी राशि प्रदान किए जाने का आदेश दिया गया। कानूनी क्षेत्र में अधिवक्ता ठाकुर निश्चय सिंह की यह सफलता विशेष रूप से चर्चा का विषय बनी हुई है। हाल के दिनों में उन्होंने अनेक दीवानी (सिविल) मामलों में प्रभावी पैरवी कर अपने मुवक्किलों को राहत दिलाई है।

## ड्रोन दीदी अभियान से कृषि क्षेत्र में तकनीक और मातृशक्ति का होगा सशक्त संगम: मुख्यमंत्री साय

**रायपुर।** कृषि क्षेत्र में आधुनिक तकनीकों के उपयोग को बढ़ावा देने तथा महिला किसानों को तकनीकी रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत 'ड्रोन दीदी अभियान' अंतर्गत महिला कृषकों का 5 सदस्यीय दल ड्रोन पायलट प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए रायपुर रवाना हुआ। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज कुनकुरी स्थित कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र परिसर से दल को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया तथा सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि कृषि क्षेत्र में तकनीक का समावेश समय की आवश्यकता है और ड्रोन तकनीक खेती-किसानी को अधिक वैज्ञानिक, प्रभावी और लाभकारी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

उन्होंने कहा कि 'ड्रोन दीदी अभियान' केवल प्रशिक्षण कार्यक्रम नहीं, बल्कि महिला सशक्तिकरण, आधुनिक कृषि और ग्रामीण आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।ुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी मातृशक्ति आज हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का परिचय दे रही है। कृषि क्षेत्र में भी महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। आधुनिक तकनीकों का प्रशिक्षण प्राप्त कर महिलाएं न केवल स्वयं आत्मनिर्भर बनेंगी, बल्कि अपने गांवों और क्षेत्रों के अन्य किसानों को भी नई तकनीकों से जोड़ने में अग्रणी भूमिका निभाएंगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि ड्रोन तकनीक के माध्यम

से फसलों पर उर्वरक एवं कीटनाशकों का छिड़काव कम समय में अधिक सटीकता और प्रभावशीलता के साथ किया जा सकता है। इससे समय, श्रम और लागत की बचत होने के साथ-साथ कृषि उत्पादन की गुणवत्ता और उत्पादकता में भी वृद्धि होती है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार कृषि को आधुनिक तकनीकों से जोड़ने और किसानों की आय बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। ड्रोन जैसी नवीन तकनीकों के उपयोग से खेती अधिक सुविधाजनक, टिकाऊ और लाभकारी बन रही है। ड्रोन दीदी अभियान के अंतर्गत महिला किसानों को ड्रोन संचालन, रखरखाव, सुरक्षा मानकों तथा कृषि कार्यों में ड्रोन के उपयोग संबंधी व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। प्रशिक्षण के बाद ये महिलाएं ड्रोन पायलट के रूप में कार्य करने के साथ-साथ अन्य किसानों को भी तकनीक आधारित कृषि पद्धतियों के उपयोग के लिए प्रेरित करेंगी। इस पहल से महिलाओं के लिए स्वरोजगार के नए अवसर सृजित होंगे तथा ग्रामीण क्षेत्रों में तकनीक आधारित कृषि सेवाओं का विस्तार होगा।

### मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने गंभीर किडनी रोगी के उपचार हेतु 3.95 लाख रुपये की सहायता राशि स्वीकृत की

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के संवेदनशील एवं जनकल्याणकारी नेतृत्व में मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना के तहत जशपुर जिले के गंभीर किडनी रोगी श्री जितेन्द्र कुमार यादव (44 वर्ष) को बड़ी राहत मिली है। मुख्यमंत्री श्री साय ने उनके उपचार एवं किडनी प्रत्यारोपण के लिए 3 लाख 95 हजार 121 रुपये की सहायता राशि स्वीकृत की है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, जशपुर निवासी श्री जितेन्द्र कुमार यादव गंभीर किडनी रोग से पीड़ित हैं और उन्हें रेनल ट्रांसप्लांट (किडनी प्रत्यारोपण) की आवश्यकता है। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण उनके परिवार को उपचार कराने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। इस बीच मरीज के परिजनों ने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के गृह निवास बगिया स्थित मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय पहुंचकर आर्थिक सहायता के लिए आवेदन प्रस्तुत किया। मामले की गंभीरता को देखते हुए मुख्यमंत्री श्री साय ने त्वरित संज्ञान लिया और मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना के अंतर्गत सहायता राशि स्वीकृत करने के निर्देश दिए।

## बांस के ट्री गार्ड निर्माण से आत्मनिर्भर बनेंगी दीदियां

### बांस के ट्री गार्ड निर्माण से आत्मनिर्भर बनेंगी दीदियां

रायपुर। बांस के उपयोग को बढ़ावा देने और इससे स्वयं सहायता समूह की महिलाओं की आय के नए साधन अर्जित करने के लिए एक नवाचार के तहत महिलाओं को बांस से ट्री गार्ड निर्माण का विशेष प्रशिक्षण देकर सक्षम बनाया जा रहा है।

सुकमा जिले के तोंगपाल में महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 14 स्व-सहायता समूहों की 53 महिलाओं को बांस से ट्री गार्ड निर्माण का विशेष प्रशिक्षण दिया गया। कलेक्टर श्री अमित कुमार के निर्देशन तथा जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री मुकुन्द ठाकुर के मार्गदर्शन में आयोजित इस प्रशिक्षण का उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़कर उनकी आय में वृद्धि करना है।

**बांस आधारित उत्पाद निर्माण की दी गई जानकारी**

प्रशिक्षण के दौरान महिलाओं को बांस से ट्री गार्ड बनाने की तकनीक, डिजाइन और गुणवत्ता संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां दी गईं। विशेषज्ञों ने बताया कि स्थानीय संसाधनों का उपयोग कर कम लागत में टिकाऊ और उपयोगी ट्री गार्ड तैयार किए जा सकते हैं।

**पौधों की सुरक्षा में निभाएंगे महत्वपूर्ण भूमिका**

प्रशिक्षण के बाद स्व-सहायता समूहों द्वारा तैयार किए जाने वाले बांस के ट्री गार्डों का उपयोग राष्ट्रीय राजमार्गों, सार्वजनिक स्थलों एवं विभिन्न पौधारोपण स्थलों पर किया जाएगा। इससे पौधों को पशुओं और अन्य संभावित नुकसान से सुरक्षा मिलेगी तथा हरित आवरण बढ़ाने के प्रयासों को मजबूती मिलेगी।

**महिलाओं को मिलेगा अतिरिक्त रोजगार और आय का अवसर**

बांस से निर्मित ट्री गार्डों की बढ़ती मांग महिलाओं के लिए आय का नया स्रोत बनेगी। इससे स्व-सहायता समूहों की सदस्याएं अतिरिक्त आय अर्जित कर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकेंगी। यह पहल ग्रामीण महिलाओं को स्वरोजगार उपलब्ध कराने के साथ उनके जीवन स्तर को बेहतर बनाने में भी सहायक होगी। यह पहल केंद्र और राज्य सरकार की महिला सशक्तिकरण एवं आजीविका संवर्धन की योजनाओं के अनुरूप है। बांस आधारित आजीविका गतिविधियों से जुड़कर महिलाएं ह्यलखपति दीदीह्व अभियान के लक्ष्य की ओर आगे बढ़ सकेंगी। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलने के साथ महिलाओं की सामाजिक और आर्थिक भागीदारी भी बढ़ेगी।

### छत्तीसगढ़ के 24 लाख से अधिक किसान परिवारों को मिली 490 करोड़ रुपये से अधिक की सहायता राशि

# पीएम नरेंद्र मोदी ने जारी की पीएम किसान सम्मान निधि की 23वीं किस्त

**रायपुर।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज पश्चिम बंगाल के हुगली जिले के तारकेश्वर से आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) योजना की 23वीं किस्त जारी करते हुए देशभर के 9.44 करोड़ से अधिक पात्र किसानों के बैंक खातों में प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से 18,880 करोड़ रुपये से अधिक की राशि अंतरित की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय जशपुर जिले के कुनकुरी स्थित स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय, सलियाटोली में आयोजित वर्चुअल कार्यक्रम में शामिल हुए और किसानों के साथ प्रधानमंत्री का संबोधन सुना।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि देश की समृद्धि का आधार किसान हैं और किसानों की उन्नति के बिना विकसित भारत की परिकल्पना साकार नहीं हो सकती। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना किसानों को आर्थिक संबल प्रदान करने के साथ-साथ कृषि क्षेत्र को मजबूत बनाने का प्रभावी माध्यम बनी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आने वाली पीढ़ियों के लिए कृषि भूमि और धरती माता का संरक्षण अत्यंत आवश्यक है। इसी उद्देश्य से देशभर में 'खेत बचाओ अभियान' संचालित किया जा रहा है। उन्होंने किसानों से इस अभियान से जुड़ने तथा अन्य किसानों को भी इसके प्रति जागरूक करने का आह्वान किया। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 23वीं किस्त के तहत छत्तीसगढ़ के 24 लाख से अधिक किसान परिवारों के खातों में 490

करोड़ रुपये से अधिक की राशि अंतरित की गई। यह सहायता खरीफ सीजन की शुरुआत में किसानों के लिए महत्वपूर्ण संबल सिद्ध होगी, जिससे उन्हें खाद, बीज एवं अन्य कृषि आदान सामग्री की समय पर उपलब्धता सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि अन्नदाता की समृद्धि ही विकसित भारत और विकसित छत्तीसगढ़ की सबसे मजबूत नींव है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में किसानों के जीवन में आर्थिक सुरक्षा, आत्मविश्वास और सम्मान का संचार हुआ है। पीएम किसान सम्मान निधि योजना किसानों को खेती-किसानी के लिए आवश्यक आर्थिक सहयोग उपलब्ध कराने वाली देश की सबसे सफल योजनाओं में से एक है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि डबल इंजन सरकार किसानों की आय बढ़ाने, कृषि को अधिक लाभकारी बनाने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। प्रदेश सरकार किसानों से 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी कर रही है तथा 21 क्विंटल प्रति एकड़ धान खरीदी की व्यवस्था लागू की गई है। इसके साथ ही किसानों को शून्य प्रतिशत ब्याज पर कृषि ऋण, कृषक उन्नति योजना सहित अनेक किसान हितैषी योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। कार्यक्रम में उपस्थित किसानों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि खरीफ सीजन के प्रारंभ में मिली यह राशि खेती की तैयारी में अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगी। किसानों ने बताया कि इस सहायता से खाद, बीज और अन्य कृषि सामग्री की खरीद में सुविधा मिलेगी तथा खेती के कार्यों को समय पर गति मिलेगी।

## उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व में दिखी भारतीय विशाल उड़न गिलहरी

रायपुर। छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व से वन्यजीव प्रेमियों और प्रकृति संरक्षण के क्षेत्र में एक उत्साहजनक खबर सामने आई है। रिजर्व क्षेत्र में दुर्लभ वन्यजीव भारतीय विशाल उड़न गिलहरी (इंडियन जायंट फ्लाइंग स्क्विरल) की मौजूदगी दर्ज की गई है। इस दुर्लभ प्रजाति का वीडियो भी कैमरे में कैद हुआ है, जिसने वन अधिकारियों, वन्यजीव विशेषज्ञों और प्रकृति प्रेमियों में उत्साह का संचार कर दिया है।

भारतीय विशाल उड़न गिलहरी अपनी अनोखी उड़ान क्षमता और निशाचर जीवनशैली के लिए जानी जाती है। यह प्रजाति पेड़ों के बीच फैली त्वचा की विशेष झिल्ली की सहायता से लंबी दूरी तक ग्लाइड कर सकती है। सामान्यत: यह घने और सुरक्षित वनों में निवास करती है,

इसलिए इसकी उपस्थिति किसी भी वन क्षेत्र की समृद्ध जैव विविधता और स्वस्थ पारिस्थितिकी तंत्र का महत्वपूर्ण संकेत मानी जाती है। उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व में इस दुर्लभ जीव का दिखाई देना इस बात का प्रमाण है कि यहां के वन क्षेत्र विभिन्न वन्यजीव प्रजातियों के लिए अनुकूल और सुरक्षित आवास प्रदान कर रहे हैं। वन विभाग द्वारा किए जा रहे संरक्षण और संवर्धन के प्रयासों का सकारात्मक परिणाम अब दुर्लभ जीवों की उपस्थिति के रूप में सामने आ रहा है।

## महत्वपूर्ण ख़बर

### जर्मनी ने 2-1 से आइवरी कोस्ट को हराया

■ स्पोर्ट्स : फीफा वर्ल्ड कप 2026 में रविवार को खेले गए एक रोमांचक मुकाबले में चार बार की विश्व चैंपियन जर्मनी ने आइवरी कोस्ट के खिलाफ 2-1 से शानदार वापसी करते हुए राउंड ऑफ 32 में अपनी जगह पक्की कर ली। टोरंटो स्टेडियम में खेले गए इस मैच में जर्मनी की जीत के हीरो रहे सुपर सब्स्टीट्यूट डेनिज उंडाव, जिन्होंने बेंच से आकर दो महत्वपूर्ण गोल दागे, जिसमें स्टॉपेज टाइम में किया गया निर्णायक गोल भी शामिल था। मैच की शुरूआत से ही जर्मनी ने आक्रामक रुख अपनाया और गेंद पर नियंत्रण बनाए रखा। शुरूआती मिनटों में ही काई हावर्ट्ज़ ने एक शानदार हेडर लगाने की कोशिश की, लेकिन उनकी कोशिश क्रॉसबार के थोड़ा ऊपर से निकल गई।इसके बाद जोशुआ किमिच के सटीक पास पर हावर्ट्ज़ ने एक और जोरदार हेडर लगाया, जिसे आइवरी कोस्ट के गोलकीपर याहिया फोफाना ने बेहतरीन बचाव करते हुए रोक दिया।

# वैभव सूर्यवंशी ने हिला डाली रिकॉर्ड बुक

## विस्फोटक बल्लेबाज कर बना डाला वर्ल्ड रिकॉर्ड

**दांबुला। वैभव सूर्यवंशी ने अपनी आंक्रामक बल्लेबाजी से धमाल मचा दिया है. श्रीलंका ए और इंडिया ए के बीच ट्राई सीरीज के फाइनल मुकाबले में वैभव सूर्यवंशी ने कई रिकॉर्ड बनाए और रिकॉर्ड बुक को हिला डाला.**

वैभव इस मुकाबले में शतक लगाने से सिर्फ 6 रनों से चूक गए लेकिन उन्होंने 94 रनों की विस्फोटक पारी खेली. आज श्रीलंका के दांबुला स्थित रांगिरी दांबुला अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम में धमाल मचाया.

**वैभव सूर्यवंशी ने रचा इतिहास**

वैभव सूर्यवंशी इस मुकाबले में पारी की शुरूआत प्रियांश आर्य के साथ करने आए. इस मुकाबले में पहली ही बॉल से वैभव सूर्यवंशी ने धमाल मचाया. वैभव ने अपनी पारी की शुरूआत ही चौका लगाकर की थी. उन्होंने 11 बॉल में 5 चौके और 5 छक्कों की मदद से 50 रन पूरे कर अर्धशतक ठोका. इसके साथ ही वैभव सूर्यवंशी सबसे तेज लिस्ट ए शतक लगाने वाले बल्लेबाजी बन गए हैं. उन्होंने श्रीलंका के वीररत्ने को पीछे छोड़ा जिनके नाम लिस्ट ए में 12 बॉल में फिफ्टी दर्ज थी.

**वैभव सूर्यवंशी ने खेली 94 रनों की पारी**

इस मुकाबले में वैभव सूर्यवंशी ने 29 बॉल का सामना किया. इस दौरन उन्होंने 10 चौके और 8 छक्के लगाए और 94 रनों की आतिशी पारी खेली. उनके पास 29 बॉल में अपना शतक पूरा कर लिस्ट ए का सबसे तेज शतक लगाने का भी मौका था लेकिन वो ऐसा नहीं कर पाए और पवेलियन लौट गए. वैभव को अरच्चिगे की बॉल पर व्यासकांथ ने मिडऑफ पर कैच किया.

**वैभव सूर्यवंशी के नाम दर्ज हुआ खास रिकॉर्ड**

इस मैच में वैभव सूर्यवंशी ने एक खास रिकॉर्ड भी अपने नाम किया. वैभव सूर्यवंशी लिस्ट ए क्रिकेट में सबसे तेज स्ट्राक रेट के साथ बल्लेबाजी करने वाले 15 साल के पहले बल्लेबाजी बन गए हैं. उन्होंने इस मुकाबले में 324.13 की विस्फोटक स्टाइक रेट के साथ शुरूआत की. इसके साथ ही उन्होंने 450 की ज्यादा की स्ट्राइक रेट के साथ अपना अर्धशतक पूरा किया.

**वैभव सूर्यवंशी ने बनाया ये शानदार रिकॉर्ड**

इस मैच में आउट होने से पहले वैभव सूर्यवंशी ने प्रियांश आर्या के साथ मिलकर पहले विकेट के लिए 53 गेंदों पर 132 रनों की साझेदारी की. ये लिस्ट ए क्रिकेट में सबसे तेज साझेदारी है. ऐसा करने वाले ये दोनों पहले बल्लेबाज बन गए हैं.

**वैभव सूर्यवंशी की लिस्ट में सबसे तेज 100 रनों की साझेदारी**

वैभव सूर्यवंशी ने प्रियांस आर्य के साथ मिलकर लिस्ट ए की सबसे तेज 100 रनों की साझेदारी कर डाली. इस मैच में 6.3 ओवर में इंडिया ए ने अपने 100 रन पूरे कर लिए. लिस्ट ए क्रिकेट में वनडे फॉर्मेट में पहली बार है जब किसी टीम ने 7 ओवर से पहले अपने 100 रन पूरे किए. इस साझेदारी में प्रियांस आर्य ने 27 और वैभव सूर्यवंशी ने 74 रनों का योगदान दिया.

## शुभमन गिल बोले

### इंग्लैंड दौरे के लिए सर्वश्रेष्ठ एकादश बनाने का प्रयास करेंगे

चेन्नई। भारत के कप्तान शुभमन गिल ने कहा कि एक जुलाई से शुरू हो रहे इंग्लैंड दौरे के लिए चयनित टीम से अपनी सर्वश्रेष्ठ एकादश बनाने का प्रयास करेंगे। अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज वनडे सीरीज में 3-0 से मिली जीत के बाद कहा, ह्लजब इतने खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हों तो यह एक अच्छा सिरदर्द होता है। इसलिए हम इंग्लैंड दौरे के लिए (पांच टी20 और तीन वनडे मैचों की सीरीज एक जुलाई से शुरू होगी) वनडे टीम को देखेंगे और अपना सर्वश्रेष्ठ एकादश चुनेंगे। हमें यह भी देखना होगा कि सभी खिलाड़ियों की फि टनेस कैसी है।अगर सभी फि ट हैं तो जैसा मैंने कहा, टीम घोषित होगी और उसके बाद हम उपलब्ध खिलाड़ियों के आधार पर सबसे मजबूत एकादश बनाने की कोशिश करेंगे।

जायसवाल भारत की वनडे की एकादश में नियमित सदस्य नहीं हैं। पिछले दिसंबर विशाखापत्तनम में उन्होंने मार्को यानसन, लुंगी एनगिडी और केशव महाराज जैसे गेंदबाजों से सजी साउथ अफ्रीका की टीम के खिलाफ नाबाद 116 रन बनाए थे, लेकिन उसके तुरंत बाद उन्हें टीम से बाहर होना पड़ा था।उस मैच में शानदार प्रदर्शन के बावजूद उनकी जगह पक्की नहीं हो सकी।शनिवार को उन्होंने एक और शतक लगाया और टीम प्रबंधन से मिले समर्थन को स्वीकार किया।जायसवाल ने कहा, ह्लमैं सिर्फ.अपनी प्रक्रिया पर ध्यान देता हूं, जो चीजें मेरे नियंत्रण में हैं उन पर फोकस करता हूं और जितनी मेहनत कर सकता हूं उतनी करता हूं।

सपोर्ट स्टाफ से मुझे पूरा सहयोग मिला है।वे मेरे लिए शानदार रहे हैं और संवाद भी बेहतरीन रहा है।मुझे पता रहता है कि क्या चल रहा है और मैं इसका पूरा आनंद ले रहा हूं।बराड़ के बारे में गिल ने कहा, ह्वउसने ज्यादातर कसौटियों पर खरा उतरने का काम किया है, लेकिन कुछ चीजें ऐसी हैं जो केवल अनुभव से सीखी जा सकती हैं। उम्मीद है कि वह एक गेंदबाज के रूप में लगातार आगे बढ़ेंगे।अगर मैं आलोचनात्मक नजर से देखूं तो उन्होंने थोड़ा ज्यादा रन दिए। लेकिन वह युवा है, शीर्ष स्तर पर अपनी पहली सीरीज खेल रहे हैं और तेज गेंदबाजी कर रहे हैं।एक लंबे और तेज युवा गेंदबाज में जो गुण हम देखना चाहते हैं, वे उनके पास हैं।अनुभव के साथ वह और बेहतर होंगे।

भारत के लिए एक और सकारात्मक पहलू बाएं हाथ के स्पिन गेंदबाज हर्ष दुबे रहे, जिन्होंने धर्मशाला और चेन्नई में स्पिन के लिए बहुत मददगार नहीं मानी जाने वाली परिस्थितियों में भी कसी हुई गेंदबाजी की।उन्हें बल्लेबाजी का मौका नहीं मिला, लेकिन गिल का मानना है कि जरूरत पड़ने पर वह बल्ले से भी योगदान दे सकते हैं।दुबे के नाम प्रथम श्रेणी क्रिकेट में नौ अर्धशतक और घरेलू स्तर पर सीमित ओवर के क्रिकेट में तीन अर्धशतक हैं।

# जायसवाल का नाबाद शतक, भारत ने 3-0 से जीती सीरीज

**चेन्नई-तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा (23 रन पर पांच विकेट) के पंजे और यशस्वी जायसवाल (नाबाद 110) तथा रोहित शर्मा (79) के साथ उनकी 170 रन की ओपनिंग साझेदारी की बदौलत भारत ने तीसरा और आखिरी वनडे शनिवार को नौ विकेट से जीतकर अफगानिस्तान का 3-0 से सूपड़ा साफ कर दिया।**

भारत ने अफगानिस्तान को 44.2 ओवर में 218 रन पर समेटने के बाद 28.4 ओवर में एक विकेट पर 224 रन बनाकर एकतरफा जीत हासिल की। चेज करते हुए भारत को पहले ओवर में ही 23 रन मिल गए थे जिसने टोन सेट करने का काम किया। रोहित ने 47 गेंदों में अपना 62वां अर्धशतक पूरा किया और फिर तेजी से रन बटोरने लगे। यशस्वी ने शुरूआत में ही आक्रमण किया और केवल 37 गेंदों में पचासा पूरा कर लिया था। रोहित तो अपने शतक के करीब नहीं जा पाए, लेकिन जायसवाल ने बिना कोई गलती करते हुए दूसरा वनडे शतक जड़ा। जायसवाल ने 86 गेंदों पर नाबाद 110 रन की पारी में 13 चौके और तीन छक्के लगाए। उन्होंने विजयी छक्का भी मारा। रोहित ने 69 गेंदों पर 79 रन में नौ चौके और तीन छक्के लगाए। श्रेयस अय्यर दो छक्कों की मदद से 20 रन बनाकर नाबाद रहे।

अफगानिस्तान के टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला करने के बाद कृष्णा ने घातक गेंदबाजी से अफगान टीम को झकझोर दिया। कृष्णा ने 36 रन तक जाते-जाते अफगानिस्तान के चार विकेट चटका दिए। कृष्णा ने शतक बना चुके हशमतउल्लाह शाहिदी को आउट कर अपना पांचवां विकेट लिया और अफगानिस्तान की पारी समेट दी। दो हाफ वाली पारी रही अफगानिस्तान की। पहले चार विकेट काफी जल्दी गिरे और टीम दबाव में आ गई।इसके बाद अजमत और हशमत की शतकीय साझेदारी ने उनकी जबरदस्त वापसी कराई और रन रेट भी 5 के ऊपर चला गया था। हालांकि, अजमत के आउट होने के बाद रनों की गति धीमी पड़ गई। भारतीय गेंदबाजों ने लगातार हशमत को शॉर्ट गेंदों से टार्गेट किया जिस पर अधिकतम समय वह डक करते दिखे। हशमत की पारी काफी धीमी रही जिसमें उन्होंने काफी डॉट गेंद खेली, लेकिन शायद उनके शतक के कारण ही टीम 45वें ओवर तक खेली और 200 का आंकड़ा पार कर सकी। प्रसिद्ध ने पावरप्ले में चार विकेट निकालने के बाद पारी का अंत किया और फिर पंजा खोलते हुए पारी का अंत किया। 36/4 से 218 का टोटल। यह अफगानिस्तान के कैप्टन के दिखाए गए साहस की बदौलत ही संभव हो पाया, जिन्होंने अपना पहला वनडे शतक बनाया। उन्होंने 131 गेंदों की अपनी शतकीय पारी में 13 चौके और एक छक्का लगाया। अजमतुल्लाह उमरजई (50) के साथ उनकी 105 रन की पार्टनरशिप ने असल में इनिंग्स को वापस पटरी पर ला दिया, लेकिन पारी फिर से बिखर गई, आखिरी पाँच विकेट सिर्फ. 20 रन पर खो दिए। इंडिया के लिए प्रसिद्ध कृष्णा ने शानदार परफॉर्मेंस दी, जिन्होंने अपने पहले पाँच ओवर में चार विकेट लिए। यह तेज बॉलिंग का एक शानदार प्रदर्शन था, एक ऐसी पिच पर जिसमें काफी पेस और बाउंस था, साथ ही शुरूआत में कुछ लैटरल मूवमेंट भी था।

### टीम इंडिया को बड़ा झटका: हार्दिक पंड्या इंग्लैंड दौरे से बाहर, विराट कोहली की फिटनेस पर भी सवाल

नई दिल्ली। इंग्लैंड के खिलाफ आगामी लिमिटेड ओवरों की सीरीज से पहले टीम इंडिया को एक बड़ा झटका लगा है। भारत के प्रमुख ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या चोटिल होने के कारण इस महत्वपूर्ण दौरे से बाहर हो गए हैं।इसके अलावा, टीम के सबसे अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली की फिटनेस को लेकर भी अनिश्चितता बनी हुई है, जिसने चयनकताओं और टीम प्रबंधन की चिंताएं बढ़ा दी हैं। हार्दिक की अनुपस्थिति निश्चित रूप से टीम के संतुलन को प्रभावित करेगी, विशेष रूप से ऐसे समय में जब टीम एक व्यस्त अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम का सामना कर रही है।

हार्दिक पंड्या हाल ही में अफगानिस्तान के खिलाफ तीन वनडे मैचों की सीरीज में भी नहीं खेल पाए थे, जो उनकी चोट की गंभीरता को दशार्ता है।उन्हें यह चोट आईपीएल 2026 में मुंबई इंडियंस के लिए खेलते हुए लगी थी।

## कारोबार

# सन फार्मा करेगी इनोवकेयर लाइफसाइंसेज का अधिग्रहण

मुंबई। दवा बनाने वाली देश की अग्रणी कंपनी सन फार्मा इसी क्षेत्र की भारतीय कंपनी इनोवकेयर लाइफसाइंसेज का शत-प्रतिशत अधिग्रहण करेगी। सन फार्मा ने शनिवार को शेयर बाजार को बताया कि इस सौदे के लिए दोनों कंपनियों के बीच हुए करार के अनुसार, इनोवकेयर लाइफसाइंसेज के अधिग्रहण के लिए वह 271.2 करोड़ रुपये का नकद भुगतान करेगी। अधिग्रहण प्रक्रिया इस साल 31 जुलाई तक पूरी होने की उम्मीद है। इनोवकेयर लाइफसाइंसेज की स्थापना 21 जुलाई 2014 में हुई थी। वित्त वर्ष 2025-26 में उसने 94.06 करोड़ रुपए का कारोबार किया था।

# सेबी बोर्ड का बड़ा फैसला: बायबैक नियमों में बदलाव, म्यूचुअल फंड बॉरोइंग नॉर्म्स में मिलेगी राहत

मुम्बई। मार्केट रेगुलेटर Securities and Exchange Board of India (SEBI) के बोर्ड ने शुक्रवार 19 जून को कई बड़े प्रस्तावों को मंजूरी दी. इनमें स्टॉक एक्सचेंजों के जरिए ओपन मार्केट शेयर बायबैक की दोबारा शुरूआत, म्यूचुअल फंड्स के लिए इंट्राडे बॉरोइंग नॉर्म्स में राहत और निवेशक की मृत्यु के बाद सिक्योरिटीज ट्रांसफर प्रोसेस को आसान बनाना शामिल है.

**ओपन मार्केट बायबैक की वापसी**

रएइक्के मुताबिक, ऐसे बायबैक खुलने की तारीख से 66 वर्किंग डेज के भीतर पूरे करने होंगे, जिसमें निर्धारित फंड का कम से कम 40% हिस्सा बायबैक पीरियड के पहले हाफ में इस्तेमाल करना होगा. इसके अलावा यह कंपनियों को बिना किसी डेडिकेटेड बायबैक विंडो के सीधे रेगुलर ट्रेडिंग मैकेनिज्म के जरिए रीपरचेज करने की अनुमति देता है.

बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि इस बायबैक मेथड की वापसी कंपनियों को बायबैक करने का एक अतिरिक्त माध्यम देगी, साथ ही पब्लिक शेयरहोल्डर्स के लिए समान अवसर और टैक्स ट्रीटमेंट भी सुनिश्चित करेगी. रएइकचेयरमैन तुहिन कांता पांडे ने बोर्ड मीटिंग के बाद पत्रकारों से कहा कि बायबैक पर लागू संशोधित टैक्सेशन फ्रेमवर्क को ध्यान में रखते हुए, स्टॉक एक्सचेंज के जरिए ओपन मार्केट बायबैक 1 अगस्त 2026 से दोबारा शुरू किया जा रहा है ताकि कंपनी के पास बायबैक करने का एक अतिरिक्त रास्ता हो.

रएइक चेयरमैन के मुताबिक, बोर्ड ने म्यूचुअल फंड्स को रोजाना की लिक्विडिटी मिसमैच मैनेज करने के लिए इंट्राडे बॉरोइंग की सुविधा देने हेतु म्युचुअल फंड्स रेगुलेशन, 2026 में संशोधन को मंजूरी दी है. इस संशोधन से म्यूचुअल फंड्स कुछ सेफगार्ड्स के साथ एसेट क्लासेज के भीतर पे-इन/पेआउट सेटलमेंट टाइमिंग, फॉरेक्स सेटलमेंट और डेरिवेटिव पोजीशंस के मार्क-टू-मार्केट पेमेंट्स जैसी अड़चनों को पाटने के लिए इंट्राडे बॉरोइंग का इस्तेमाल कर पाएंगे. इसके अलावा रेगुलेटर के बोर्ड ने एग्रीकल्चरल कमोडिटी डेरिवेटिव्स ट्रेडिंग को फिर से जिंदा करने के उद्देश्य से कुछ उपायों को भी मंजूरी दी है.

### म्यूचुअल फंड्स के लिए बॉरोइंग नॉर्म्स में राहत

इस फैसले का मकसद एसेट मैनेजमेंट कंपनियों को आउटफ्लो और रिसीवेबल्स के बीच टाइमिंग मिसमैच की वजह से होने वाली ऑपरेशनल चुनौतियों को दूर करना है. फिलहाल इंट्राडे बॉरोइंग म्यूचुअल फंड स्कीम्स के लिए एक अहम कैश-फ्लो मैनेजमेंट टूल का काम करती है, जो फंड मैनेजर्स को पेआउट ऑब्लिगेशन और सेटलमेंट रिक्वायरमेंट को कुशलता से पूरा करने में मदद करती है.

# पावर मेक प्रोजेक्ट्स लिमिटेड को 1,008.90 करोड़ का बड़ा ऑर्डर

**मुंबई : पावर मेक प्रोजेक्ट्स लिमिटेड को 1,008.90 करोड़ रुपये का एक बड़ा नया ऑर्डर मिला है, जिससे कंपनी के कारोबार और भविष्य की कमाई की संभावनाओं को महत्वपूर्ण बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।**

यह ऑर्डर कंपनी के लिए एक अहम उपलब्धि माना जा रहा है, जो उसके विस्तार और बाजार में स्थिति को और मजबूत करेगा। कंपनी ने 20 जून को स्टॉक एक्सचेंजों को रेगुलेटरी फाइलिंग के माध्यम से इस ऑर्डर की जानकारी दी। इस सूचना के सामने आने के बाद निवेशकों और बाजार विशेषज्ञों की नजरें कंपनी के प्रदर्शन पर टिकी हुई हैं, क्योंकि इस ऑर्डर से इसके ऑर्डर बुक में उल्लेखनीय बढ़ोतरी होने की संभावना है।

जानकारी के अनुसार, इस नए ऑर्डर से कंपनी को भारत के तेजी से बढ़ते पावर इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर में अपनी मौजूदगी और मजबूत करने का अवसर मिलेगा। देश में बिजली उत्पादन, ट्रांसमिशन और संबंधित इंफ्रास्ट्रक्चर के विस्तार के चलते इस क्षेत्र में लगातार नए प्रोजेक्ट्स सामने आ रहे हैं, जिनका लाभ पावर मेक जैसी कंपनियों को मिल रहा है।

विशेषज्ञों का मानना है कि इस प्रकार के बड़े ऑर्डर न केवल कंपनी की वित्तीय स्थिति को मजबूत करते हैं, बल्कि भविष्य में स्थिर राजस्व प्रवाह की संभावना भी बढ़ाते हैं। इससे कंपनी की परियोजना निष्पादन क्षमता और बाजार में उसकी विश्वसनीयता भी बेहतर होती है। पावर मेक प्रोजेक्ट्स लिमिटेड लंबे समय से पावर सेक्टर से जुड़ी विभिन्न परियोजनाओं में सक्रिय भूमिका निभा रही है। कंपनी का फोकस बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स के निष्पादन पर रहा है, और यह नया ऑर्डर उसकी इसी रणनीति को आगे बढ़ाने में सहायक साबित हो सकता है। बाजार विश्लेषकों का कहना है कि भारत में ऊर्जा की बढ़ती मांग और सरकार द्वारा इंफ्रास्ट्रक्चर पर बढ़ते निवेश के कारण इस क्षेत्र में कंपनियों के लिए अवसर लगातार बढ़ रहे हैं। ऐसे में पावर मेक जैसे खिलाड़ियों के लिए यह ऑर्डर भविष्य के विस्तार का संकेत माना जा रहा है।

# ईरान-अमेरिका शांति से बाजार में बंपर उछाल, पर आईटी शेयरों ने लगाम कसी

मुंबई। बीता सप्ताह भारतीय शेयर बाजार के लिए उतार-चढ़ाव भरा लेकिन अंततः महत्वपूर्ण रहा। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कम होने और शांति समझौते की सहमति की खबरों ने बाजार में जबरदस्त उत्साह भर दिया, जिससे प्रमुख सूचकांकों ने कई नए रिकॉर्ड बनाए। हालांकि, सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन वैश्विक प्रौद्योगिकी क्षेत्र से मिली नकारात्मक खबर के कारण बाजार में गिरावट दर्ज की गई, जिससे पांच दिनों की लगातार तेजी पर ब्रेक लग गया। सप्ताह की शुरूआत शानदार रही, जब सोमवार को ईरान और अमेरिका के बीच जंग रोकने को लेकर बनी सहमति की खबर ने बाजार में जोश भर दिया। सेंसेक्स 1000 अंकों से अधिक की तेजी के साथ खुला और 736 अंकों की उछाल के साथ 76,000 के पार बंद हुआ, जबकि निफ्टी 231 अंकों की बढ़त दर्ज की। कच्चे तेल की कीमतों में

गिरावट ने निवेशकों का भरोसा और मजबूत किया। मंगलवार को भी यह सिलसिला जारी रहा, जहां टेक्नोलॉजी और घरेलू मांग वाले सेक्टर्स में खरीदारी के दम पर सेंसेक्स 544 अंकों की मजबूत छलांग लगाकर 76,808 के ऐतिहासिक स्तर पर बंद हुआ और निफ्टी 23,989 के पार पहुंच गया। बुधवार को बाजार सपाट खुला, लेकिन अमेरिका-ईरान शांति समझौते पर शुक्रवार को हस्ताक्षर होने की खबर ने सकारात्मकता बनाए रखी। गुरुवार को शुरूआती नरमी के बावजूद, बाजार ने मजबूत वापसी करते हुए लगातार पांचवें दिन बढ़त दर्ज की। सेंसेक्स 254 अंकों की शानदार तेजी के साथ 77,409 के एक और ऐतिहासिक स्तर पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 82 अंकों की बढ़त के साथ 24,168 के पार निकल गया। यह सप्ताह भर की तेजी का चरम था। हालांकि, शुक्रवार को बाजार की किस्मत पलटी। आईटी कंपनियों में भारी बिकवाली, खासकर एक्सेंचर के राजस्व वृद्धि अनुमानों में कटौती के बाद, निवेशकों में निराशा छा गई। सुबह बाजार खुलते ही सेंसेक्स 786 अंक और निफ्टी 210 अंक धड़ाम हो गए। अंततः, शुक्रवार को सेंसेक्स 607 अंक गिरकर 76,802 के स्तर पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 154 अंक फिसलकर 24,013 पर आ गया। एचडीएफसी बैंक और महिंद्रा एंड महिंद्रा जैसे बड़े शेयरों में भी 2 फीसदी तक की गिरावट दर्ज की गई।

## महत्वपूर्ण ख़बर

### निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और समय-सीमा का रखें ध्यान

■ भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और केंद्रीय मंत्री श्री मनोहर लाल ने सिंहस्थ : 2028 में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए शनि मंदिर त्रिवेणी क्षेत्र में 778 करोड़ रुपए राशि की लागत से किए जा रहे 29.15 किमी लंबे नवीन घाट निर्माण कार्य की प्रगति का अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने घाट निर्माण कार्य की प्रगति की समीक्षा कर अधिकारियों को कार्य की गुणवत्ता और समय-सीमा का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सिंहस्थ : 2028 को भव्य, दिव्य और सुव्यवस्थित बनाने के लिए राज्य सरकार लगातार कार्य कर रही है। इससे देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं का सिंहस्थ अनुभव सनातन संस्कृति के वैभव के अनुरूप हो।

### इंदौर पुलिस ने 48 घंटे में चोरी का किया खुलासा

■ भोपाल। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा प्रदेशभर में संपत्ति संबंधी अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण तथा अपराधियों के विरुद्ध लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी कार्रवाई के तहत इंदौर पुलिस को बड़ी सफलता प्राप्त हुई है। पुलिस थाना लसूड़िया की टीम ने कार शोरूम में हुई लगभग 2 करोड़ 50 लाख रुपये की सनसनीखेज चोरी का मात्र 48 घंटे के भीतर खुलासा करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर चोरी गई संपूर्ण संपत्ति बरामद किया है। 17 जून को इंदौर स्थित पटेल मोटर्स मारुति कार शोरूम के ऑपरेशन मैनेजर श्री सुरेन्द्र चौधरी द्वारा थाना लसूड़िया में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी कि शोरूम के केबिन में रखे एप्पल आईफोन, सोने के आभूषण तथा चांदी के सिक्के अज्ञात व्यक्ति द्वारा चोरी कर लिए गए हैं।

# प्रकृति हमारी मां है, इसे रासायनिक उर्वरकों से बचाएं, प्राकृतिक खेती अपनाएंः प्रधानमंत्री

## मध्यप्रदेश प्राकृतिक खेती अपनाने वाले राज्यों में है सबसे अव्वल : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

**भोपाल। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि प्रकृति हमारी माता है और हम सब इसकी संतान। अपनी धरती माता को हमें रासायनिक उर्वरकों और हानिकारक कीटनाशकों से बचाना है। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती का पहला लक्ष्य मिट्टी में जैविक गतिविधियों को बढ़ाना है। यह खेती मिट्टी में केंचुए और सूक्ष्म जीव पोषक तत्वों की उपलब्धता बढ़ाती है। इससे भूमि की उर्वरता लंबे समय तक बनी रहती है। स्वस्थ मिट्टी ही समृद्ध कृषि की आधारशिला है।**

उन्होंने कहा कि किसान भाई अधिक से अधिक प्राकृतिक और जैविक खेती अपनाएं। इससे हमारी धरती माता की सेहत भी बनी रहेगी और इससे उपजे अनाज के पोषण से हम सब भी स्वस्थ रहेंगे। प्रधानमंत्री श्री मोदी शनिवार को पश्चिम बंगाल से पीएम किसान सम्मान निधि के अंतरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा पश्चिम बंगाल के हुगली स्थित तारकेश्वर से देश के 9.40 करोड़ से अधिक किसानों को पीएम किसान सम्मान निधि की 23वीं किश्त के रूप में कुल 18 हजार 880 करोड़ रुपए पात्र किसानों के खातों में अंतरित किए। कार्यक्रम से प्रदेश के 81 लाख से अधिक किसानों को पीएम किसान सम्मान निधि के रूप में 1640 करोड़ रुपए प्राप्त हुए हैं।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने पीएम किसान सम्मान निधि के सभी लाभार्थियों से अपील करते हुए कहा कि हमें धरती माता को बचाना है। हमें अपने बच्चों को बंजर जमीन नहीं देनी है। भारत सरकार खेत बचाओ अभियान चला रही है। हमें प्राकृतिक खेती अपनाकर रासायनिक खाद और कीटनाशकों का उपयोग कम से कम करना है। देशभर के किसान खेत बचाओ अभियान से जुड़ें, दूसरों को भी प्रेरित करें और खेतों की मिट्टी की जांच करवाएं। हम सभी मिलकर धरती मां की रक्षा करें। हम केमिकल से धरती मां को नहीं मार सकते हैं। हमें उसे बचाना ही होगा। केंद्र सरकार ने विकसित भारत @2047 का संकल्प लिया है, इसमें देशवासियों का सहयोग बेहद जरूरी है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने देश के किसानों से कहा कि जिस तरह प्राकृतिक खेती से मिट्टी की उर्वरता बनी रहती है, उसी तरह योग करने से हमारा तन-मन स्वस्थ रहता है। प्रधानमंत्री ने सभी को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (21 जून) की अग्रिम बधाई देते हुए कहा कि सभी देशवासी योग करें, क्योंकि योग ही स्वस्थ जीवन की कुंजी है।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की शुरूआत फरवरी 2019 में हुई थी। इसके तहत हर साल छह हजार रुपए, दो-दो हजार की तीन समान किश्तों में किसान भाईयों को दिए जाते हैं। अब तक प्रदेश के किसान भाईयों को 22 किश्तों में 33 हजार 800 करोड़ रुपए मिल चुके हैं। शनिवार को 23वीं किश्त का अंतरण किया गया। पश्चिम बंगाल में हुए इस कार्यक्रम का देशभर में सीधा प्रसारण किया गया।

**प्रधानमंत्री के नेतृत्व में साकार होते देख रहे है रामराज्य की संकल्पना**

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शनिवार को बरखेड़ीकला स्थित राज्य कृषि विस्तार एवं प्रशिक्षण संस्थान (सिपेट) में 'प्राकृतिक खेती कार्यशाला सह कृषक संगोष्ठी' में पहुंचकर प्रधानमंत्री श्री मोदी के संपूर्ण संबोधन का श्रवण किया। मुख्यमंत्री ने संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हम रामराज्य की संकल्पना को साकार होते देख रहे हैं। प्रधानमंत्री ने गांव, गरीब, अन्नदाता किसान, युवा और नारी सहित सभी वर्गों के कल्याण से विश्व में भारत की अलग ही पहचान बनाई है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने मध्यप्रदेश को दो-दो नदी जोड़ो परियोजनाओं की सौगात दी है। इससे प्रदेश के किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी मिलेगा और उनके सूखे खेतों में फसलें लहलहाएंगी। आज देश के हर गांव-कस्बे तक बिजली, पानी, सड़क जैसी बुनियादी सुविधाओं का जाल बिछ रहा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने ही देश के किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि देने की योजना प्रारंभ की है। यह हमारे अन्नदाता के अथक परिश्रम का सम्मान है। मध्यप्रदेश सरकार भी किसानों की आय बढ़ाने के लिए कृषक कल्याण वर्ष मना रही है। हम किसानों के कल्याण के लिए हर जरूरी कदम उठा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने पीएम किसान सम्मान निधि पाने वाले प्रदेश के सभी किसानों को बधाई दी और प्राकृतिक खेती अपनाने की अपील की। इस अवसर पर विधायक श्री रामेश्वर शर्मा, जनप्रतिनिधि श्री रविन्द्र यति, अपर मुख्य सचिव एवं कृषि उत्पादन आयुक्त श्री अशोक बर्णवाल, आयुक्त श्रीमती अनुभा श्रीवास्तव, कलेक्टर भोपाल श्री प्रियंक मिश्रा सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में किसान बंधु उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि फसलों में कीटनाशक और रासायनिक खाद का उपयोग नुकसानदेह है। इससे कैंसर जैसी कई घातक बीमारियां जन्म लेती हैं। सरकार ने किसानों को पुनः प्राकृतिक खेती से जोड़ने के लिए पहल की है, इसके सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। आज हमारा मध्यप्रदेश देश में सर्वाधिक प्राकृतिक खेती करने वाला राज्यों में अव्वल स्थान पर है। प्राकृतिक खेती की उपज को उचित दाम दिलवाने के लिए राज्य सरकार संकल्पित है। हमारी प्राकृतिक खेती से दुनिया लाभान्वित हों, इसी भाव से कार्य करते हुए प्रदेश में तेजी से गोशालाओं का विस्तार किया जा रहा है। हमारी गौमाता प्राकृतिक खेती में सबसे अधिक मददगार प्राणी है। किसान गोबर और गौमूत्र से खाद बनाकर खेतों में डालें, इसी उद्देश्य से गौपालक किसानों को हमारी सरकार हर महीने 1100 रुपए प्रति गाय की दर से आर्थिक सहायता दे रही है। गौ-आधारित कृषि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूत करती है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसानों को उपज का सही दाम मिले, इसके लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। पहले सोयाबीन पर भावांतर योजना के माध्यम लाभ दिया, उसके बाद न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर 40 रुपए प्रति क्विंटल बोनस देकर किसानों से गेहूं उपार्जित किया। राज्य सरकार ने किसानों से गेहूं का एक-एक दाना खरीदकर उन्हें प्रति क्विंटल 2625 रुपए भुगतान किया है। हमारी सरकार प्राकृतिक खेती के जरिए किसानों की आय बढ़ाने के लिए प्रयास कर रही है। इससे धरती माता की उर्वरा शक्ति भी बढ़ेगी और विदेशी रासायनिक खाद पर निर्भरता भी घटेगी। प्रदेश के नागरिकों को प्राकृतिक तरीके से उगाए देसी ज्वार, बाजरा और गेहूं-चना का स्वाद मिलेगा। किसानों को दूध उत्पादन से भी जोड़ा जा रहा है। इसका दोहरा लाभ आय बढ़ाने के साथ-साथ प्राकृतिक खाद निर्माण में भी मिलेगा।

### प्रदेश में प्राकृतिक खेती

*मध्यप्रदेश देश का अग्रणी कृषि राज्य है। गेहूं, सोयाबीन और दलहन उत्पादन में प्रदेश की महत्वपूर्ण भूमिका है। मध्यप्रदेश प्राकृतिक खेती में भी तेजी से आगे बढ़ रहा है। प्रदेश में 3 लाख एकड़ में जैविक/प्राकृतिक खेती की जा रही है। प्रदेश के 56 कृषि विज्ञान केंद्र और कृषि महाविद्यालयों द्वारा प्राकृतिक खेती के लिए तकनीकी मदद और प्रशिक्षण किसानों को दिए जा रहे हैं। सरकार प्रदेश में एक हजार से अधिक बॉयो रिसर्च सेंटर बना रही है। ये सेंटर प्राकृतिक खेती में किसानों की मदद करेंगे। प्राकृतिक खेती के उत्पादों की मांग लगातार बढ़ रही है। देश और विदेश में इनके लिए विशेष बाजार विकसित हो रहे हैं। ब्रांडिंग और प्रमाणन से किसानों को अधिक मूल्य मिलता है। यह आय वृद्धि का बड़ा अवसर है। किसानों की मदद के लिए 3 हजार से ज्यादा कृषि सखी, 200 से अधिक कृषि वैज्ञानिकों को भी प्रशिक्षित किया गया है। सरकार का लक्ष्य है कि किसानों की आय बढ़े, लागत घटे और भूमि भी स्वस्थ बने। हर गांव प्राकृतिक खेती का केंद्र बने। समृद्ध मध्यप्रदेश के निर्माण के लिए सरकार इसी संकल्प के साथ आगे बढ़ रही है।*

## भगिनी निवेदिता बालिका छात्रावास में छात्राओं से की आत्मीय भेंट

# इंजीनियर-डॉक्टर बनकर देश का नाम रोशन करें : राज्यपाल

भोपाल। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने शनिवार को जबलपुर में शास्त्री ब्रिज स्थित नरसिंह मंदिर परिसर में संचालित भगिनी निवेदिता बालिका छात्रावास पहुंचकर जनजाति छात्राओं से आत्मीय भेंट की और परिसर में पौधरोपण किया। उन्होंने छात्राओं को मन लगाकर पढ़ाई करने, इंजीनियर और डॉक्टर बनकर देश का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया।

राज्यपाल श्री पटेल के आगमन पर छात्राओं तथा विद्या भारती के क्षेत्रीय संगठन मंत्री श्री अखिलेश मिश्रा एवं प्रादेशिक सचिव डॉ. सुधीर अग्रवाल ने शाल एवं पुष्प भेंटकर उनका स्वागत किया। राज्यपाल श्री पटेल ने छात्रावास के कमरों का भ्रमण किया तथा बालिकाओं से संवाद किया और उन्हें पढ़ाई के प्रति गंभीर रहने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने छात्राओं से उनके परिवार और पढ़ाई-लिखाई के बारे में भी आत्मीयता से जानकारी प्राप्त की।

छात्राओं से बातचीत में राज्यपाल ने कहा कि उनकी भी तीन बेटियां हैं और उनकी नातिन कंप्यूटर इंजीनियर है। उन्होंने छात्राओं से कहा कि आप सभी इंजीनियरिंग की छात्राएं हैं, इसलिए पूरी लगन और मेहनत से अध्ययन करें, डॉक्टर और इंजीनियर बनें तथा देश का नाम रोशन करें। उन्होंने यह भी कहा कि विद्या भारती जैसे संस्थान में पढ़ना सौभाग्य की बात है। राज्यपाल ने शिक्षकों से भी मुलाकात कर छात्राओं की पढ़ाई और छात्रावास की व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने अखिल भारतीय बालिका शिक्षा प्रमुख रेखा चूड़ासमा के कार्यों की सराहना भी की।

कार्यक्रम में आयुक्त श्री धनंजय सिंह, आईजी प्रमोद वर्मा, विद्या भारती के क्षेत्रीय संगठन मंत्री श्री अखिलेश मिश्रा, प्रादेशिक सचिव डॉ. सुधीर अग्रवाल, संगठन मंत्री श्री अमित दवे, श्री विष्णुकांत ठाकुर, श्री ईश्वर पटेल, श्री हरिराम तिवारी, श्री विवेक चौधरी, श्री कमलेश अग्रेही मंजू दीदी सहित बड़ी संख्या में छात्राएं और शिक्षकगण उपस्थित रहे।

# गुना पंचकल्याणक में ऐतिहासिक क्षण, दो दीक्षार्थियों को मिली जैनेश्वरी दीक्षा

**गुना। स्थानीय बी.जी. रोड स्थित नसिया जी में मुनि पुंगव सुधासागर जी महाराज के ससंघ सानिध्य में चल रहे ऐतिहासिक पंच महाकल्याणक महोत्सव के दौरान गुना नगरी ने एक और स्वर्णिम अध्याय लिख दिया।**

महोत्सव के दौरान न केवल तीर्थंकर बालक के दीक्षा कल्याणक का मंचन हुआ, बल्कि साक्षात दो दीक्षार्थियों ने मुनि सुधासागर जी महाराज के हाथों जैनेश्वरी दीक्षा अंगीकार कर संसार की क्षणभंगुरता को त्याग दिया। इस अद्भुत और विहंगम दृश्य का साक्षी समूचा गुना शहर बना, जिससे जैन समाज सहित पूरे अंचल में उत्साह और भक्ति का माहौल चरम पर पहुँच गया। चूंकि पूर्व में इस दीक्षा की अधिकृत घोषणा नहीं हुई थी, इसलिए संकेत मिलते ही समाज जन और आयोजन समिति बेहद सक्रिय हो गई और दीक्षा पूर्व की मांगलिक रस्मों को युद्धस्तर पर और बेहद भव्यता के साथ पूरा किया गया। इसी क्रम में दोपहर के सत्र में संपूर्ण जैन समाज की मौजूदगी में दोनों दीक्षार्थियों की भावभीनी गोद भराई की रस्म अदा की गई। इसके बाद उनकी भव्य बिनौली यात्रा (विदाई जुलूस) निकालने की व्यापक तैयारियाँ की गईं, हालांकि इस दौरान मौसम बदलने और बारिश की स्थिति बनने के कारण व्यवस्थाओं में कुछ तात्कालिक बदलाव भी करने पड़े। लेकिन श्रद्धालुओं के उत्साह में कोई कमी नहीं देखी गई।

### अचानक बनी दीक्षा की भूमिका, आनंदमय माहौल में हुई रस्में

इस दीक्षा महोत्सव की पृष्ठभूमि अचानक और बेहद आध्यात्मिक माहौल में तैयार हुई। नसिया जी में चल रहे ऐतिहासिक कार्यक्रम के समानांतर, आयोजन स्थल पर पहले से मौजूद दो वरिष्ठ ब्रह्मचारियों द्वारा केश लोचन (हाथों से बाल उखाड़ने की जैन क्रिया) की वैराग्यमयी क्रिया संपन्न की गई थी। केश लोचन के तुरंत बाद ही मुनि सुधासागर जी महाराज द्वारा इन दोनों दीक्षार्थियों को दीक्षा दिए जाने के संकेत मिले।

## मुख्यमंत्री डॉ. यादव दूरदर्शी सोच रखने वाले मुख्यमंत्री : केन्द्रीय मंत्री श्री मनोहर लाल

# उज्जैन-सांवेर-इंदौर क्षेत्र के विकास का नया पर्याय बनेगा फोरलेन ग्रीन फील्ड कॉरीडोर : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि इंदौर, उज्जैन और सांवेर सहित अन्य शहरों को 5 हजार 657 करोड़ रुपए के विकास कार्यों की सौगात मिली है। यह प्रदेश की जनता के लिए ऐतिहासिक क्षण है। इंदौर के पितृेश्वर महादेव से बाबा महाकल तक आने के लिए सीधी सड़क का भूमि-पूजन हुआ है। यह परियोजना पीथमपुर को निमाड़ क्षेत्र में आगे दिल्ली-मुंबई इकोनॉमिक कॉरिडोर से जोड़ेगा और क्षेत्र के लिए आर्थिक समृद्धि का अहम मार्ग बनेगा। राज्य सरकार ने किसानों की मांग पर इसकी ऊंचाई कम की है, जिससे किसानों को भी आवागमन में लाभ मिलेगा। प्राचीन काल में इस मार्ग से वर्षभर साधु-संत और श्रद्धालु पैदल यात्रा करते थे। ग्रीन फील्ड कॉरीडोर उज्जैन-सांवेर-इंदौर क्षेत्र के विकास का नया पर्याय बनेगा। यह परियोजना सिंहस्थ के दृष्टिगत प्रदेश को बड़ी सौगात है। करीब 48 किलोमीटर लंबे इस फोरलेन ग्रीन फील्ड कॉरिडोर का निर्माण लगभग 2 हजार 935 करोड़ रुपये की लागत से किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने केन्द्रीय शहरी विकास एवं आवास मंत्री श्री खट्टर के साथ सांवेर विधानसभा क्षेत्र के चंद्रावतीगंज में शनिवार को इंदौर-उज्जैन ग्रीन फील्ड कॉरीडोर का भूमि-पूजन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव और केंद्रीय मंत्री श्री मनोहर लाल ने विभिन्न योजना के हितग्राहियों को हितलाभ और सड़क सुरक्षा के मद्देनजर हेलमेट वितरित किए।

**हेलमेट सुरक्षा अभियान**

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में दोपहिया वाहन चालकों का जीवन सुरक्षित रखने के लिए राज्य सरकार ने हेलमेट सुरक्षा अभियान आरंभ किया है। सड़क हादसों के समय हेलमेट लोगों की जान बचाने में ईश्वरीय भूमिका निभाता है। इसी क्रम में इंदौर प्रशासन द्वारा आज हेलमेट वितरण किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव और केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य मंत्री श्री मनोहर लाल ने प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अंतर्गत 42 हजार से अधिक हितग्राहियों को 2 हजार 548 करोड़ रुपये से अधिक आवासों का भूमि-पूजन किया और प्रदेश में 992 करोड़ से निर्मित 38 हजार आवासों में गृह-प्रवेश कराया गया। इसके साथ ही 446 करोड़ की लागत से 116 परियोजनाओं का लोकार्पण एवं 310.82 करोड़ की 37 परियोजनाओं का भूमि-पूजन भी किया। क्षेत्र के 20 हजार छोटे व्यापारियों को स्वनिधि योजना अंतर्गत 51 करोड़ रूपए राशि जारी की गई। कार्यक्रम में अमृत 2.0 योजना के अंतर्गत सीवर और जल निकासी की परियोजनाओं का लोकार्पण हुआ और फायर ब्रिगेड के 36 स्टेशनों के लिये वाहन और उपकरण उपलब्ध कराए गए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सनातन संस्कृति में गौमाता पूज्य है, यह हमें अपनी संस्कृति पर गर्व का अवसर देती है। राज्य सरकार ने वृंदावन गांव और गीता भवन तैयार करने का संकल्प लिया है। प्रदेश की लाड़ली बहनों के बैंक खातों में हर माह 15 तारीख से पहले 1500 रुपए की राशि भेजी जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कृषक कल्याण वर्ष 2026 में राज्य सरकार ने अनेक किसान हितैषी निर्णय लिए हैं। मध्यप्रदेश ने किसानों से सबसे अधिक गेहूं खरीदने का राष्ट्रीय रिकॉर्ड अपने नाम किया है। प्रदेश के पौने 14 लाख किसानों से गेहूं उपार्जन कर प्रति क्विंटल 2625 रुपए का भुगतान किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 12 वर्षों के शासन काल में भारत ने देश-दुनिया में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। प्रधानमंत्री श्री मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री श्री शाह के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश सबसे पहले नक्सलवाद से मुक्त होने वाला राज्य बना है। नक्सल उन्मूलन कर हमने समर्पण करने वालो को मुख्य धारा से जोड़ने का कार्य किया है। आज देशभर से नक्सलवाद का सफाया हो चुका है। भारत सरकार देश के अंदर और सीमाओं को सुरक्षित रख रही है। केंद्रीय मंत्री आवास एवं शहरी कार्य श्री मनोहर लाल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने विरासत से विकास की प्रेरणा दी है और इसी को ध्येय बनाकर मध्यप्रदेश में विकास कार्यों को गति दी जा रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में उज्जैन में स्मार्ट सिटी के उत्कृष्ट कार्य हुए हैं, यह सराहनीय पहल हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव एक दूरदर्शी सोच रखने वाले मुख्यमंत्री हैं, जो मध्यप्रदेश को बहुत आगे ले जाएंगे। हमारी सांस्कृतिक विरासत के बिना हमारा गौरव शून्य हो जाएगा। उज्जैन देशभर में आस्था का प्रमुख केंद्र बनें, इसके लिए कार्य जारी है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने काशी में विश्वनाथ धाम, अयोध्या में भव्य श्रीराम मंदिर और केदारनाथ धाम में विकास को नई दिशा दी है। देश में प्रधानमंत्री श्री मोदी के 12 साल के कार्य काल में कई अभूतपूर्व कार्य हुए हैं।

### ग्रीन फील्ड कॉरीडोर विकास का बनेगा नया पर्याय

*मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह कॉरिडोर इंदौर के पितृ पर्वत क्षेत्र से शुरू होकर उज्जैन के चिंतामन गणेश मंदिर के समीप सिंहस्थ बायपास तक पहुंचेगा। इस मार्ग के बन जाने से इंदौर और उज्जैन के बीच आवागमन अधिक सुगम और तेज होगा, साथ ही सिंहस्थ मेले में आने वाले लाखों श्रद्धालुओं को बड़ी सुविधा मिलेगी। फतेहाबाद और चंद्रावतीगंज इंदौर-उज्जैन के बीच व्यापार-व्यवसाय का प्रमुख केंद्र रहा है, ग्रीनफील्ड कॉरीडोर विकास का नया पर्याय बनेगा। यह रोड उज्जैन-इंदौर मेट्रोपॉलिटन सिटी के लिए नए सूर्योदय के समान है। अब इंदौर, उज्जैन, देवास, शाजापुर, धार और रतलाम तक 16 हजार वर्ग किलोमीटर में फैले मेट्रोपॉलिटन एरिया में 6 रेलवे जंक्शन, 2 एयरपोर्ट, 4 हवाई पट्टी और 2 राजमार्ग शामिल होंगे। सड़क मार्ग, उद्योग-व्यापार-कृषि और रोजगार सहित सभी क्षेत्रों के विकास में अहम योगदान देता है। अब फतेहाबाद को रेलवे के डबल ट्रैक की भी सौगात मिलने जा रही है।*

संपादकः अली आदिल खान द्वारा सांई प्रिंटिंग प्रेस डी-85, न्यू अशोक अगर, नोएडा, गौतमबुद्ध नगर, यूपी से मुद्रित कराकर सी-148, साउथ मोती वाग,पो. चाणक्यपुरी, नई दिल्ली-110021 से प्रकाशित किया।
RNI No.: DELMUL/2012/47011 | Email:timesofpedia@gmail.com | समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार तथा समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन होंगे।